



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 236]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 2, 2017/भाद्र 11, 1939

No. 236]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 2, 2017/BHADRA 11, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबन्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 2017

(अंतिम जांच परिणाम)

विषय: मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब और चीन जन. गण. मूल के अथवा वहां से निर्यातित बिना बुने गए कपड़ों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच

क. पृष्ठभूमि

1. सं. 14/23/2015-डीजीएडी.—यतः मेसर्स ग्लोबल नॉनवोवन लिमिटेड (जिन्हें आगे याचिककर्ता या आवेदन कहा गया है, ने 1995 में यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम भी कहा गया है) और इसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 जिसे एतदपश्चात् पाटनरोधी नियमावली भी कहा गया है, के अनुसार मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब और चीन जन.गण.(जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है, के मूल अथवा वहां से निर्यातित बिना बुने हुए कपड़ों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया।
2. अतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य और घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटनरोधी विद्यमान होने के संबंध में प्रथम दृष्टया संतुष्टीकरण के आधार पर भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 15 जून 2016 की अधिसूचना संख्या 14/23/2015-डीजीएडी जारी किया जिसमें उपर्युक्त नियम के नियम 5 के अनुसार मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरेबिया और चीन मूल अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के

संबंध में जांच की शुरुआत की गई ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, इसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुए क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

ख. प्रक्रिया

3. संबंधित जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यहां नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- i. उपर्युक्त नियम के तहत निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योगों के पक्ष में आवेदक से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब और चीन जन गण से “जीएसएम 25 अथवा उससे कम के पॉली प्रोपीलीन से बनाए गए बिना बुने हुए कपड़े का पाटन आरोपित था।
- ii. आवेदन की प्रारंभिक जांच संवीक्षा में कुछ कमियां स्पष्ट हुए जिनका आवेदकों द्वारा बाद में सुधार किया गया। अतः आवेदन को उपयुक्त रूप से प्रलेखित माना गया।
- iii. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली 5 के उपर्युक्त उप-नियम (5) के अनुसार जांच की कार्यवाही को शुरुआत करने से पहले पाटनरोधी आवेदन पत्र की प्राप्ति के संबंध में स्थिति संबद्ध देशों के दूतावास को अधिसूचित किया।
- iv. भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 15 जून, 2016 को प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना जारी की जिसमें संबद्ध वस्तुओं के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत की थी।
- v. प्राधिकारी ने भारत के संबद्ध देशों के दूतावास, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों और आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार घरेलू उद्योग को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी है और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया। भारत संबद्ध देशों के दूतावास से उनके देशों के निर्यातकों/ उत्पादकों को विहित समय सीमा के भीतर उनके उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह देने का भी अनुरोध किया गया था।
- vi. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति भारत में संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों और दूतावासों को भेजी थी। आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षों को भी उपलब्ध कराई गई थी।
- vii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना माँगने के लिए प्रश्नावलियां भेजी:-
 - क. फाइबरटेक्स पर्सनल केयर एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
 - ख. सीएनसी इंटरनेशनल, थाईलैंड
 - ग. पीटी मल्टी स्पनिंडोजया, इंडोनेशिया
 - घ. पीटी टोरे पॉलीटेक जकार्ता, इंडोनेशिया
 - ङ. पीटी हासिलदमई टेक्सटाइल, इंडोनेशिया
 - च. हुइजोड जिनहाओचेंक नॉन-वोवन फैब्रिक कंपनी लिमिटेड, चीन
 - छ. डोनजियांग केमिकल एंड लाइट इंडस्ट्रीयल टेक्सटाइल टेक्सटाइल कं, लिमिटेड, चीन
 - ज. डोनगुगुआन जिनचेन नॉन-वोवन कं, लिमिटेड चीन जन.गण.
 - झ. गुआंगज़ौ जिनलांग नॉन-वोवन कं, लिमिटेड चीन जन.गण.

- ब. सनशाइन नॉन-वोवनफैब्रिक कं, लिमिटेड चीन जन.गण.
- ट. शेन्जेन लाइफेंगजेंड टेक्नॉलाजी प्रौद्योगिकी कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण.
- ठ. एडवांस्ड फैब्रिक (एसएएएफ), सऊदी अरब
- ड. माडा नॉन-वोवन लिमिटेड सऊदी अरब
- ढ. सऊदी जर्मन कंपनी नॉन-वोवन प्रोडक्ट्स सऊदी अरब
- viii. संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रोफार्मा में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है:-
- ण. फाइबरटेक्स पर्सनल केयर एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- त. सऊदी जर्मन कंपनी नॉन-वोवन प्रोडक्ट्स सऊदी अरब
- थ. टोरे पॉलीटेक (नैन्टॉन्ग) कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- द. टोरे पॉलीटेक जकार्ता, इंडोनेशिया
- ध. आशी कसई स्पनबांड (थाईलैंड) कंपनी लिमिटेड
- न. इतोचू थाईलैंड लिमिटेड
- प. इतोचू इंडिया लिमिटेड
- फ. हुबेई गोल्ड ड्रेगन नॉन-वोवन फैब्रिक कंपनी लिमिटेड
- ix. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ता/ संगठनों को प्रश्नावलियां भेजी गई थी:
- ब. प्रॉक्टर एंड गैबल, भारत
- भ. जॉनसन एंड जॉनसन लिमिटेड
- म. किम्बर्ली क्लार्क लीवर प्रा. लिमिटेड
- य. एससीए हाइजीन प्रोडक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- कक. यूनिचार्म इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- खख. नोबेल हाइजीन प्रा. लिमिटेड
- x. निम्नलिखित द्वारा आयातक प्रश्नावली उत्तर दिया गया है:
- i. यूनिचार्म इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- xi. विभिन्न ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं, घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा किए गए अनुरोध के अतिरिक्त विदेशी व्यापार के निदेशालय - इंडोनेशिया ने भी अपना अनुरोध दर्ज किया था।
- xii. नियम 6 (7) के अनुसार प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच हेतु रखी गई सार्वजनिक फाइल में रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य को अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया।
- xiii. जांच अवधि सहित विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयात आंकड़ों के व्यौरों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी (डीजीसीआई एंड एस) महानिदेशालय तथा डीजी प्रणालियों को भी अनुरोध किया गया था। अतः प्राधिकारी ने संगठन और आवश्यक विश्लेषण के लिए डीजीसीआई एवं एस आंकड़ों और सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत विस्तृत जानकारी पर भरोसा किया।

- xiv. सामान्यतः स्वीकार्य लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत जानकारी आधारित भारत में संबद्ध वस्तुओं के इष्टतम उत्पादन लागत और बनाने तथा बिक्री करने की लागत पर कार्य किया गया जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटनरोधी शुल्क के पाटनरोधी मार्जिन से कम होने पर वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने में पर्याप्त होगी। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III के तहत बनाए गए सिद्धांतों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा एनआईपी का निर्धारण किया गया है।
- xv. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना उनके गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई है। संतुष्ट होने पर इसे प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और इसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के नहीं बताया गया है। यहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध कराएं।
- xvi. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (6) के अनुसार दिनांक 12 मई, 2016 को संपन्न सुनवाई में प्राधिकारी ने सभी इच्छुक पक्षों को मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान किया गया। मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले पक्षों को दिनांक 19 मई, 2017 तक मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित प्रस्तुतियों के रूप में दर्ज करने का जिसके पश्चात् दिनांक 24 मई, 2017 तक प्रत्युत्तरों को प्रस्तुत करने अनुरोध किया गया।
- xvii. आवेदक द्वारा घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था। आवश्यक सुधार के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना जहां लागू हो पर वर्तमान अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ भरोसा किया गया है।
- xviii. यह विचार करते हुए कि याचिकाकर्ता ने फरवरी, 2015 में प्रयोगिक उत्पादन आरंभ किया है तथा जुलाई 2015 में वाणिज्यिक उत्पादन प्रवर्तन किया है, वर्तमान जांच के उद्देश्य के लिए जांच अवधि 1 जुलाई 2015 से 31 मार्च, 2016 (9 माह) की है। तथापि, वास्तविक निष्पादन और अनुमानित अनुमानों/लक्ष्यों की तिमाही दर तिमाही तुलना के आधार पर क्षति विश्लेषण किया गया है। इसके अतिरिक्त, अप्रैल 2012 से मार्च 2013, अप्रैल 2013 से मार्च 2014, अप्रैल 2014- मार्च 2015, अप्रैल 2015 से जून 2015 की अवधि के लिए आयात और मांग आंकड़ों को भी क्षति विश्लेषण के लिए विचार किया गया है।
- xix. वर्तमान जांच अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षों द्वारा की गई और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोधों का समाधान इस अंतिम जांच परिणाम में किया गया है।
- xx. जहां कहीं भी, किसी हितबद्ध पक्ष ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना प्रस्तुत की है या जांच में काफी बाधा डाली है, उन्हें प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणामों में रिकॉर्ड किया है।
- xxi. प्रकटीकरण विवरण को दिनांक 2.08.2017 को जारी किया गया जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचाराधीन आवश्यक तथ्य शामिल थे तथा प्रकटन विवरण में टिप्पणियां यदि कोई, को देने के लिए दिनांक 16.08.2017 तक का समय दिया गया। प्राधिकारी ने प्रकटन के बाद हितबद्ध पक्षों से प्राप्त टिप्पणियों पर उपयुक्त रूप से विचार किया है।
- xxii. *** इस अंतिम जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किए जाने का द्योतक है।
- xxiii. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा जांच अवाधि के लिए अपनाई गई विनियम दर 1 अमरीकी डालर = भारतीय रुपए 66.58/- है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. घरेलू उद्योग निर्यातकों द्वारा पीयूसी और बहिष्करण के संबंध में अनुरोध दर्ज किया गया है। उसे नीचे संक्षेप में बताया गया है:

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

5. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध इस प्रकार है:

क. याचिका में विचाराधीन उत्पाद "पालीप्रोपीलीन से गैर बुने कपड़े जिसका आधार वजन 25 जीएसएम से अधिक नहीं" है।

ख. गैर बुने कपड़ों को मोटे तौर पर शीट या वेब संरचनाओं के रूप में परिभाषित किया जाता है जो यांत्रिकीय तापीय अथवा रसायनिक तरीके से फिलामेंटों को फंसा कर जोड़ा जाता है। वे सपाट, छिद्रपूर्ण शीट हैं जो सीधे पिघले हुए प्लास्टिक से बने होते हैं। वे बुनाई द्वारा नहीं बनाए जाते हैं और उसके लिये धागे के लिए फाइबर को परिवर्तित करने की आवश्यकता नहीं होती।

ग. विचाराधीन उत्पाद विभिन्न प्रकारों या किस्मों में उत्पादित किया जा सकता है, जो मूल रूप से जीएसएम में विनिर्दिष्ट कपड़े की मोटाई, या जिस तरीके से कपड़े का निर्माण होता है, से भिन्न होता है। उत्पादन प्रक्रिया में पिघले हुए पॉलीप्रोपीलेन को गर्म सिलेंडरों की जोड़ी से गुजरना होता है जो एक जोड़ने वाले पदार्थ के रूप में कार्य करते हैं। यह या तो स्पन बॉन्ड तकनीक में या पिघलाए जाने की तकनीक में हो सकता है।

6. सभी प्रकार के गैर-बुने हुए कपड़े वर्तमान जांच के विषय वस्तु नहीं हैं। केवल मुख्य रूप से पालीप्रोपीलीन से उत्पादित बिना बुने कपड़े विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में हैं। यह आगे भी उल्लेख किया गया है कि केवल गैर-बुने हुए कपड़े जिनमें निम्नलिखित आवश्यक विशेषताएं हैं वे आयातित उत्पाद में मौजूद हैं।

क. पॉलीप्रोपीलेन का उपयोग करके उत्पादन किया गया, और

ख. आधार वजन 25 जीएसएम से अधिक नहीं है, और

ग. या तो स्पन बॉन्ड या पिघले स्पन प्रौद्योगिकी/उत्पादन प्रक्रिया द्वारा उत्पादित है, और

घ. स्वच्छता उत्पादों में स्वच्छता के लिए अनुप्रयोगों के लिए, और

ड. उत्पादन तकनीक, संयंत्र और उपकरण, विनिर्माण सुविधाओं का उपयोग करके उत्पाद, जो अनुमति देता हों

- i. विनिर्देशन में एकरूपता और स्थिरता प्राप्त करने के लिए आवश्यक क्लोज्ड लूप नियंत्रित वातावरण में उत्पादन,
- ii. बाहरी कण, धूल के कणों के रूप में प्रदूषण का शून्य स्तर,
- iii. दोष पैच, छेद, गांठ, आदि जैसे निर्धारित स्तर सह
- iv. अत्यधिक दबाव वाली परिस्थितियों में उत्पादन,
- v. वांछित विनिर्देशों के अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया नियंत्रण उपकरण का उपयोग करना।

च. उत्पाद में निम्नलिखित तकनीकी गुण होना चाहिए:

- i. स्पनबांड (एस/एस एस/एसएसएस) - केवल स्पनबांड तकनीक का उपयोग किया गया है। फैब्रिक में हवा की पारगम्यता अधिक है।

- ii. स्पनमेल्ट (एसएमएस / एसएमएमएस / एसएसएमएमएस) – स्पनबांड और पिघलाए जाने वाली तकनीक का उपयोग होता है और संबंधित परतों को नरम और बहु उपयोगिता कपड़ों का उत्पादन करने के लिए बीच में जोड़ा जाता है। फैब्रिक में अवरोध संबंधी गुण हैं।
- iii. जल विरोधी – जल का विरोध करता है और अवरोध गुण को बढ़ाता है अतः रासायनिक प्रकृति से विचारार्थ उत्पाद को किसी भी अतिरिक्त उपचार की आवश्यकता नहीं है।
- iv. हाइड्रोफिलिक – पानी को आकर्षित करता है तथा अवशोषण बढ़ाता है। कैलेंडिंग के बाद फिलामेंट शीट में उपयुक्त रसायनों को जोड़कर यह विशेषता प्रदान की जाती है। दोनों स्पनबांड और पिघले कपड़े को हाइड्रोफिलिक विशेषता के लिए उपचारित किया जा सकता है।
- छ. याचिकाकर्ता इस तरह की रिकाइल मशीन जो रेफेनहॉसर-जर्मनी मशीनरी द्वारा आपूर्ति की गई है , की प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है जो निर्यात करने वालों उत्पादकों द्वारा उपयोग किया जाता है। इस प्रकार याचिकाकर्ता के उत्पादों जैसे समान उत्पाद का उत्पादन करते हैं अर्थात् बंद लूप नियंत्रित वातावरण, संदूषण का शून्य स्तर (बाहारी कण, धूल के कण के रूप में) अत्यधिक दबाव स्थितियों में उत्पादन, अपेक्षित विनिर्देशन के साथ अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया नियंत्रण इंस्ट्रुमेंटेशन में उत्पादन से समान एवं एक रूप में मोटाई।
- ज. अतः इस प्रकार इस तरह की आवश्यक विशेषताएं याचिकाकर्ता के उत्पाद को भारत में अन्य उत्पादकों के समान उत्पादों और दूसरे देशों के उत्पादकों को निर्यात करके निर्मित किए गए उत्पादों के समान उत्पाद से भिन्न बनाते हैं।
- झ. विचाराधीन उत्पाद विशिष्ट कार्य करता है जैसे अवशोषण, तरल उत्कर्ष, खिंचाव, कोमलता, ताकत, घर्षण प्रतिरोध, लिंट और जीवाणुरहिता। कपड़े की ये विशेषताएं उत्पाद की उपयोग-जीवन और लागत के बीच एक अच्छा संतुलन बनाते हुए विशिष्ट कार्यों के लिए उपयुक्त फैब्रिक बनाते हैं।
- ण. विचाराधीन उत्पाद मुख्य रूप से स्वच्छता अनुप्रयोगों में उपयोग किया जाता है। कपड़ा सफेद होता है, लेकिन कभी-कभी मास्टर बैचों को जोड़कर इसे रंग दिया जा सकता है। इसके अलावा ये कपड़े को नरम, अत्यधिक नरम और इसके भाग लेपित भी हो सकते हैं।
- ट. इसके साथ ही, स्पनबॉन्ड, स्पन मेल्ट, हाइड्रोफोबिक, हाइड्रोफिलिक जैसी कई तकनीकी विशेषताएं उत्पादों को भारत में उत्पादित एक नया उत्पाद बनाती हैं।
- ठ. भारत में किसी भी उत्पादक ने यहां उल्लेख की गई सुविधाओं का उपयोग नहीं किया है, अतः वे भारत में उपभोक्ताओं द्वारा आवश्यक वांछित उत्पाद का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है।
- ड. अन्य उत्पादकों और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुएं एकदम अलग हैं। केवल याचिकाकर्ता के उत्पाद को भारत में आयात किया जा रहे उत्पाद को उत्पाद की तरह माना जा सकता है। स्थापित और याचिकाकर्ता को उपलब्ध विनिर्माण सुविधाएं अन्य घरेलू उत्पादकों की तुलना में कहीं ज्यादा उन्नत हैं।
- ढ. यह तथ्य इस तथ्य के साथ अधिक सुगमता से स्थापित हो जाता है कि याचिकाकर्ता उत्पाद को 1,35-170 रुपये प्रति किलोग्राम की शृंखला में बेच रहा है और अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादित अन्य गैर-बुना कपड़ा बहुत कम कीमत पर बेचा जा रहा है। दो उत्पादों की समानता का निर्धारण करने में किसी उत्पाद की कीमत बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य है दोनों उत्पादों की कीमत बहुत अलग होने के कारण उन्हें अलग बनाती है।

- ण. उत्पाद के प्रकार जिसके लिए बहिष्कार की मांग की जा रही है, का बहिष्कार नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इन उत्पादों में, वर्तमान जांच में पीयूसी की परिभाषा के अर्थ में विचार किए जा रहे उत्पाद आते हैं। पीयूसी के स्कोप को केवल 100% पॉलीप्रोपाइलीन के बने गैर बुने कपड़े के रूप में परिभाषित नहीं किया गया। विचाराधीन उत्पाद को "पॉलीप्रोपाइलीन के गैर- बुने कपड़े" के रूप में परिभाषित किया गया था और जब तक कपड़े को उत्पादन मुख्यतः पॉलीप्रोपीलेन का उपयोग करके किया जाता है, वह उत्पाद विचाराधीन सीमा के भीतर होता है।
- त. बहिष्करणों के लिए दावा किए गए उत्पादों का निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित किया जा रहा है। "गैर- बुना कपड़ा एसएस, एचओ (नरम)" स्पनबांड, हाइड्रोफोबिक नरम सामग्री और "गैर बुने लाफ्ट" के तुलनीय है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित एनडब्ल्यूएफ से बनाए गए मुद्रित एनडब्ल्यूएफ को भी बाजार में बेच दिया गया है। कंपनी द्वारा मुद्रण नहीं किया गया है और याचिकाकर्ता की संबद्ध कंपनी को दे दिया गया था।
- थ. निर्यातक ने उस समय जब प्राधिकारी ने पीसीएन तैयार करने के बाद हितबद्ध पक्षों से टिप्पणी की मांग की तब इस प्रकार के लिए एक पीसीएन पहचान नहीं की गई थी, और न ही इस के बारे में कोई दावा किया है। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इन प्रकार के उत्पादों को जांच अवधि के दौरान भारत को फाइबर टेक्स द्वारा निर्यात किया गया था। यदि इन उत्पादों को भारत में निर्यात नहीं किया गया है, तो बहिष्कार किए जाने की मांग पूरी तरह से निराधार है।
- द. उत्पाद का बहिष्कार/शामिल करने के प्रारंभिक मुद्दों को उठाने के लिए बहुत देर हो चुकी है। अनुरोध करने के लिए सभी हितबद्ध पक्षों को प्राधिकारी द्वारा पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया है। फाइबरटेक्स ने अनुरोध किया तथापि इन नए तथ्यों को शरारती उद्देश्य तथा जांच प्रक्रिया को अग्रिम करने के लिए रिकॉर्ड में रखा जा रहा है। इन अनुरोध को केवल इस आधार पर खारिज कर दिया जाना चाहिए।

उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों / अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किया गया अनुरोध

7. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा अनुरोध इस प्रकार हैं:
- क. याचिकाकर्ता और प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को पर्याप्त रूप से परिभाषित नहीं किया है
- ख. याचिकाकर्ता 8 जीएसएम के कम गैर-बुने हुए कपड़े का निर्माण नहीं करता है और इसे उनकी याचिका और सार्वजनिक सुनवाई में अच्छी तरह से स्वीकार कर लिया गया है। इसी कारण से, 8 जीएसएम के कम गैर बुने कपड़े को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- ग. सीमाशुल्क वर्गीकरण को परिभाषित करते समय, याचिकाकर्ता ने गलती से हेडिंग 56031200 को 25 जी / एम 2 से अधिक लेकिन 70 जी / एम 2 से कम वजन में शामिल किया। उसको शामिल नहीं किया जाना चाहिए था। विचाराधीन उत्पाद को 56031100 के तहत वर्गीकृत किया जाना चाहिए।
- घ. विचाराधीन उत्पाद को, *56,031,100 शीर्षक के तहत सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत वर्गीकृत करने योग्य, 8 जीएसएम से अधिक और 25 जीएसएम से कम मोटाई वाले पालीप्रोपीलीन से बना गैर बुना हुआ कपड़ा* के रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए।
- ड. विचाराधीन उत्पाद की कीमत का प्रभाव कच्चे माल की कीमतों पर पड़ता न कि आयात से। बाजार "खरीदार का बाजार" जैसे अच्छे विषय के लिए उपभोक्ता बाजार के रूप में कीमतों का फैसला करता है।

- च. याचिकाकर्ता ने पॉलीप्रोपीलेन की या तो रूपांतरण लागत या अंतरराष्ट्रीय कीमतों को रिकॉर्ड करने में विफल रहा है। पीओआई के दौरान प्रचलित पॉलीप्रोपीलेन के लिए अंतरराष्ट्रीय कीमत प्रदान करना आवश्यक है। पॉलीप्रोपाइलीन की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कुल गिरावट पाटन के कारण नहीं की जा सकती।
- छ. याचिकाकर्ताओं ने आयातों की वास्तविक स्थिति की तुलना में घरेलू खपत अथवा आयातों के कारण घरेलू उद्योग को समझने के लिए उपयुक्त रूप से अलग आंकड़े प्रदान नहीं किए हैं।
- ज. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादित उत्पाद की तुलना में काफी भिन्न है क्योंकि वे अन्य उत्पादकों की तुलना में बहुत अधिक कीमत पर उत्पाद बेच रहे हैं लेकिन यह कहीं नहीं बताया गया है कि दोनों उत्पाद समान उत्पाद नहीं हैं। समान उत्पाद का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी को व्यावसायिक प्रतिस्थापन की जांच करने की जरूरत है न कि अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा बेचे जा रहे/नहीं उत्पादों के बीच कीमतों में अंतर में। याचिकाकर्ता और अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादित उत्पाद समान उत्पाद हैं।
- झ. चूंकि विचाराधीन उत्पाद के पास एक खरीदार बाजार है और विचाराधीन उत्पाद स्वच्छ उत्पाद होने के कारण याचिकाकर्ता को बाजार में स्थापित निर्माताओं के साथ कठिन प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।
- ञ. मलेशिया से निर्यातक ने दावा किया है कि अपनी तकनीकी श्रेष्ठता, कीमत बैंड और उपयोग सेगमेंट के आधार पर मौजूदा जांच के तहत पीयूसी के क्षेत्र से निम्नलिखित प्रकार के उत्पादों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

(i) गैर बुना लॉफ्ट: इसका निर्माण दो कच्चा माल, पॉलीप्रोपीलीन और क्रोपॉलीमर का उपयोग करके किया जाता है जो कि सामान्य गैर बुना कपड़ा के निर्माण के विपरीत होता है जिसका निर्माण केवल पॉलीप्रोपीलीन का उपयोग करके किया जाता है।

(ii) गैर बुना डुआल: इसका निर्माण दो कच्चा माल, पॉली-प्रोपलीन पॉलीइथीलीन मिला करके किया जाता है तो सामान्य गैर बुने कपड़े के विपरीत होता है।

(iii) मुद्रित गैर बुना: इसमें गैर बुने उत्पादों पर प्रत्यक्ष रूप से मुद्रण करने के लिए पृथक मुद्रण प्रौद्योगिकी की आवश्यकता होती है। फाइबरटेक्स 8 जीएसएम से 100 जीएसएम की श्रृंखला वाले उत्पाद पर मुद्रित करने के लिए फ्लेक्सोग्राफिक मुद्रण प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है।

इसके अलावा, यह स्पष्ट किया गया है कि घरेलू उद्योग इन उत्पादों का उत्पादन नहीं करता। अतः गैर-बुना लॉफ्ट, गैर बुना डुआल और मुद्रित गैर बुना उत्पाद को जांच के तहत पीयूसी क्षेत्र में शामिल नहीं करना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8. प्रवर्तन अधिसूचना के अनुसार मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद "25 जीएसएम या उससे कम की पॉलीप्रोपीलेन से गैर बुना बना कपड़ा" है। पीयूसी के पास एक समर्पित एचएस कोड 5603 1100 है, हालांकि, यह आयात आंकड़ों से देखा गया है कि अन्य एचएस कोड 5603 1200 आदि के तहत भी आयात हो रहा है। इसलिए, उत्पाद का विवरण इस जांच के उद्देश्य के लिए निर्धारण कारक और एचएस कोड केवल सांकेतिक है।

9. अन्य अनुप्रयोगों की तुलना में स्वच्छता अनुप्रयोग के लिए पीयूसी के अंतर के लिए याचिकाकर्ता के अनुरोध पर विचार किया गया लेकिन प्राधिकारी इस तरह के अंतर के लिए सहमत नहीं थे। विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए संबद्ध वस्तुओं को पीयूसी क्षेत्र में और उनके जैसे सामग्रियों में शामिल किया जाता है।

10. निर्यातकों ने कुछ उत्पाद के प्रकार अर्थात् "गैर बुना लॉफ्ट", "गैर बुना डुआल" या "मुद्रित गैर बुना" के बहिष्कार के लिए अनुरोध किया लेकिन प्राधिकारी उस पर सहमति नहीं हुए। जांच के इस तरह के विलंबित चरण

में उठाए जाने के अलावा इस मुद्दे के साक्ष्य को ठीक तरह से प्रमाणित नहीं किया गया है। निर्यातक द्वारा दिए गए विवरण, वैज्ञानिक विवरण या तकनीकी विशिष्टता नहीं हैं। निर्यातक कुछ उत्पाद को गैर बुना लॉफ्ट मान रहे होंगे और वह यह अन्य निर्माताओं के लिए कुछ अन्य विवरण से जाना जा रहा होगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी पर्याप्त वर्णन और विनिर्देशों के बिना बहिष्कार पर विचार नहीं कर सकते हैं।

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच में पहला कदम विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र का निर्धारण करना है। विचाराधीन उत्पाद की सीमा तय करने के बाद, घरेलू उद्योग को पहले विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र की पहचान करने के बाद घरेलू उद्योग का क्षेत्र स्थापित करना होगा। घरेलू उद्योग का क्षेत्र ही समान वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों में से किया जा सकता है। याचिकाकर्ता द्वारा किए गए अनुरोध पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी ने निर्णय लिया है कि संबद्ध वस्तु को अपने उपयोग या अनुप्रयोग के आधार पर अंतर नहीं किया जाएगा क्योंकि इस तरह के अंतर को लागू करना कठिन होगा और यह केवल जांच के नतीजे को जटिल बना देगा। प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पाद विनिर्देश अथवा असंगतियों का निर्णय लिया है जैसा कि पहले ही जांच के प्रारंभिक चरणों में प्राधिकारी द्वारा सभी हितबद्ध पक्षों को स्पष्ट कर दिया है। पीयूसी को जीएसएम जाना उपचारित/ अनुपचारित (हाइड्रोफोबिक / हाइड्रोफिलिक) और विनिर्माण के स्पनबांड/ पिघले हुए प्रौद्योगिकी के संदर्भ में जाना जाएगा।

12. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं और संबद्ध देशों से आयात की गई वस्तुएं एक प्रकार की वस्तुएं हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित गैर-बुने हुए कपड़े और संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे उत्पाद की विशेषताओं जैसे भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, निर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशों, मूल्य निर्धारण, वितरण और मार्केटिंग और टैरिफ वर्गीकरण के मामले में, तुलनीय हैं। संबद्ध देशों से निर्यात किए गए संबद्ध वस्तुओं और याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। उपभोक्ताओं दोनों का उपयोग कर सकते हैं और दोनों का उपयोग एकांतर रूप से कर रहे हैं। दोनों तकनीकी और व्यावसायिक रूप से प्रतिस्थापित योग्य है और इसलिए नियमों के तहत समान वस्तुओं के रूप में माना जाना चाहिए। अतः वर्तमान जांच के उद्देश्य के लिए, भारत में आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को संबद्ध देश से आयात किए जा रहे संबद्ध वस्तुओं का समान वस्तु की तरह माना जा रहा है।

13. प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि न तो याचिकाकर्ता और न ही विदेशी उत्पादक वर्तमान में 8 जीएसएम के क्रम गैर-बुने हुए कपड़े का उत्पादन करते हैं, और न ही यह भारत में आयात किया गया है। चूंकि उत्पाद न तो याचिकाकर्ता या विदेशी उत्पादकों द्वारा उत्पादित किया जा रहा है और न ही भारत में उत्पाद आयात किया गया है, इसलिए 8 जीएसएम के क्रम के उत्पाद का बहिष्कार करना उचित होगा। हालांकि, यदि विदेशी उत्पादक इस उत्पाद को विकसित करते हैं और भविष्य में भारत को निर्यात करना शुरू करते हैं और घरेलू उद्योग भी ऐसा करते हैं, तो हितबद्ध पक्षों को उस स्तर पर समीक्षा प्राप्त करने का अधिकार होगा। इसलिए, ऐसे उत्पाद के प्रकार को बहिष्कृत करने के लिए विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में संशोधन की आवश्यकता है।

14. अतः प्राधिकारी **"8 से 25 जीएसएम के पॉलीप्रापीलीन से बना, गैर बुना कपड़ा"** को पीयूसी के तौर पर परिभाषित किया है।

घ. घरेलू उद्योग और स्थिति

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

15. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

क. मेसर्स ग्लोबल नॉन वोवन्स लि. जो भारत में घरेलू प्रशुल्क क्षेत्र (डीटीए) में संबद्ध वस्तु माल का एकमात्र निर्माता है और भारत में कोई अन्य उत्पादक के पास संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने के लिए इन देश उत्पादन सुविधाएं हैं, ने याचिका दर्ज किया है।

- ख. याचिकाकर्ता ने हाल ही नासिक, महाराष्ट्र में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है और निर्यात उत्पादकों द्वारा पाटन करना नई निगमित कंपनी के विकास में बाधक बन रहा है। याचिकाकर्ता ने अपने अस्तित्व की अवधि के दौरान बाजार में अपने उत्पादन और बिक्री की सीमा तक सामग्री की क्षति का सामना किया।
- ग. याचिकाकर्ता के उत्पाद की विशिष्टता और तकनीकी अंतर पहले से ही स्थापित उत्पादकों के उत्पादों के एकदम भिन्न हैं। इस प्रकार, भारत में स्वच्छता प्रयोजनों के लिए गैर-बुने हुए कपड़े का उद्योग पहले स्थापित नहीं किया गया था, और याचिकाकर्ता पीयूसी का एकमात्र उत्पादक है और इसलिए सामग्री में रूकावट होती है।
- घ. एक और निर्माता मेसर्स अल्सट्राम फाइबर कम्पोजिट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है, जिसने अपना समर्थन पत्र दिया है। कंपनी विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में स्थित है, इसलिए मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए विनिर्माण करती है और घरेलू बाजार में बहुत छोटी मात्रा को पूरा करती है। भारतीय बाजार में एसईजेड इकाई की अनुमानित बिक्री पर विचार करते हुए और भारत में संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन को ध्यान में रखते हुए, याचिकाकर्ता अभी भी भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन का प्रमुख अनुपात रखता है।
- ङ. भारत में कई अन्य कंपनियां हैं, जो संबद्ध वस्तु का निर्माण करने का दावा कर सकती हैं; लेकिन दावा सही नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयात किया गया गैर-बुना हुआ कपड़ा समान हैं, लेकिन इन अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा निर्मित गैर-बुने वाले कपड़े से वास्तविक रूप से अलग है और इस तथ्य से सत्यापित किया जा सकता है कि ये संबद्ध वस्तुएं इन अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा बेचे जाने वाले गैर बुने कपड़े की तुलना में याचिकाकर्ता द्वारा बहुत अधिक में बिकती हैं।
- च. एसईजेड इकाई डीटीए को बहुत छोटी राशि बेचती है। एक सेज डीटीए में अपनी बिक्री की सीमा तक ही केवल डीआई की स्थिति का दावा कर सकता है। यह तथ्य कि एसईजेड के भीतर एक निर्माता डीटीए में बिक्री कर सकता है और इसका मतलब यह नहीं है कि वह उस उद्देश्य के लिए स्थापित है। मेसर्स अल्सट्राम स्वास्थ्य अनुप्रयोगों के लिए वस्तु का उत्पादन करता है और याचिकाकर्ता स्वच्छता और स्वच्छता अनुप्रयोगों के लिए वस्तु का उत्पादन करता है, जिसके कारण दोनों उत्पाद अलग हैं। इसके अलावा, अल्सट्राम वेट लेड प्रौद्योगिकी और स्पेनलियड प्रौद्योगिकी जिसका अनुप्रयोग स्वच्छता के क्षेत्र में नहीं है का उपयोग करता है और स्पेनमेल्ट का कुल उत्पादन कुल उत्पादन के 12% से कम है। इसलिए, मेसर्स अहलस्ट्रॉम को ऐसे वस्तुओं निर्माता नहीं माना जाना चाहिए।
- छ. मेसर्स अल्फा फोम को अपने उत्पादों में अंतर होने के कारण समान वस्तुओं के निर्माता के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। याचिकाकर्ता अल्फा फोम से विभिन्न तकनीकी और भौतिक अंतर के साथ उत्पाद का उत्पादन करता है। इसके अलावा, एक पुराने निर्माता होने के बावजूद अल्फा फोम भारत में संबद्ध वस्तुओं को प्रमुख उपभोक्ताओं को नहीं बेचता है, जबकि कम अवधि में याचिकाकर्ता भारत और विदेश में संबद्ध वस्तु के कई प्रमुख उपभोक्ताओं वस्तु को बेचता है।
- ज. याचिकाकर्ता ने बड़ी संख्या में इन कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट प्रदान की है और उसी आधार पर यह स्थापित किया है कि वास्तव में इन कंपनियों के पास विनिर्माण सुविधाएं भी नहीं हैं और याचिका से संदर्भ विचाराधीन उत्पाद के लिए समान वस्तु से है और जिस पर याचिकाकर्ता द्वारा शुल्क मांगा गया है। इस तरह के समान वस्तुओं का निर्माण नहीं कर सकता जो दर्शाता है कि वे वर्तमान पीयूसी के लिए डीआई के रूप में शामिल नहीं हो सकते वे उत्पादक जो पीयूसी बनाने का दावा करते हैं के संबंध में वास्तविक आंकड़े प्रदान किए गए हैं।
- झ. याचिकाकर्ता, घरेलू उद्योग की आवश्यकता को पूरा करता है, जैसा कि पाटनरोधी नियमावली 1995 के नियम 2 (ख) के तहत निर्धारित किया गया है और घरेलू उद्योग होने के योग्य है।

उत्पादकों / निर्यातकों / आयातकों / अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किया गया अनुरोध

16. उत्पादों/ निर्यातकों/आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किया गया अनुरोध इस प्रकार हैं:
- क. याचिकाकर्ता मैसर्स ग्लोबल नॉन-वोवन, जो विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक होने का दावा करता है, वर्तमान जांच शुरू करने के लिए मत में नहीं हैं, लेकिन गलत बयानी द्वारा जांच शुरू की गई।
- ख. घरेलू उद्योग सबसे महत्वपूर्ण तत्व अर्थात् "प्रमुख अनुपात" और "संपूर्ण रूप घरेलू उत्पादकों" की बहुत बारीकी से जाँच की जानी चाहिए। अगर अनुपात बहुत कम है तो प्रमुख अनुपात के दावे को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उसी समय रूप में घरेलू उत्पादकों का मतलब है कि सभी संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों को घरेलू उद्योग के दायरे में शामिल किया जाना चाहिए और यह *यूरोपीय कॉम्प्यूनिट्स - चीन जन.गण. से कुछ आयरन एंड स्टील फास्टनर्स परनिश्चित विरोधी पाटन उपायों* के मामले में अपीलीय निकाय द्वारा आयोजित किया गया था।
- ग. याचिकाकर्ता ने सभी घरेलू उत्पादकों, जो पूरे उत्पादकों का गठन करते हैं को शामिल नहीं किया है, और यह पर्याप्त आधार है कि जांच समाप्त कर दी जानी चाहिए या घरेलू उद्योग का क्षेत्र बदला जाना चाहिए और इसमें अन्य सभी घरेलू उत्पादकों को शामिल करना चाहिए।
- घ. डीटीए में एकमात्र उत्पादक होने का याचिकाकर्ता का दावा स्पष्ट रूप से असत्य है। पिछले कई वर्षों से अन्य घरेलू उत्पादक ऐसे उत्पादों का उत्पादन कर रहे हैं। घरेलू मांग को आयात के साथ साथ, मैसर्स फाइबरबेव इंडिया, मैसर्स अल्फा फोम, मैसर्स सूर्या टेक्स्टाइल जैसे घरेलू उत्पादकों द्वारा पूरा किया गया है। अन्य घरेलू उत्पादकों के आंकड़ों को मंगाना और जांचना चाहिए। इन कंपनियों द्वारा उत्पादित वस्तुएं याचिकाकर्ताओं द्वारा निर्मित उत्पादों के समान हैं।
- ङ. जहां एक स्थापित उद्योग मौजूद है, वह प्रत्येक नए प्रवेशक के लिए सामग्री मंदता का दावा करने के लिए खुला नहीं है। याचिकाकर्ता किसी अन्य भारतीय उत्पादक के 10-15 साल के व्यावसायिक उत्पादन के बाद स्वयं को एक आरंभिक स्तर या विकासशील स्तर पर होने का दावा नहीं कर सकता है। यह एसईजेड में एक निर्माता के पूर्व-अस्तित्व के कारण भौतिक मंदता का मामला नहीं हो सकता है। एक एसईजेड इकाई को घरेलू उद्योग के रूप में माना जाना चाहिए। प्राधिकारी ने विगत में कई मामलों में ऐसा किया है। एसईजेड इकाई में अन्य उत्पादक है जिसको डीटीए की मंजूरी है और डीटीए की मंजूरी, इकाई को पाटनरोधी नियमावली नियम 2 (ख) के उद्देश्य के लिए घरेलू उत्पादन के रूप में माना जाना चाहिए।
- च. आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में अपेक्षित स्थायी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है। विरोधी पक्षों की गणना के अनुसार याचिकाकर्ता का उत्पादन हिस्सा केवल 20.39% है, जो रूढ़िवादी धारणा के आधार पर है, कि सभी घरेलू उत्पादक अपने संबंधित क्षमताओं का केवल 30% पर काम कर रहे हैं।
- छ. घरेलू उद्योग का कुल उत्पादन घरेलू उत्पादन के प्रमुख अनुपात का अर्थात् 51% से अधिक होना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में 29 उत्पादक जो विचाराधीन उत्पाद बनाने का दावा करते हैं के कुल उत्पादन का ब्यौरा लेने में विफल हो गए। याचिका में नामित उन 29 उत्पादकों में से एक, मैसर्स अल्फा फोम सुनवाई में उपस्थित थे। अल्फा फोम अपनी क्षमता में प्रतिवर्ष 6000 टन प्रति वर्ष 3000 टन से वृद्धि की। इसके अलावा उन्होंने उल्लेख किया है कि उनके पास 150 जीएसएम के लिए 10 जीएसएम से विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन की क्षमता है। आयातक मैसर्स यूनिकार्म ने दावा किया कि उन्हें भारत में 25 जीएसएम से कम गैर बुना कपड़ा खरीदा है और प्रमाण को उस प्रभाव के लिए उनके द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इस तथ्य से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन अन्य निर्माताओं द्वारा भी किया जा रहा है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

17. मैसर्स ग्लोबल नॉनवोवंस लिमिटेड द्वारा आवेदन दर्ज किया गया है जिसमें दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के 100% और भारत में डीटीए में समान उत्पादन के लिए है।
18. प्रवर्तन अवस्था में, और रिकॉर्ड में जानकारी के आधार पर, प्राधिकारी ने माना है कि जहां तक डीटीए में उत्पादन का संबंध है विचाराधीन उत्पाद केवल याचिकाकर्ता द्वारा भारत में निर्मित किया जाता है। इसके अलावा, विचाराधीन उत्पाद सेज में स्थित अलस्ट्राम फाइबर कम्पोजिट्स द्वारा निर्मित हैं जिन्होंने बाद में याचिका का समर्थन किया। प्रवर्तन घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स ग्लोबल नॉनवोवंस द्वारा दर्ज याचिका पर आधारित था।
19. प्रवर्तन करने के पश्चात् और सुनवाई के दौरान अनेक हितवद्ध पक्षों का तर्क है कि याचिकाकर्ता के एक मत नहीं हैं और अनेक निर्माताओं हैं जो देश के उत्पाद का उत्पादन कर रहे हैं, ने यह भी तर्क दिया गया है कि चूंकि उत्पाद, देश में अनेक अन्य निर्माताओं द्वारा उत्पादित किया जा रहा है, इसलिए मामला इस आधार पर शुरू नहीं किया जा सकता कि पाटित आयात, घरेलू उद्योग की स्थापना के लिए सामग्री में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। प्रवर्तन से पहले प्राधिकारी ने वस्त्र आयुक्त कार्यालय को पत्र लिखा जिसमें गैर बुने कपड़े के उत्पादकों के विवरण की मांग की। हालांकि, इस तरह का कोई विवरण प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराया गया। याचिकाकर्ता ने विभिन्न उत्पादकों के नाम जो गैर बुना कपड़ा लेकिन अलग विनिर्देश का उत्पादन कर रहे हैं, का उल्लेख किया। संबद्ध वस्तु केवल मैसर्स अलस्ट्राम फाइबर कम्पोजिट्स इंडिया प्रा. लि. द्वारा निर्मित होने का दावा किया गया जिनका विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। उन्होंने विधिवत प्रतिक्रिया व्यक्त की है और प्राधिकारी के समक्ष दर्ज याचिका का समर्थन किया।
20. यह नोट किया गया है कि याचिकाकर्ता ने तो विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है, और न ही वे विचाराधीन उत्पाद के आयातक या निर्यातक से किसी भी तरह संबंधित हैं। याचिकाकर्ता द्वारा सूचिगत विभिन्न उत्पादकों में मैसर्स अल्फा ने अनुरोध दर्ज किया तथा पाटनरोधी शुल्क अधिरोपण के लिए याचिका का समर्थन भी किया।
21. प्राधिकारी ने विभिन्न आयातकों और भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए पत्र भेजा है। हालांकि, केवल मैसर्स यूनिकार्म द्वारा प्रश्नावली प्रतिक्रिया दाखिल करके जवाब दिया। मौखिक सुनवाई के दौरान मैसर्स यूनिकार्म ने दावा किया कि संबद्ध वस्तुओं के अन्य निर्माताओं हैं और वे इस के लिए साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे। हालांकि, उन्होंने अनुरोध किया लेकिन पीओआई या पिछले वर्ष के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन/ खरीद के बारे में कोई दस्तावेजी सबूत के साथ अपने दावे को प्रमाणित नहीं किया है। यह दर्शाता है कि भारत में संबद्ध वस्तु के अन्य निर्माताओं नहीं होंगे जो विरोध करते हैं या याचिका का समर्थन करते हों।
22. जहां तक घरेलू उद्योग के क्षेत्र में सेज इकाई को शामिल किए जाने का संबंध है तो प्राधिकारी नोट करते हैं कि सेज इकाइयों को विशिष्ट प्रयोजनों के साथ स्थापित किया गया है और इस तरह की इकाई का ध्यान केंद्रण घरेलू बाजार पर ध्यान केंद्रित करने की तुलना में अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग को पूरा करने के लिए है।
23. विचाराधीन और सामान सामग्री के तहत उत्पाद की परिभाषा के आधार पर, यह देखा गया है कि केवल याचिकाकर्ता और मैसर्स अल्फा फोम समान वस्तुओं के लिए एक घरेलू उत्पादकों के रूप में योग्य है। मैसर्स अल्फा फोम ने अपने उत्पादन के बारे में जानकारी दी और याचिका का समर्थन किया। इसलिए, प्राधिकारी ने भारत में इस संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन की गणना के लिए और इसे ध्यान में रखते हुए उनके उत्पादन पर विचार किया है और याचिकाकर्ता अभी भी भारत में संबद्ध वस्तुओं के प्रमुख अनुपात के उत्पादन के लिए है।
24. चूंकि याचिकाकर्ता का उत्पादन भारत में डीटीए में विचाराधीन उत्पाद है के लिए कुल उत्पादन में " एक प्रमुख अनुपात " है, याचिकाकर्ता के मत को संतुष्ट करता है और पाटनरोधी नियम के अंतर्गत में घरेलू उद्योग बनाता है।

ड. गोपनीयता**घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

25. इस घरेलू उद्योगों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं

- क. निर्यातकों/आयातकों द्वारा प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- ख. अधिकांश जानकारी को गोपनीय रखने का दावा किया गया है और उनमें से कुछ ने खाली प्रारूपों को दर्ज किया है।
- ग. उनके द्वारा दर्ज अनुरोध समझ से परे हैं और याचिकाकर्ता इस पर कोई टिप्पणी देने की स्थिति से नहीं है।
- घ. नियम 7 के तहत सभी शर्तों को पूरा किया गया और कोई उदाहरण नहीं है जब याचिकाकर्ता ने जहां आवश्यक न हो आंकड़ा उपलब्ध नहीं कराया है।
- ड. दावा की गई गोपनीयता निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रक्रिया के अनुसार है। लागत जानकारी में गोपनीयता की आवश्यकता है क्योंकि यह याचिकाकर्ता की व्यापार स्वामित्व की अत्यधिक जानकारी बनाता है।
- च. हितबद्ध पक्षों और निर्यातकों ने स्वयं के लिए अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और इस तर्क को केवल उस तथ्य से दूर करने के लिए प्रयोग किया जाता है।
- छ. निर्यातकों द्वारा इस तरह की एक मांग का मुख्य उद्देश्य भारत में पीयूसी की लागत के संबंध में संवेदनशील और गोपनीय व्यावसायिक जानकारी हासिल करना है क्योंकि निर्यातक भारत में पीयूसी के उत्पादन की स्थापना करना चाहते हैं। निर्यातकों को बहुत अच्छी तरह से पता है कि अगर वे भारत में वस्तु पाटन नहीं करते हैं तो याचिकाकर्ता स्वयं को स्थापित करेगा और घरेलू बाजार पर कब्जा करेगा।

निर्यातकों, आयातकों, उपयोगकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

26. निर्यातकों, आयातकों, उपयोगकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है, इसलिए, विभिन्न मापदंडों पर क्षति को समझना असंभव है।
- ख. फोर्मेट ब, सीआई और सीआईआई, डी और ई में निर्धारित मापदंडों में पूर्णतः गोपनीयता का दावा किया गया है।
- ग. प्रोफार्मा IV क और IV ख या तो प्रदान नहीं की गई है या पूरी तरह से गोपनीयता का दावा किया गया है। इसमें मलेशिया, इंडोनेशिया और सऊदी अरब के लिए औसत बिक्री मूल्य भी शामिल है।
- घ. याचिका स्पष्ट रूप से सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के नियम 7 में निर्दिष्ट आवश्यकताओं का उल्लंघन करता है।
- ड. किसी भी जानकारी को केवल इसलिए गोपनीय नहीं रखी जा सकती क्योंकि पक्ष गोपनीयता का दावा करता है जैसाकि *स्टरलाइट इंडस्ट्रीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड वी नामित प्राधिकारी, 2003 (158) ईएलटी 673* मामले में निर्णय लिया गया।

प्राधिकारी द्वारा जांच

27. जानकारी की गोपनीयता के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली का नियम 7 इस प्रकार है के:-

गोपनीय जानकारी: (1) नियम 6 के उप-नियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उप-नियम (2), नियम 15 के उप-नियम (4) और नियम 17 के उप-नियम (4) में निहित किसी बात के होते हुए भी, नियम 5 के उप-नियम (1) के

तहत प्राप्त आवेदनों की प्रतियां अथवा जांच विधि में किसी पक्ष द्वारा गोपनीयता के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदान की गई कोई अन्य जानकारी, जिसकी गोपनीयता संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के संतुष्ट होने पर उनके द्वारा उसी प्रकार माना जाएगा और ऐसी कोई भी जानकारी प्रदान करने वाले पक्ष के विशिष्ट अधिकार पत्र के बिना किसी अन्य पक्ष को नहीं बताई जाएगी।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी, गोपनीयता के आधार पर जानकारी प्रदान करने वाले पक्षों से उसके गैर गोपनीयता सारांश को प्रदान करने कह सकते और यदि ऐसी जानकारी प्रदान करने वाले पक्ष के मत से, ऐसी जानकारी सारांश के लिए अति संवेदनशील नहीं है तो, ऐसे पक्ष सारांश देना संभव नहीं होने के कारणों का विवरण निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है।

(3) उप नियम (2) में निहित किसी बात के होते हुए, यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इससे संतुष्ट है कि गोपनीयता के लिए अनुरोध अनुबद्ध नहीं है अथवा जानकारी प्रदान करने वाला जानकारी को सार्वजनिक बनाने अथवा अपने जानकारी प्रकटन को सामान्यकृत अथवा सारांश के रूप में प्राधिकृत करने का इच्छुक है तो प्राधिकारी ऐसी जानकारी को उपेक्षा कर सकते हैं।

गोपनीयता के आधार पर हितबद्ध पक्षों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना को गोपनीयता दावे की प्रचुरता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने गोपनीयता का दावा जहाँ भी न्यायसंगत हो, स्वीकार कर लिया है, और इस तरह की जानकारी गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षों को प्रकट नहीं किया गया। जहाँ भी संभव हो, गोपनीयता के आधार पर जानकारी प्रदान करने वाले पक्षों को गोपनीयता के आधार पर दर्ज की जानकारी के लिए पर्याप्त गैर गोपनीय संस्करण प्रदान करने के लिए निर्देशित किया गया। प्राधिकारी सार्वजनिक फ़ाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत की गैर-गोपनीय संस्करण को उपलब्ध कराया।

च. विविध अनुरोध

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

29. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. यह निर्दिष्ट नहीं है कि याचिका के कौन से भाग में पर्याप्त समझ नहीं प्रदान किया गया है।
- ख. याचिकाकर्ता के उत्पाद को बड़ी संख्या में उपभोक्ता द्वारा अनुमोदित किया गया और अगर सब कुछ इस तरह के उपभोक्ताओं की मांग को संयुक्त कर दिया जाता है, तो याचिकाकर्ता 80% से अधिक क्षमता का उपयोग करने में सक्षम होगा, जो वर्तमान में पाटित आयात के कारण घरेलू बाजार में खुद को स्थापित करने में असमर्थ है।
- ग. एनएसई को प्रस्तुत अनुरोध में अनुमान का आधार यह है कि भारत सरकार इस तरह के पाटित आयात पर अंतरिम पाटनरोधी शुल्क लागू करेगा। अनुमानों के लिए याचिकाकर्ता ने वर्ष 2016-17 में वास्तविक और अत्यधिक नुकसान उठाया।
- घ. याचिका में सभी प्रासंगिक जानकारी प्रदान की गई थी और प्राधिकारी ने केवल पर्याप्त प्रथम-दृष्ट्या प्रमाण के बाद जांच शुरू की।
- ङ. जिंदल पॉलीफ़िल्मस लिमिटेड के साथ विलय से याचिकाकर्ता की कानूनी स्थिति नहीं बदलेगी जो वर्तमान जांच को प्रभावित करेगी क्योंकि याचिकाकर्ता जो पहले 61% स्वामित्व वाली सहायक कंपनी थी, अब उसी समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई है। इसके अलावा, एक पाटनरोधी जांच के लिए कानूनी स्थिति प्रासंगिक नहीं है, जैसाकि रूप से आवेदन प्रोफार्मा से सुझाव दिया जा सकता है।

निर्यातकों, आयातकों, उपयोगकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

30. निर्यातकों, आयातकों, उपयोगकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:
- क. वर्तमान याचिका दिनांक 12 मई, 2004 के व्यापार नोटिस 2/2004 का उल्लंघन करता है। जानकारी में 3 माह अर्थात् अप्रैल 15 से जून 15 का अंतराल है। यह अवैध है और इन आंकड़ों के आधार पर जांच शुरू नहीं की जा सकती है।
 - ख. अद्यतन याचिका के विश्लेषण के समर्थन करने वाली एक अद्यतन याचिका दर्ज नहीं की गई है। याचिकाकर्ता ने याचिका के साथ केवल अद्यतन आंकड़ा अनुबंध प्रस्तुत किया और अद्यतन याचिका नहीं दर्ज किया है। याचिका अधूरी है और जानकारी जैसे याचिका के भाग VI में याचिका के साथ दर्ज नहीं की गई है।
 - ग. याचिका को प्रमाण के समर्थन के अभाव में समाप्त किया जाना चाहिए। याचिका में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, क्षति और औपचारिक संबंध लिंक के संबंध में जानकारी नहीं है।
 - घ. याचिका में तथ्य का अपर्याप्त विश्लेषण है। लागत जानकारी मौजूद नहीं है और दर्ज की गई अन्य जानकारी में कमी है। याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े त्रुटि और विसंगतियों से पूर्ण है। आंकड़े भ्रामक और अविश्वसनीय है और उसमें किसी भी तरह की पर्याप्तता या सटीकता प्रतीत नहीं है। आंकड़े भ्रामक और गलत तरीके से है।
 - ङ. याचिका में त्रुटियां हैं कि सालाना आंकड़े को बढ़ाया जाता है। वार्षिकीकरण के सही आंकड़े में कमियां है और याचिकाकर्ता के आंकड़े बहुत अधिक है। वार्षिक आंकड़े भी याचिकाकर्ता द्वारा नहीं भरे गए हैं। याचिकाकर्ता द्वारा की गई गणना का प्रतिशत भी सही नहीं है।
 - च. याचिकाकर्ता ने नकारात्मक आरओआई पर लाभ का दावा किया है, जबकि, लाभ लगातार सकारात्मक बने रहे। इस तरह के विरोधाभासी आंकड़े एक साथ नहीं हो सकते।
 - छ. ज़िंदल पॉलीफिन ने एनएसई को प्रस्तुति प्रस्तुत किया और बताया कि कंपनी ने प्रदर्शन अच्छी तरह से किया है।

आवेदक ने ज़िंदल पॉली फिल्म लिमिटेड के साथ विलय के इस तथ्य का खुलासा नहीं किया और इससे याचिकाकर्ता की कानूनी स्थिति में परिवर्तन हुआ है क्षति का निर्धारण करने के लिए इस तथ्य को ध्यान में रखा जाना है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

31. उत्तर देने वाले पक्षों के बहस के संबंध में कि याचिका में कमी है अतः इसलिए जांच समाप्त किए जाने की आवश्यकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच विधिवत प्रलेखित याचिका के आधार पर शुरू की गई थी, जिसको पर्याप्त प्रथम दृष्टया प्रमाण जैसे पाटन क्षति और अनौपचारिक संबंध स्पष्ट हुआ है। अधिनियम और नियमों के अनुसार जांच की शुरुआत को सही ठहराने के लिए पर्याप्त प्रमाण था। प्राधिकारी ने जहाँ भी आवश्यक हुआ अतिरिक्त जानकारी की भी मांग की और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत जानकारी सत्यापित करवाई।
32. यह एक तय स्थिति है कि एक जांच आरंभ होना पर्याप्त प्रथम दृष्टया प्रमाण पर आधारित है और याचिका में ऐसे सभी जानकारी और प्रमाण आवश्यक नहीं है जो निर्धारण को अंतिम रूप बनाने के लिए है। निर्धारण एक जांच प्रक्रिया है जहां गुणवत्ता और सबूत की मात्रा से जांच की प्रगति पर सुधार आता है। अंतिम निर्धारण घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर प्राधिकारी द्वारा उचित जाँच और सत्यापन किए जाने की आवश्यकता है। प्रवर्तन की अवस्था में, प्राधिकारी केवल याचिका में दी गई सूचना पर निर्भर करते हैं और याचिकाकर्ता से उपलब्ध यथोचित अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध कराने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। प्रवर्तन के समय उपयोग सामान्य मूल्य के लिए कार्यप्रणाली में कमी हो सकती है और इसका मामले के परिणाम पर कोई प्रभाव नहीं होता। प्राधिकारी ने विदेशी उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा दर्ज प्रश्नावली प्रतिक्रियाओं के आधार पर वर्तमान निर्धारण किया गया है।

33. वर्तमान जांच के लिए जांच की अवधि 1 जुलाई 2015 से 31 मार्च 2016 (9 महीने) है यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता ने ही मार्च 2015 में प्रायोगिक और जुलाई 2015 में वाणिज्यिक उत्पादन में शुरू किया है।
34. विवाद के संबंध में, कि याचिका अधूरी है और जानकारी जैसे याचिका की भाग VI में याचिका के साथ दर्ज नहीं किया गया है, यह स्पष्ट किया जाता है कि याचिका में प्रासंगिक लागत जानकारी शामिल है। चूंकि जानकारी याचिकाकर्ता की गोपनीय व्यावसायिक जानकारी होती है इसलिए याचिकाकर्ता ने उसी पर गोपनीयता का दावा किया है।
35. जहां तक लागत की जानकारी के प्रकटीकरण के विषय में अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि लागत जानकारी गोपनीय व्यापार स्वामित्व की जानकारी है जो संक्षिप्तीकरण के लिए उत्तरदायी नहीं है और उसे लगातार गोपनीय जानकारी के रूप में अनुमति दी गयी है। वास्तव में, घरेलू उद्योग और विदेशी उत्पादकों दोनों ने जानकारी लागत की जानकारी पर गोपनीयता का दावा किया है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने लागत की जानकारी पर गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर रहे।
36. याचिकाकर्ता की परियोजना रिपोर्ट स्पष्ट रूप से एक गोपनीय संवेदनशील व्यावसायिक जानकारी है जो याचिकाकर्ता के व्यवसाय के संचालन के विषय में है इसलिए गैर-गोपनीय संस्करण में खुलासा नहीं किया जा सका है। जहां तक उत्पादों के नमूने का संबंध है, याचिकाकर्ता ने उस पर किसी भी प्रकार की गोपनीयता का दावा नहीं किया गया है और इन नमूनों को सार्वजनिक क्षेत्र में रखा गया है। वास्तव में, याचिकाकर्ता ने देश में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के लिए अपने उत्पाद के नमूने भेज दिये हैं और किसी भी आधार के बिना है कि गोपनीयता नमूनों पर याचिकाकर्ता ने दावा किया है।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन।

चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य और बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा

37. वस्तु के संबंध में धारा 9 ए (1) (ग), के तहत सामान्य मूल्य का मतलब है:

(i) सामान्य व्यापार के दौरान, समान वस्तु के लिए, तुलनात्मक मूल्य जब वह उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए हो; या

(ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान या जब किसी बाजार की विशेष स्थिति या निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्री की कम मात्रा के कारण समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं होती है, तो ऐसी बिक्री की उचित तुलना नहीं हो सकती है, उस समय सामान्य मूल्य या तो

(क) उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र या किसी ऐसे उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात की जाने वाली समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य होगा; या

(ख) उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत को जोड़ कर और उचित लाभ के साथ मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत होगी:

बशर्ते कि, मूल के देश के अलावा किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में और जहां वस्तु का केवल निर्यात के देश के माध्यम से सिर्फ हस्तांतरण किया गया है या निर्यात के देश में ऐसी वस्तु का उत्पादन नहीं किया गया है या निर्यात के देश इसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं है, तो मूल मूल्य देश में इसकी कीमत के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाएगा।

38. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के निर्यातकों को प्रश्नावली भेज दिया है तथा उन्हें फार्म और निर्धारित तरीके से जानकारी प्रदान करने की सलाह दी गई है। निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जांच में की प्रतिक्रिया निर्यातक प्रश्नावली (ईक्यू) का उत्तर दर्ज किया :

क्र.सं.	देश	कंपनी	स्थिति
1	चीन जन.गण.	टोरे पॉलीटेक (नानटाना) कंपनी लिमिटेड,	उत्पादक
2	चीन जन.गण.	हुबेई गोल्ड ड्रैगन नॉनवोवन फेब्रिक कंपनी लिमिटेड	उत्पादक
3	इंडोनेशिया	टोरे पॉलीटेक जकार्ता,	उत्पादक
4	मलेशिया	फाइबरटेक्स पर्सनल केयर एसडीएन बीएचडी	उत्पादक
5	सऊदी अरब	नॉनवोवन प्रोडक्ट फार सऊदी जर्मन कंपनी	उत्पादक
6	थाईलैंड	आशी कसई स्पनबांड (थाईलैंड) कंपनी लिमिटेड	उत्पादक
7	थाईलैंड / भारत	इतोचू थाईलैंड लिमिटेड और इतोचू इंडिया लिमिटेड	निर्यातक / आयातक

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

39. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. उत्पाद एक मूल्य निर्धारण फार्मूला का पालन करता है, जहां गुणवत्ता की जांच के लिये एक उचित मूल्य निर्धारण तंत्र का पालन किया जाता है और केवल आवश्यक अनुमोदन के बाद वाणिज्यिक लेन देन के लिए वस्तु पात्र होता है। उत्पाद को मुख्य रूप से मूल्य निर्धारण फार्मूला के आधार पर बेचा जाता है।
- ख. मलेशिया और इंडोनेशिया के अलावा, अधिकांश उत्पादक त्रैमासिक मूल्य निर्धारण के आधार पर उत्पाद बेचते हैं। मलेशिया और इंडोनेशिया ग्राहकों के साथ 6 महीने के समझौते पर भारत को संबद्ध वस्तु निर्यात कर रहे हैं और तदनुसार 6 महीने के मूल्य निर्धारण फार्मूले पर कीमतें निर्धारित की जाती हैं।
- ग. थाईलैंड, चीन और सऊदी अरब के उत्पादक संबद्ध वस्तुओं का नियति भारतीय उपभोक्ता को कर रहे हैं जो 3 माह कीमत प्रणाली का पालन करते हैं और 1 जुलाई से 31 दिसंबर तक की गई आपूर्तियों के लिए 1 जनवरी से 30 जून की इनपुट कीमतों और 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक की गई आपूर्तियों के लिए 1 जुलाई से 30 दिसंबर की इनपुट कीमतों पर विचार करते हुए आगे कीमतों का निर्धारण किया जाता है। ऐसी स्थिति में चीन जन.गण के अलावा संबद्ध देशों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करते समय इन कारकों को ध्यान में रखना आवश्यक है।
- घ. चीन 11 दिसंबर, 2016 के बाद भी एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था है। चीन को यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों, जो विश्व व्यापार संगठन के सदस्य हैं द्वारा उसे बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में नहीं माना जा रहा है। चीन को अभी भी एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के तहत माना जा रहा है।
- ङ. भारत में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था माना है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 31 मई 2002 को संशोधन के पश्चात् चीन के विरुद्ध आरम्भ की गई सभी जाँचों में चीन को व्यवहारिक रूप से गैर बाजार अर्थव्यवस्था माना है। पाटनरोधी नियमावली में कुछ निर्धारित शर्तें हैं जिनकी पूर्ति बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के दावे को स्थापित करने के लिए की जानी चाहिए। यह नोट किया जाना चाहिये कि बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा करने के लिये इच्छुक निर्यातकों द्वारा प्रत्येक और सभी शर्तों को पूरा किया जाना चाहिये।
- च. बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा ऐसी स्थिति में नहीं दिया जा सकता है, जहाँ प्रमुख शेयरधारकों में से एक राज्य के स्वामित्व / नियंत्रित इकाई है।

- छ. जब तक चीन के निर्यातक यह स्थापित नहीं करते कि प्रमुख इनपुटों की कीमतें महत्वपूर्ण रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती है और उनके खाता अंतर्राष्ट्रीय लेखा करण मानदंडों के अनुरूप लेखापरीक्षित है, चीन को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा नहीं दिया जा सकता है।
- ज. यह प्राधिकारी के स्थापित करने के लिए नहीं है कि प्रतियुत्तर देने वाली कंपनियाँ बाजार अर्थव्यवस्था वातावरण के तहत काम कर रही हैं और बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के लिए हकदार हैं। लेकिन यह प्रतियुत्तर देने वाले चीनी निर्यातकों के स्थापित करने के लिए है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की शर्तों के तहत काम कर रहे हैं।
- झ. तब तक बाजार अर्थव्यवस्था क दर्जा नहीं दिया जा सकता जब तक प्रतियुत्तर देने वाली कंपनी और उसके समूह समग्र रूप से दावा नहीं करते। यदि समूह का भाग बनाने वाली एक अथवा उससे अधिक कंपनियों ने उत्तर दर्ज नहीं किया है, तो बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा को निरस्त कर दिया जाना चाहिए।
- ञ. ऐसी स्थिति में जहां वर्तमान पणधारकों ने स्वयं अपनी उत्पादन सुविधाएं स्थापित नहीं की है किंतु अन्य पक्ष के लिए उस व्यवस्था को प्राप्त कर लिया हो, तो उसे बाजार व्यवस्था दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक रूपांतर दस्तावेज संबंधी प्रमाण पूर्ण रूप से स्थापित न हो जाए।
- ट. वर्तमान मामले में, सामान्य मूल्य को कीमत के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता अथवा इस कारण से कि संगत जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है, बाजार व्यवस्था तीसरे देश में मूल्य निर्मित नहीं किया जा सकता।
- ठ. मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और सऊदी अरब के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की कीमत की सूचना/प्रमाण प्राप्त करने के प्रयास किए गए। मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और सऊदी अरब में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों के कीमत सूची अथवा कोटेशन प्राप्त करने की प्रयास भी किए गए।
- ड. चूंकि विचाराधीन उत्पाद केवल कुछ उत्पादकों द्वारा उत्पादित किए जाते हैं तथा कुछ उपभोक्ताओं को बेचे जाते हैं, मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और सऊदी अरब के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की कीमत की जानकारी/प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं।
- ढ. याचिकाकर्ता ने निर्मित मूल्य प्रस्ताव को विचार करते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
- ण. याचिकाकर्ता प्रवर्तन करने पर अलग हानियों का समायोजन करने पर सहमत हो गया है किंतु सामान्य मूल्य को निर्धारण किए जाने तक और न कि क्षति मार्जिन और एनआईपी के निर्धारण तक।
- त. विभिन्न प्रक्रिया का उपयोग करके उत्पादित कपड़ों की लागत और कीमत में महत्वपूर्ण अंतर है।

निर्यातकों, आयातकों, उपयोगकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

40. निर्यातकों, आयातकों, उपयोगकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:
- क. याचिकाकर्ता एक उपयुक्त सामान्य मूल्य की गणना करने में नाकाम रही है। सामान्य मूल्य पूरी तरह से संशोधित किया गया है और गोपनीयता का दावा किया है।
- ख. आँकड़ों को पढ़ना असंभव है और उसका विश्लेषण नहीं किया जा सकता है।
- ग. बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों अर्थात् थाईलैंड, सऊदी अरब, इंडोनेशिया और मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य निर्मित नहीं किया जा सकता। ये देश बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश होते हैं, जिनके सामान्य मूल्य को घरेलू उद्योग के अनुसार याचिकाकर्ता अथवा परिवर्तन लागत, बिक्री, सामान्य और व्यय करने के मानक खपत मानकों के आधार पर निर्मित नहीं किया जा सकता। थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया और सऊदी अरब के लिए निर्मित सामान्य मूल्य को निरस्त किया जाना चाहिए।

- घ. टोरे पॉलीटेक नॉनटांग, चीन जन.गण. को बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जा सकता है। 100 से अधिक विश्व व्यापार संगठन के देशों ने चीन जन.गण. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया है और विगत 3 वर्षों के दौरान चीन जन.गण. ने पूर्ण बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति को पूरा किया है। टोरे पॉलीटेक नॉनटांग, चीन जन.गण. (टीपीएन) ने एमईटी प्रश्नावली के लिए विधिवत उत्तर दिया और गैर बाजार अर्थव्यवस्था अनुमान का खंडन करने के लिए पर्याप्त जानकारी प्रदान की है। टीपीएन बाजार व्यवस्था के मानदंडों, जो नियम में बनाए गए हैं को पूरा करता है। वर्तमान मामले में टीपीएन राज्य स्वामित्व वाली कंपनी नहीं है और कंपनी के प्रचालन बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति का सख्त रूप से पालन किया जा रहा है, टीपीएन द्वारा सभी निर्णय स्वतंत्रतापूर्वक लिए जाते हैं। तदनुसार, टीपीएन को बाजार व्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए और प्राधिकारी ने विगत में अनेक मामलों में ऐसा किया है, जैसे चीन और हांगकांग से सीएफएल 2002, चीन, चीन ताइपे, हांग कांग, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, फिलीपींस और थाइलैंड से क्लैड लैमिनेट्स, 2003, चीन से बोरेक्स डेकाहाइड्रेट 2003 आदि।
- ङ. वैकल्पिक रूप से, उन्होंने सुझाव दिया है कि इंडोनेशिया को टोरे पॉलीटेक नॉनटांग के लिए सेरोगेट देश के रूप से माना जा सकता है। टीपीजे और टीपीएन, दोनों यह समूह के भाग हैं और दोनों इस जांच में सहयोगी उत्पादक/निर्यातक हैं। दोनों विभिन्न देशों अर्थात् इंडोनेशिया और चीन क्रमशः में स्थित संबंधित इकाइयां हैं।
- च. याचिकाकर्ता द्वारा दर्ज अद्यतन जानकारी में, प्रत्येक अंक संशोधित किया गया है और यहां तक के कुल अंकों को याचिका में नहीं दिया गया है। साथ ही निर्मित सामान्य मूल्य के संशोधित किया गया है और उसे श्रेणी के रूप में नहीं दिया गया है।
- छ. प्रवर्तन करने पर हानियों को अलग और उपयुक्त समायोजनों को सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए किया जाना चाहिए।
- ज. लागत को अपनाने के आधार को याचिकाकर्ता द्वारा उल्लेख किया गया था और यह विश्व व्यापार संगठन एडीएके तहत प्रामाणिक आवश्यकता का स्पष्ट उल्लंघन है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

41. प्रवर्तन के स्तर पर प्राधिकारी ने चीन जन.गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में मानते हुए अनुमान के साथ आगे कार्यवाई की। प्रवर्तन करने के पश्चात् प्राधिकारी ने चीन के उत्पादकों/निर्यातकों को प्रवर्तन करने के नोटिस का उत्तर देने और अपने बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति के निर्धारण के लिए संगत जानकारी प्रदान करने की सलाह दी। प्राधिकारी ने नियमों के अनुबंध के पैरा 8 (3) में बनाए गए मानदंड के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने के लिए सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को एमईटी प्रश्नावली की प्रतियां भेज प्राधिकारी ने चीन सरकार को उनके देश में उत्पादकों/निर्यातकों को लगातार जानकारी प्रदान करने की सलाह देने का अनुरोध किया।
42. प्राधिकारी ने नोट किया कि प्रवर्तन के पश्चात् गैर बाजार अर्थव्यवस्था अनुमान का खंडन करने के लिए प्राधिकारी द्वारा नोटिस जारी करने के बाद टोरे पॉलीटेक (नॉनटांग) कंपनी लिमिटेड को छोड़कर देशों से संबद्ध वस्तुओं के कोई भी उत्पादकों/निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली उत्तर को प्रस्तुत नहीं किया है। तथापि, प्राधिकारी ने नियम 8 (अनुबंध I के पैरा 8 (3)) में निर्धारित शर्तों के पूरा नहीं किए जाने के कारण उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदान नहीं किया है।
43. इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि किसी भी उत्पादक/निर्यातक एमईटी दर्जे के हकदार नहीं है और इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग हासिल कोई भी हितबद्ध पक्ष ने उपयुक्त बाजार व्यवस्था तीसरे देश का चयन करने के लिए प्राधिकारी को कोई समग्री संबंधी तथ्य उपलब्ध नहीं कराई है, तो प्राधिकारी ने नियम के अनुबंध I के पैरा 7 के द्वितीय प्रावधान के संबंध में अन्य न्यायोचित आधार पर चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
44. उपर्युक्त की दृष्टि से, भारत में चीन से आयातित संबद्ध वस्तुओं के लिए, उत्पादन लागत के संबंध में उपलब्ध उत्तम जानकारी और बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा न्यायोचित लाभ मार्जित पर विचार करते हुए 'कोई अन्य

आधार' पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर लिया गया है। सामान्य मूल्य को घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार प्रमुख कच्ची सामग्रियों की खपत, प्रमुख कच्ची सामग्रियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, परिवर्तन लागत घरेलू उद्योग के लिए अनुमत स्तर पर व्याज, एसजीए आदि को विचार करते हुए निर्मित किया गया है। इसके अतिरिक्त यथोचित लाभ के लिए बिक्री लागत के 5% को शामिल किया गया है।

45. जहां तक इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड और सऊदी अरब से उत्पादकों और निर्यातकों का संबंध है, प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों पर भरोसा किया है और जहां तक हो सके, पुष्टि कर लिया है।

(I) चीन जन.गण

टोरे पॉलीटेक (नानटांग) कंपनी लिमिटेड ("टीपीएन") चीन जन.गण

सामान्य मूल्य

46. प्राधिकारी ने नोट किया कि टोरे पॉलीटेक (नानटांग) कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया था किंतु उसे पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 (3) के संबंध में निर्धारित शर्तों के पूरा नहीं करने की दृष्टि से प्राधिकारी ने उक्त व्यवहार प्रदान नहीं किया। इसके अतिरिक्त इंडोनेशिया को सेरोगेट देश के रूप में मानने के उनके अनुरोध पर विचार किया गया, तथापि इसे प्राधिकारी ने निरस्त कर दिया है क्योंकि अनेक इंडोनेशियाई उत्पादक चीन उत्पादकों द्वारा विनिर्मित और बेचे गए उत्पादों के सभी संगत उत्पाद के प्रकारों (पीसीएन) का उत्पादन और आपूर्ति नहीं करते। अतः तुलनीय आंकड़ों को लेने का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास, केवल न्यायोचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए समान उत्पाद के लिए वास्तव में चुकाए गए मूल्य अथवा भारत में देय विधिवत समायोजित, के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के अलावा कोई विकल्प शेष नहीं था। तदनुसार, उचित तुलना के लिए सामान्य मूल्य की एक्स-फैक्ट्री स्तर पर पीसीएन वार गणना की गई है। भारित औसत तो गणना की गई और सामान्य मूल्य नीचे सारणी में उल्लिखित के अनुसार है।

निर्यात मूल्य

47. मेसर्स टोरे पॉलीटेक (नानटांग) कंपनी लिमिटेड ("टीपीएन") चीन जन.गण से संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक/निर्यातक है तथा पीओआई के दौरान सीधे ही भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। भारत में बिक्री सीआईएफ के आधार पर है और प्रमात्रा तथा विनिर्देशन का ब्यौरा प्रश्नावली उत्तर के परिशिष्ट 2 में दिया गया है। उत्पादकों/ निर्यातकों ने अंतर्देशीय माल भाड़ा, समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा और साख के कारण समायोजनों को दावा किया है और विधिवत सत्यापन के पश्चात् उसकी अनुमति दे दी गई है। उचित तुलना के लिये पीसीएन वार एक्स-फैक्ट्री कीमत की गणना कर ली गई है। विभिन्न पीसीएन के सीएनवी और एनईपी के भारित औसत की गणना कर ली गई जो नीचे सारणी में उल्लिखित के अनुसार है।

हुबेई गोल्डड्रैगन नॉनवोवन फ्रेबिक्स कं. लिमिटेड, चीन जन.गण.

सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य

48. मेसर्स हुबेई गोल्ड ड्रैगन नॉनवोवन फ्रेबिक्स कं. लिमिटेड चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक/निर्यातक है और पीओआई के दौरान सीधे ही भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। उन्होंने एमईटी प्रश्नावली उत्तर दर्ज नहीं किया है और एमईटी दर्जे के लिए नहीं कहा है। भारतीय उपभोक्ता को सीआईएफ आधार पर बिक्री की जाती है और कुल एक्स फैक्ट्री निर्यात मूल्य के लिए निर्यातक ने हैंडलिंग, अंतर्देशीय परिवहन, विदेशों में परिवहन, बीमा, साख और बैंक शुल्कों के लिए समायोजनों का दावा किया है तथा विधिवत सत्यापन के पश्चात् उसकी अनुमति दे दी गई है। उचित तुलना के लिये पीसीएन वार एक्स-फैक्ट्री कीमत की गणना कर ली गई है। विभिन्न पीसीएन के सीएनवी और एनईपी के भारित औसत की गणना कर ली गई जो नीचे सारणी में उल्लिखित के अनुसार है।

चीन जन.गण से सभी अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

49. चीन से अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों जिन्होंने इस जांच में भाग नहीं लिया/न ही सहयोग दिया, उसके लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियामवली के नियम 6 (8) के संबंध में उपलब्ध उत्तम तथ्यों के आधार पर किया गया।

क्र.सं.	निर्माता / निर्यातक	निर्मित सामान्य मूल्य	निर्यात मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	रेंज
		अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	%	
1	टोरे पॉलीटेक (नॉनवोवन) कंपनी लिमिटेड ("टीपीएन")	***	***	***	***	5-15
2	मैसर्स हुवेई गोल्ड ड्रेगन नॉनवोवन टेक्सटाइल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	(0-10)
3	अन्य सभी	***	***	***	***	15-25

(II) इंडोनेशिया

मेसर्सटोरे पॉलीटेक जकार्ता पीटी ("टीपीजे")

सामान्य मूल्य

50. मेसर्स टोरे पॉलीटेक जकार्ता पीटी ("टीपीजे"), इंडोनेशिया से संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक/निर्यातक है जिनके पास संबद्ध वस्तुओं की अत्यधिक घरेलू बिक्री है। घरेलू बाजार में उसने गैर संबद्ध पक्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं की 100% बिक्री की है। 80/20 जांच कर ली गई है और 80% कारोबार लाभदायक है। उत्पादक/निर्यातक ने अंतर्देशीय माल भाड़ा, समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा और साख के कारण समायोजनों को दावा किया है और विधिवत सत्यापन के पश्चात् उसकी अनुमति दे दी गई है। तदनुसार, उचित तुलना के लिये पीसीएन वार एक्स-फैक्ट्री स्तर पर सामान्य मूल्य की गणना कर ली गई है। भारित औसत की गणना कर ली गई है और सामान्य मूल्य नीचे सारणी में उल्लिखित के अनुसार है।

निर्यात कीमत

51. मेसर्स टोरे पॉलीटेक जकार्ता पीटी ("टीपीजे"), पीओआई के दौरान सीधे ही भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। भारतीय उपभोक्ता को बिक्री एफओबी/सी एवं एफ के आधार पर की गई। उत्पादक/निर्यातक ने अंतर्देशीय माल भाड़ा, समुद्रीमाल भाड़ा समुद्री बीमा और साख के कारण समायोजनों को दावा किया है और विधिवत सत्यापन के पश्चात् उसकी अनुमति दे दी गई है। उचित तुलना के लिये पीसीएन वार एक्स-फैक्ट्री कीमत की गणना कर ली गई है। विभिन्न पीसीएन के सीएनवी और एनईपी के भारित औसत की गणना कर ली गई जो नीचे सारणी में उल्लिखित के अनुसार है।

सामान्य मूल्य और अन्य सभी उत्पादकों और इंडोनेशिया के निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

52. इंडोनेशिया से अन्य निर्माताओं/निर्यातकों जिन्होंने इस जांच में भाग नहीं लिया/सहयोग नहीं किया है, के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य उपलब्ध उत्तम तथ्यों के आधार पर नियम 6 (8) की पटनरोधी नियमवाली के संदर्भ में निर्धारित किया गया है। सम्बद्ध वस्तुओं के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य, शुद्ध निर्यात मूल्य और निर्धारित पाटन मार्जिन इस प्रकार है:

उत्पादक	सामान्य मूल्य अम.डा / मीट्रिक टन	निर्यात मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	रेंज
		अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	%	
मैसर्सटोरे पॉलीटेक	***	***	***	***	डी-मिनिमिस (2%)

जकार्ता पीटी इंडोनेशिया,					से कम)
अन्य सभी	***	***	***	***	डी-मिनिमिस (2% से कम)

(III) मलेशिया

फाइबरटेक्स पर्सनल केअर एसडीएन बीएचडी

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

53. पीओआई के दौरान, फाइबरटेक्स ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की और सीधे भारत में भी निर्यात किया। उन्होंने सभी संगत परिशिष्टों को जोड़ते हुए विस्तृत उत्तर प्रस्तुत किया। आंकड़ों का सत्यापन निर्यातक के कानूनी परामर्शदाता की सहायता से टेबल अध्ययन में किया गया। प्रलेखन में अनेक कमियाँ थी जिसे विधायी प्रतिनिधियों को विधिवत सूचित किया गया। उन्होंने मांगी गई जानकारी प्रस्तुत की/ विश्लेषण में दर्शाया कि भारत में बिक्री की प्रमाणा, जैसा कि परिशिष्ट 2 से दिया गया है, वह सत्यापन के लिए प्रदान की गई इनवाइस नमूनों से मिलान नहीं हो रहा है। आंकड़ों/दस्तावेजों की जांच से यह भी स्पष्ट हुआ कि उसमें संपूर्ण जानकारी नहीं दी गई थी, वास्तव में, भारत के कार्यालय के विद्यमान होने के संबंध में विशेष रूप से जानकारी को दबाने के लिए निर्यातक की ओर से विचारपूर्वक प्रयास प्रतीत होता है। अतः प्राधिकारी जानकारी को अविश्वसनीय पाते हैं तथा उत्तर को निरस्त करने के लिए उपयुक्त मानते हैं। तदनुसार, मलेशिया से निर्यात के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य को पाटनरोधी नियामावली के नियम 6 (8) के संबंध में उपलब्ध उत्तम तथ्यों के आधार पर निर्धारण किया गया है। निर्धारित किए गए संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों/निर्माताओं के संबंध में निर्मित सामान्य मूल्य, निवल निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:

उत्पादक/ निर्यातक	निर्माण सामान्य मूल्य	निर्यात मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	रेंज
	अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	%	
सभी उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***	***	डी- मिनिमिस (2% से कम)

(IV) सऊदी अरेबिया

नॉनवोवन उत्पादों के लिए सऊदी जर्मन कं.

सामान्य मूल्य

54. पीओआई के दौरान, सऊदी जर्मन ने संबद्ध वस्तुओं को घरेलू बाजार में बेच दिया है। पीओआई के दौरान घरेलू बाजार में सभी बिक्री को गैर संबद्ध पक्षों को किया गया। भारत को निर्यात के साथ तुलना करने पर सभी घरेलू बिक्री मात्रा में पर्याप्त है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी घरेलू लेन-देन सही है अतः प्राधिकारी ने सभी घरेलू बिक्री को सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए विचार किया है। सऊदी जर्मन के उत्पादक/निर्यातक ने अंतर्देशीय माला भाड़ा और साख लागत के कारण समायोजन का दावा किया है। तथापि, सत्यापन के लिए उल्लिखित माल भाड़ा में इनवाइस शून्य है अतः अंतर्देशीय माल भाड़ा के कारण समायोजन को शामिल नहीं किया गया है। तदनुसार, उचित तुलना के लिये पीसीएन वार एक्स-फैक्ट्री स्तर पर सामान्य मूल्य की गणना कर ली गई है। और उसके बाद भारत औसत की गणना कर ली गई जो नीचे दिया गया है:-

निर्यात मूल्य

55. मैसर्स सऊदी जर्मन ने परिशिष्ट 2 में दिए गए ब्यौरे के अनुसार भारत में गैर संबद्ध पक्षों को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। सऊदी जर्मन ने अंतर्देशीय और विदेशी में भाड़ा, बीमा, और साख लागत के कारण समायोजनों का दावा किया था। प्राधिकारी ने भारत को निर्यात का ब्यौरा और टेबल अध्ययन में सऊदी जर्मन द्वारा दावा किए गए समायोजनों का सत्यापन किया है। उचित तुलना के लिये पीसीएन वार एक्स-फैक्ट्री कीमत की गणना कर ली गई है। विभिन्न पीसीएन के एनवी और एनईपी के भारित औसत को निम्नलिखित रूप से निर्धारित किया गया है:-

सऊदी अरब के सभी अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

56. सऊदी अरब से अन्य निर्माताओं / निर्यातकों जिन्होंने इस जांच में भाग नहीं लिया / सहयोग नहीं किया है, के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य उपलब्ध उत्तम तथ्यों के आधार पर नियम 6 (8) की पटनरोधी नियमवाली के संदर्भ में निर्धारित किया गया है। सम्बद्ध वस्तुओं के अन्य उत्पादकों / निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य, शुद्ध निर्यात मूल्य और निर्धारित पाटन मार्जिन इस प्रकार है:

उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	रेंज
	अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	%	
नॉनवोवन उत्पाद के लिए सऊदी जर्मन कंपनी	***	***	***	***	डी-मिनिमिस (2% से कम)
अन्य सभी	***	***	***	***	डी-मिनिमिस (2% से कम)

V. थाईलैंड**मैसर्स आशी कसई स्पनबांड (थाईलैंड) कं. लि., ("एकेएसटी")****सामान्य मूल्य**

57. मैसर्स आशी कसई स्पनबांड (थाईलैंड) कं, लिमिटेड, ("एकेएसटी"), थाईलैंड से संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है और मैसर्स इतोचू (थाईलैंड) लिमिटेड, के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, जो बाद में पीओआई के दौरान मैसर्स इतोचू इंडिया प्रा.लि. भारत के माध्यम से भारत को आगे संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करता है। मैसर्स आशी कसई स्पनबांड (थाईलैंड) कं.लि. ("एकेएसटी") ने निर्यातकों/व्यापारियों अर्थात् मैसर्स इतोचू (थाईलैंड) लिमिटेड, थाईलैंड और मैसर्स इतोचू इंडिया प्रा.लि. इंडिया (निर्यातकों/व्यापारियों) के साथ पूर्ण निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दर्ज किया है। उसे अंतिम निर्धारण के लिए विचार किया गया है। मैसर्स आशी कसई स्पनबांड (थाईलैंड) कं.लि. ("एकेएसटी") के समक्ष घरेलू बिक्री है और उन्होंने विभिन्न पीसीएन के गैर संबद्ध पक्षों को संबद्ध वस्तुओं की 100% बिक्री की है। संगत पीसीएन के लिए 80/20 जांच की गई और बिक्री 80% से अधिक लाभप्रद है। उत्पादकों ने उपभोक्ता के वेअरहाउस और साख व्यय को अंतर्देशीय माल भाड़ा के कारण समायोजन का दावा किया और इसकी अनुमति दी गई। उचित तुलना के लिये पीसीएन वार एक्स-फैक्ट्री कीमत की गणना कर ली गई है। विभिन्न पीसीएन के एनवी और एनईपी के भारित औसत को निम्नलिखित रूप से निर्धारित किया गया है

निर्यात मूल्य

58. मैसर्स आशी कसई स्पनबांड (थाईलैंड) कं, लिमिटेड, ("एकेएसटी"), थाईलैंड से संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है और मैसर्स इतोचू (थाईलैंड) लिमिटेड, के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, जो बाद में पीओआई के दौरान मैसर्स इतोचू इंडिया प्रा.लि. भारत के माध्यम से भारत को आगे संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करता है। भारतीय उपभोक्ता के लिए बिक्री सीआईएफ आधार पर है और भारत को निर्यात किए गए कुल मात्रा का अंतिम निर्धारण पर विचार कर लिया गया। एक्स-फैक्ट्री स्तर पर पीसीएन वार गणना की गई है। भारित औसत तो गणना की गई और सामान्य मूल्य नीचे सारणी में उल्लिखित के अनुसार है।

सामान्य मूल्य और अन्य सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात मूल्य

59. थाईलैंड से अन्य निर्माताओं / निर्यातकों जिन्होंने इस जांच में भाग नहीं लिया / सहयोग नहीं किया है, के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य उपलब्ध उत्तम तथ्यों के आधार पर नियम 6 (8) की पटनरोधी नियमवाली के संदर्भ में निर्धारित किया गया है। सम्बद्ध वस्तुओं के अन्य उत्पादकों / निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य, शुद्ध निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन इस प्रकार है:

उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	रेंज
		अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	%	
मेसर्स आशी कसई स्पनबांड (थाईलैंड) कंपनी लिमिटेड	मेसर्स इतोचू (थाईलैंड) लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
अन्य सभी		***	***	***	***	0-10

पाटन मार्जिन

60. संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण पीसीएन वार सामान्य मूल्य (जहां भी सामान्य मूल्य उपलब्ध/स्वीकार्य नहीं है, वहां विनिर्मित) और संबद्ध वस्तुओं के लिए एक्स फैक्ट्री स्तर पर निवल निर्यात मूल्य की तुलना करके किया जाता है। निम्नलिखित सारणी में संबद्ध देशों से अनेक सहयोगी उत्पादकों /निर्यातकों के लिए भारित औसत मूल्यों को दर्शाया गया है:-

क्र.सं.	उत्पादक	सामान्य मूल्य / निर्मित सामान्य मूल्य	एनईपी	पाटन मार्जिन		
		अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	अम.डा / मीट्रिक टन	%	रेंज
1	टोरे पॉलीटेक (नानटांग) कंपनी लिमिटेड, चीन	***	***	***	***	5-15
2	हुबेई गोल्ड ड्रैगन नॉनवोवन टेक्स्टाइल कंपनी लिमिटेड, चीन	***	***	***	***	नकारात्मक
3	चीन जन.गण से सभी दूसरे निर्माता / निर्यातक	***	***	***	***	15-25
4	टोरे पॉलीटेक जकार्ता, इंडोनेशिया	***	***	***	***	डी-मिनिमिस (2% से कम)
5	इंडोनेशिया से सभी दूसरे उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	डी-मिनिमिस (2% से कम)
6	मलेशिया से सभी निर्यातक/ उत्पादक	***	***	***	***	डी-मिनिमिस (2% से कम)
7	नॉनवोवन उत्पाद के लिए सऊदी जर्मन कं, सऊदी अरब	***	***	***	***	डी-मिनिमिस (2% से कम)
8	सऊदी अरब से सभी दूसरे उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	डी-मिनिमिस (2% से कम)

9	इतोचू थाईलैंड लिमिटेड / इतोचू इंडिया लिमिटेड के माध्यम से आशी कसई स्पनबांड (थाईलैंड) कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
10	थाईलैंड से सभी दूसरे उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	0-10

छ. क्षति निर्धारण और क्षति की जांच के लिए क्रियाविधि तथा अनौपचारिक संबंध

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए ग्लोबल नॉन बोवंस लिमिटेड द्वारा याचिका दर्ज की गई थी जो भारत में संबद्ध माल की कुल भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख अनुपात है। नियमावली के नियम 2 (ख) के संदर्भ में याचिकाकर्ताओं को घरेलू उद्योग के रूप में माना गया है। अतः लागत और क्षति के निर्धारण करने के उद्देश्य से याचिकाकर्ताओं की जानकारी, घरेलू उद्योग का गठन करते हुए, जैसा नियम 2 (ख) में परिभाषित है, जांच ली गयी गई है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

62. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :

- क) याचिकाकर्ता के उत्पाद की विशिष्टता और तकनीकी अंतर इसे पहले से ही स्थापित उत्पादकों के उत्पादों से पृथक् करते हैं। इस प्रकार, भारत में, सफाई संबंधी प्रयोजनों के लिए बिना बुने हुए कपड़ों का उद्योग पहले स्थापित नहीं था और याचिकाकर्ता पी.यू.सी का एकमात्र उत्पादक बना रहा तथा इसलिए महत्वपूर्ण विलंबन बाधा लागू होती है।
- ख) विदेशी उत्पादक बहुत क्षमता वाले भारतीय बाजार पर कब्जा करने के लिए बहुत उद्यमशील है इससे पहले कि याचिकाकर्ता द्वारा अपने आप को घरेलू बाजार में महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर सके।
- ग) वाणिज्यिक उत्पादन जुलाई, 2005 में आरंभ हुआ था और उससे पहले के कोई आंकड़े विद्यमान नहीं हैं इसलिए एकमात्र प्रदर्शन, जो वर्तमान प्रयोजन के लिए संगत है, प्रेक्षेपित प्रदर्शन है। चूंकि, घरेलू उद्योग का कोई पिछला निष्पादन नहीं है, निर्दिष्ट प्राधिकारी पिछले निष्पादन का मूल्यांकन नहीं कर सकते। ऐसे मामलों में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रेक्षेपित निष्पादन का मूल्यांकन करना और उसकी वास्तविक निष्पादन के साथ तुलना करना अपेक्षित है। तदनुसार, प्रभावी निष्पादन को इसकी परियोजना रिपोर्ट, वर्तमान वास्तविक बिक्री कीमत और कच्ची सामग्री कीमत पर विचार करते हुए उपलब्ध कराया गया है।
- घ) इन आवेदनों में विचाराधीन उत्पाद के बढ़ते हुए प्रयोग के साथ, भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग काफी सकारात्मक है। द्वितीय और घटिया श्रेणी की सामग्री का आयात बहुत मामूली है। यदि, द्वितीय और घटिया श्रेणी के आयातों को शामिल नहीं किया जाता है तो फिर भी आंकड़े कीमत कटौती और घरेलू उद्योग को क्षति की ऊंची मात्रा दर्शाते हैं। याचिकाकर्ता द्वारा घटिया श्रेणी का उत्पादन उल्लेखनीय रूप से कम था, यह विचार करते हुए भी कि याचिकाकर्ता ने केवल हाल ही में वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ किया है।
- ड.) उद्योग का स्वरूप इस प्रकार का है कि इसे अमिश्रित उत्पादों के प्रयोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता है। याचिकाकर्ता द्वारा और भारत में पीयूसी के कथित अन्य उत्पादकों के सकल निवेश की तुलना समान स्तर पर नहीं है, इसके अतिरिक्त यह दर्शाता है कि कैसे याचिकाकर्ता द्वारा बनाए गए उत्पाद अन्य उत्पादकों से पृथक् हैं।
- च) याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी, मशीनरी और किए गए निवेश विदेशी निर्यातकों के अनुरूप हैं, जो दर्शाता है कि याचिकाकर्ता द्वारा किए गए निवेश बेमेल नहीं हैं।

- छ) मात्रा के बावजूद, याचिकाकर्ता ने अभी तक अपनी संभाव्यता और प्रक्षेपण लक्ष्य पूरे नहीं किए हैं। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता वित्तीय हानि से गुजर रहा है जिसके कारण इसे धारक कंपनी के साथ विलयन का वांछित कदम उठाना पड़ा है।
- ज) सऊदी अरब के अतिरिक्त, पूरी क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आधार वर्ष की तुलना में आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। किंतु, जांच की अवधि के दौरान सऊदी अरब से भी आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग द्वारा आरंभ किए गए वाणिज्यिक उत्पादन के शुरू होने के बावजूद आयातों का बाजार हिस्सा उल्लेखनीय रूप से अधिक रहा है। जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों द्वारा अधिग्रहित बाजार हिस्सा 100% था।
- झ) 18480 मी. टन की वर्तमान मांग की तुलना में, घरेलू उद्योग की क्षमता 18000 मी. टन है। इस प्रकार, संबंधित उत्पाद की बाजार मांग को पूरा करने की घरेलू उद्योग के पास पर्याप्त क्षमता है। घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण अपने बाजार हिस्से को बढ़ाने में असमर्थ है। घरेलू उद्योग की बिक्री, घरेलू उद्योग द्वारा किए जा रहे उत्पादन और जिस सीमा तक याचिकाकर्ता उत्पाद का उत्पादन कर सकता है, के अनुरूप नहीं बढ़ी है।
- त्र) आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि घरेलू उत्पादन का पूंजीकरण परियोजना रिपोर्ट में विचारित क्षमता उपयोग से बहुत कम है।
- ट) याचिकाकर्ता ने संबंधित उत्पाद के विनिर्माण और बिक्री के लिए एक नया सेट-अप बनाया है। विचाराधीन उत्पाद को संविदा आधार पर बेचा जाता है। संबद्ध देशों में निर्यातक आदेश को प्राप्त करने के लिए बहुत कम कीमतें पेश कर रहे हैं और यह दर्शाता है कि निर्यातक कच्ची सामग्री की लागत पर अपने मार्जिन को बहुत अधिक घटा रहे हैं।
- ठ) निर्यातकों द्वारा अनुसरित की जा रही पद्धति को ध्यान में रखते हुए, याचिकाकर्ता उचित कीमतों को प्राप्त करने में असमर्थ है और यदि, याचिकाकर्ता अपनी कीमत को कम करता है, तब भी वह अपनी क्षमताओं के अनुरूप आर्डर प्राप्त करने में असमर्थ है। याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तावित निम्न कीमत पाटित आयातों के कारण है। आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में हास कर रहे हैं।
- ड) पाटित आयात कुल रूप में और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में महत्वपूर्ण बने रहे हैं। निर्यातक माल सूची पर विभिन्न छूट देते हैं, जिन्हें समायोजित और घटाए जाने की जरूरत है।
- ढ) आंकड़े दर्शाते हैं कि कैसे याचिकाकर्ता के उत्पादों को उपभोक्ताओं द्वारा अनुमोदित किया गया है, किंतु पाटन के कारण, यह सम्माननीय उत्पादन पूंजीकरण प्राप्त नहीं कर पाया है और उत्पादों को बेचने में समर्थ नहीं है।
- ण) याचिकाकर्ता केवल 60% उत्पादन पूंजीकरण प्राप्त करने की इच्छा रखता है किंतु इसके विपरीत यह जांच अवधि के दौरान विभिन्न समय पर केवल 22% प्राप्त कर पाया है। एकत्र हो रहे माल के कारण उत्पादन को रोकने के दृष्टांत हैं। इस प्रकार, याचिकाकर्ता के समक्ष आ रही समस्याएं केवल स्टार्ट-अप समस्याओं के कारण नहीं हैं बल्कि निर्यातकों द्वारा पाटन के कारण हैं।
- त) निर्यातक प्रयोक्ताओं को दीर्घ ऋण दे रहे हैं। ब्याजों की लागत को समायोजित किए जाने की जरूरत है।
- थ) देश में उत्पाद के बहुत से आपूर्तिकर्ता हैं, घरेलू उद्योग उस कीमत की मांग नहीं कर सकता जिसकी इसे जरूरत है। इसे उस कीमत का अनुसरण करना होगा जो प्रयोक्ता दे। चूंकि, उत्पादक बाजार में नया है, इसलिए इसे उस कीमत से कम पर उत्पाद को बाजार में बेचना होगा जिस पर उत्पाद पहले ही बाजार में बेचा जा रहा है।

- द) नकारात्मक कीमत कटौती की विद्यमानता लागू नहीं होती क्योंकि कोई क्षति नहीं है। यह तथ्य कि याचिकाकर्ता निम्न कीमत पर बिक्री कर रहा है, का अर्थ है कि पाटित आयात कीमतों में ह्रास कर रहे हैं।
- ध) घरेलू उद्योग संचयी माल की समस्या का सामना कर रहा है। दैनिक उत्पादन की शर्तों में मापने पर, उत्पादकता बहुत कम बनी रही है।
- न) घरेलू उद्योग उत्पादन की वास्तविक लागत पर विचार न करने के बावजूद महत्वपूर्ण वित्तीय हानि उठा रहा है। महत्वपूर्ण निवेश का परिणाम महत्वपूर्ण राजस्व में प्राप्त नहीं हुआ है। हाल ही में, वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ करने के बावजूद, घरेलू उद्योग, घरेलू बाजार में अपनी क्षमताओं की सीमा तक उत्पाद करने और उत्पाद की बिक्री करने में सक्षम नहीं हैं।
- प) जैसाकि याचिकाकर्ता द्वारा निर्धारित किया गया है प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन बहुत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है बल्कि बहुत उल्लेखनीय भी है। घरेलू उद्योग पर क्षति का प्रभाव अत्यधिक महत्वपूर्ण है।
- फ) देश में उत्पाद का पाटन घरेलू उद्योग की स्थापना में अत्यधिक बाधा डाल रहा है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा वास्तविक निष्पादन पर विचार करने और इसकी संयंत्र की स्थापना के समय प्रक्षेपित निष्पादन के साथ तुलना किए जाने की जरूरत है।
- ब) महत्वपूर्ण बाधा के अर्थों पर डब्ल्यू.टी.ओ विधिशास्त्र – जहां महत्वपूर्ण क्षति की जांच या महत्वपूर्ण क्षति के जोखिम को किसी विद्यमान घरेलू उद्योग पर लागू किया जा सकता है, अभी पूरी तरह से स्थापित नहीं हुए घरेलू उद्योग के मामले में, किसी स्थापित उद्योग की विद्यमानता और महत्वपूर्ण बाधा की सीमा तक उल्लेखनीय क्षति के संबंध में जांच की जानी होगी। जहां महत्वपूर्ण बाधा की जांच की जानी हो वहां निम्नलिखित दो स्थितियां अनुप्रयोज्य हो सकती हैं :
- (क) "विकासशील उद्योग" के मामले में, जिस ने अभी तक वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ नहीं किया है किंतु वाणिज्यिक उत्पादन के लिए सारभूत वचनबद्धता की गई है;
- (ख) "नवजात उद्योग" के मामले में, जिनका वाणिज्यिक उत्पादन हालांकि आरंभ हो गया है किंतु उद्योग को बाजार में अभी अपना स्थान बनाना है।
- (भ) ई.यू. से विगत में प्राधिकारी द्वारा किए गए मामले जैसे पीवीसी फ्लैक्स, डी(-) पैरा हाइड्रोक्सी फिनायल ग्लिसीन मिथाइल पोटाशियम डेन साल्ट, फ्यूज्ड मेगनीशिया, बाई फेनोल-ए, इंडक्शन हाइड्रोजन फोर्ज्ड स्टील रोल्ल्स और डी(-) पैरा हाइड्रोक्सी फिनायल ग्लिसीन बेस (पीएचपीजी बेस) दर्शाता है कि निदेशालय ने समान रूप से प्रस्तुत मामलों में क्षति के विश्लेषण के लिए निम्नलिखित पद्धति पर विचार किया है।
- (म) देश में नए उत्पादन के बावजूद संबद्ध आयात कुल रूप में उल्लेखनीय बने रहे हैं। पाटन अभ्यासों द्वारा सृजित बाजार स्थितियां मुख्य रूप से घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही उल्लेखनीय वित्तीय हानियों के लिए जिम्मेदार है।
- (य) आयातों की पहुंच कीमत न केवल घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से कम है, बल्कि घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारक कीमत से भी कम है। आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को अत्यधिक ह्रासित कर रहे हैं।
- कक) उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के रूप में घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रक्षेपित स्तरों से उल्लेखनीय रूप से नीचे है। देश में नए उत्पादन के आरंभ होने के बावजूद, घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त किए गए स्तर उस स्तर की तुलना में बहुत निम्न हैं जिसे बाजार में विचाराधीन उत्पाद की मांग पर विचार करते हुए प्राप्त किया जा सकता है।
- खख) घरेलू उद्योग का निष्पादन लाभ, निवेशों पर आय और नकदी प्रवाह के रूप में एक दम विपरीत है। घरेलू उद्योग उत्पाद के लिए क्षति रहित कीमत वसूल करने में समर्थ नहीं है।

- गग) आयातों का वर्तमान उच्च स्तर, बाजार में घरेलू उत्पाद की उपस्थिति के बावजूद और कीमत आकर्षकता के कारण उत्पाद को आयात करने के लिए प्रयोक्ताओं की निरंतर प्राथमिकता के कारण है।
- घघ) चूंकि, घरेलू उद्योग बाजार में नया प्रवेशक है, इसलिए घरेलू उद्योग उत्पाद की आयात कीमत की तुलनीय कीमत पर आर्डर प्राप्त करने के लिए बाध्य है। अतः, यदि घरेलू उद्योग ह्रासित कीमतों पर आदेश प्राप्त करता है तो यह देश में उत्पाद के पाटन के कारण है।
- ड.ड.) घरेलू उद्योग उत्पाद का निर्यात करने के लिए बाधित है क्योंकि उसे घरेलू प्रयोक्ताओं से आदेश प्राप्त नहीं होते। घरेलू उद्योग बड़ी संख्या में देशों को निर्यात करता है जो उत्पाद की गुणवत्ता को स्थापित करता है। घरेलू उद्योग द्वारा देशवार निर्यात को दर्शाने वाला विवरण संलग्न है जो विकासशील देशों सहित, बड़ी संख्या में बाजारों को निर्यात दर्शाता है।
- चच) उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग और माल सूची का माहवार विश्लेषण दर्शाता है कि घरेलू उद्योग उत्पाद में कटौती करने के लिए बाधित है और उस स्तर से बहुत कम स्तर पर बिक्री का सामना करना पड़ रहा है जो देश में विचाराधीन उत्पाद के पाटन की अनुपस्थिति में घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।
- छछ) याचिकाकर्ता ने सभी गुणवत्ता परीक्षण उतीर्ण किए हैं और प्रयोक्ताओं से अनुमोदन प्राप्त किया है किंतु आदेश प्राप्त नहीं हो रहे हैं क्योंकि प्रयोक्ताओं की पाटित वस्तुओं तक आसान पहुंच है।

निर्यातकों/ उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षधारों द्वारा किए अनुरोध

63. उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षधारों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :

- क) याचिकाकर्ता एक मात्र उत्पादक नहीं है इसलिए घरेलू उद्योग की उल्लेखनीय मंदी का मामला नहीं बनता।
- ख) याचिका भ्रामक है क्योंकि संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक होने के इसके दावे के समर्थन में याचिकाकर्ता द्वारा ए.डी. नियमावली के संबंध में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- ग) एक स्थापित खिलाड़ी होने के पूर्व-विद्यमानता को ध्यान में रखते हुए, यह महत्वपूर्ण मंदी का मामला नहीं हो सकता। यह भारत में एक स्थापित उद्योग है और याचिकाकर्ता एक नया प्रवेशक है। बाजार में अन्य उत्पाद की कमी है और याचिका यह स्वीकार करती है। कंपनी ने जुलाई, 2015 में उत्पादन आरंभ किया था किंतु पहले ही असंभव रूप उच्च क्षमता उपयोग प्राप्त कर लिया है।
- घ) घरेलू उद्योग को क्षति या महत्वपूर्ण क्षति के खतरे के विपरीत घरेलू उद्योग की उल्लेखनीय मंदी को निर्धारित करने के लिए कोई क्रिया विधि नहीं है। प्राधिकारी को प्रथम उल्लेखनीय को मंदी निर्धारित करने के लिए क्रिया विधि तैयार करना चाहिए, तब वर्तमान जांच को आरंभ करना चाहिए।
- ड.) किसी कानूनी प्रावधान की अनुपस्थिति में, यह इंगित कर पाना बहुत कठिन है कि क्या किसी कानूनी प्रावधान का उल्लंघन हुआ है। यू.एस.आई.टी.सी मामलों से संदर्भ लिया जा सकता है। यू.एस.आई.टी.सी ने यह निर्धारित करने के लिए एक बाजार स्थिरीकरण मानक अपनाया है कि क्या नवजात उद्योग को स्थापित उद्योग समझा जा सकता है या नहीं। यदि उद्योग पहले से स्थापित है तो प्रयोज्य मानक महत्वपूर्ण क्षति का होगा और न कि महत्वपूर्ण मंदी का।
- च) किसी महत्वपूर्ण मंदी के मामले में, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह जांच की जानी चाहिए कि क्या आवेदक द्वारा बाजार में अभी अपना स्थान बनाना बाकी है या वह पहले ही स्थापित था। महत्वपूर्ण मंदी के दावे को न्याय संगत बनाने के लिए कोई पर्याप्त डाटा प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- छ) याचिका में प्रस्तुत डाटा सामान्य स्टार्ट-अप स्थितियों को दर्शाता है। डाटा दर्शाता है कि जुलाई, 2015 से दिसंबर, 2015 के दौरान क्षमता उपयोग 5 गुणा बढ़ा है। सिर्फ 6 महीने की अवधि में घरेलू बिक्री 7 गुणा बढ़ी है। यह स्पष्ट रूप से महत्वपूर्ण मंदी का मामला नहीं हो सकता।

- ज) छह महीने में बाजार हिस्सा शून्य से 10.66% तक बढ़ा है। एक स्पष्ट परिदृश्य को देखने के लिए मार्च, 2016 तक के सारे डाटा को रिकार्ड पर लाया जाना चाहिए। किसी नए उत्पादक के लिए उसकी स्थापना के केवल 6 महीनों के भीतर बाजार की 100% मांग को पूरा करना असंभव है।
- झ) याचिकाकर्ता किसी महत्वपूर्ण क्षति का सामना नहीं कर रहा है और उसकी स्थिति इस प्रकार इसलिए है क्योंकि यह उद्योग में नया प्रवेशक है। यदि याचिकाकर्ता महत्वपूर्ण रूप से मंदी से बाधित था तो उसे अपनी क्षमता का विस्तार नहीं करना चाहिए था। ऐसे निवेश दर्शाते हैं कि उन्हें क्षति नहीं हुई है।
- ञ) पहले ही यह तर्क दिया जा चुका है कि उद्योग नया नहीं है, बहुत सी ऐसी स्थापित कंपनियां पिछले 10-15 वर्षों से घरेलू बाजार की मांग को पूरा कर रही हैं। कम से कम 28 (स्रोत - याचिका) से अधिक उत्पादक बाजार में हैं जो बिल्कुल उसी उत्पाद का उत्पादन कर रहे हैं जो याचिकाकर्ता उत्पादित कर रहा है।
- ट) डी.आई की स्थिति में सुधार हुआ है और इसमें क्रमशः और अभी सुधार होगा। पी.यू.सी के उत्पादन में बहुत अधिक लागत निवेशित की गई है और इसका आर.ओ.सी.ई और लाभप्रदता के साथ सीधा संबंध है। निवेश पर 22% वापिसी बिना किसी समुचित आधार के है। निवेश पर 22% वापिसी अत्यधिक लाभ देती है और घरेलू उद्योग को सुरक्षा प्रदान करती है। बिना किसी शर्तों के इक्विटी पर 41% लाभ मार्जिन को उचित के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता। वाणिज्यिक उत्पादन के आरंभ होने के तुरंत बाद घरेलू उद्योग ने पाटित आयातों के कारण क्षति का सामना करना आरंभ कर दिया था। आयोजित पी.यू.सी की कीमत घरेलू उद्योग की तुलना में सापेक्ष रूप से अधिक है। पहले महीने में वाणिज्यिक उत्पादन में 42% क्षमता उपयोग प्राप्त किया गया और उसके बाद यह और बढ़ा है।
- ठ) कथित पाटित आयातों और याचिकाकर्ता की क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- ड.) याचिकाकर्ता अन्य कारकों के कारण क्षति का सामना कर रहा है जैसे कि :-
- स्टार्ट-अप – याचिकाकर्ता उद्योग में अनुभव की कमी के कारण क्षति झेल रहा है। उनके पास उन्नत प्रौद्योगिकी नहीं है और कीमत निर्धारण के बारे में कोई योजना नहीं है।
 - कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत : प्रमुख कच्ची सामग्री, पॉलीप्रोफोलिन की कीमत में अंतर्राष्ट्रीय रूप से गिरावट आई है और उसके कारण हुई हानियों के लिए आयातों को दोषी नहीं माना जा सकता।
 - क्रयकर्ता का बाजार : कीमतें क्रयकर्ताओं द्वारा निर्धारित की जाती हैं और याचिकाकर्ता बाजार में नए हैं और उत्पाद के लिए अपेक्षित गुणवत्ता मानकों को स्थापित करने में सक्षम नहीं है।
- ढ) कंपनी की धीमी वृद्धि के लिए प्रयोक्ता अनुमोदन और प्रौद्योगिकी के लिए उच्च ग्राहक स्थिरता, दीर्घ मार्गदर्शक समय मुख्य कारक है।
- ण) पी.यू.सी के प्रकार के कारण पूरे विश्व में सभी कंपनियां अत्यधिक ब्रांड सतर्क हैं। गुणवत्ता परीक्षणों से उत्तीर्ण होने और सारी प्रक्रियाओं से गुजरने के लिए वर्ष लग जाते हैं। क्षति का कारण गुणवत्ता प्रमाणपत्रों को प्राप्त करने में असफल होना है। याचिकाकर्ता भारत में हमारे प्रयोक्ताओं को अपना उत्पाद नहीं बेच सके क्योंकि वे गुणवत्ता के संबंध में सतर्क लोग हैं।
- त) द्वितीय और घटिया ग्रेड की सामग्री के प्रभाव को स्थापित करने के लिए प्रत्येक सौदे के बिक्री डाटा की जांच की जानी चाहिए।
- थ) डी.आई से जांच की अवधि के दौरान उत्पादित घटिया ग्रेड और प्रमुख सामग्री के साथ ग्रेड-वार उत्पादन डाटा देने के लिए कहा जाना चाहिए। वाणिज्यिक उत्पादन जुलाई, 2015 में आरंभ हुआ था और कंपनी प्रवेश बाधाओं का सामना कर रही है। कंपनी उच्च क्षमता उपयोग की आशा नहीं कर सकती और यही बात ज़िंदल ग्लोबल द्वारा एन.एस.ई को भेजे अपने पत्र में कही गई है।
- प) घरेलू उद्योग प्रमुख कच्ची सामग्री का आयात कर रही है और आयात शुल्कों में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि करती है तथा कुल कच्ची सामग्री की कीमत उत्पादन की लागत का 70% है और इसे कथित पाटन नहीं कहा जा सकता।

फ) घरेलू उद्योग को क्षति, क्षति में फैक्टरिंग या अन्य उत्पादकों को क्षति की कमी के बिना पूरी नहीं हो सकती।

प्राधिकारी द्वारा जांच

64. हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि चूंकि, उत्पाद देश में पहले से उत्पादन में था, घरेलू उद्योग की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण मंदी से संबंधित उपबंधों को वर्तमान मामले में नहीं लागू किया जा सकता। मामले की सावधानीपूर्वक जांच की गई है। यह टिप्पणी की गई है कि क्षति की जांच करने वाला नियम 11 विनिर्दिष्ट करता है कि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी एक जांच परिणाम दर्ज करेगा कि क्या भारत में ऐसी वस्तुओं का पाटित आयात भारत में किसी स्थापित उद्योग को महत्वपूर्ण क्षति पहुंचा सकता है या उसके लिए खतरा बन सकता है अथवा भारत में किसी उद्योग की स्थापना में महत्वपूर्ण बाधा पहुंचा सकता है। इसके अतिरिक्त, यह विनिर्दिष्ट करता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी सभी संगत तथ्यों, जिनमें पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमत पर उनका प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव और नियमों के अंतर्गत निर्धारित सिद्धांतों के अनुसरण शामिल हैं; को ध्यान में रखते हुए, पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध और घरेलू उद्योग की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण मंदी, घरेलू उद्योग को क्षति के खतरे, घरेलू उद्योग को क्षति का निर्धारण करेंगे। पाटन रोधी पद्धतियों पर डब्ल्यू.टी.ओ समिति द्वारा की गई सिफारिशें सुझाव देती हैं कि पाटन की जांच के लिए डाटा संग्रहण की अवधि सामान्यतः बारह महीने होनी चाहिए, और जांच की समाप्ति जांच आरंभ की तारीख से जितना संभव हो उतना निकट होनी चाहिए, जबकि क्षति जांच के लिए डाटा संग्रहण की अवधि कम से कम तीन वर्ष होनी चाहिए जब तक कि कोई पक्षकार, जिसका डाटा एकत्र किया जा रहा है, कम अवधि के लिए अस्तित्व में हो और पाटन जांच के लिए डाटा संग्रहण की अवधि की सम्पूर्णता शामिल की जानी चाहिए। इस प्रकार, जहां पाटनरोधी पद्धति संबंधी समिति क्षति आकलन के लिए डाटा संग्रहण की अवधि के लिए न्यूनतम तीन वर्ष निर्धारित करती है, यह भी विनिर्दिष्ट करती है कि यह इस शर्त के अधीन होगा कि पक्षकार का कम से कम इतनी लंबी अवधि के लिए विद्यमानता का इतिहास होना चाहिए। इसलिए ऐसी स्थिति में जहां घरेलू उद्योग का न्यूनतम निर्धारित अवधि से भी कम अवधि का विद्यमानता का इतिहास है, यह साक्ष्य है कि प्राधिकारी ऐसी अल्प अवधि के लिए विचार करने का हकदार है जिसके लिए घरेलू उद्योग अस्तित्व में है।
65. वर्तमान मामले में, याचिकाकर्ता ने जुलाई, 2015 में वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ किया था और इसलिए 3 वर्ष की अवधि के लिए सूचना स्वीकृत रूप से उपलब्ध नहीं है। यह विचार करते हुए कि अवधि 3 वर्ष की अवधि से कम है, याचिकाकर्ता ने मासिक और तिमाही आधार पर सूचना उपलब्ध कराई है। इस आधार पर, यह विचार किया गया है कि वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में यह जांच करना उचित होगा कि क्या पाटित आयात इसकी विद्यमानता की अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार करते हुए और प्रत्येक माह और प्रत्येक तिमाही के विश्लेषण द्वारा घरेलू उद्योग की क्षति का कारण बन सकते हैं। याचिकाकर्ता देश में एक नया उत्पादक है और केवल क्षति अवधि में वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ किया है, चूंकि, घरेलू उद्योग का निष्पादन स्टार्ट-अप प्रचालनों से संलग्न है और इसके अतिरिक्त यह विचार करते हुए कि याचिकाकर्ता की विद्यमानता का अल्प इतिहास है, पी.ओ.आई में घरेलू उद्योग के वास्तविक निष्पादन को संयत।
66. इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता की अल्प इतिहास को देखते हुए, घरेलू उद्योग के निष्पादन पर जांच अवधि के पश्चात की अवधि में विचार किया गया है उपलब्ध जानकारी के आधार पर। इस प्रकार, अप्रैल-दिसंबर, 2016 की अवधि के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन की भी जांच की जा रही है और यह निर्धारित करने के लिए विचार किया जा रहा है कि क्या पाटित आयात घरेलू उद्योग की क्षति कर रहे हैं। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि पश्च - पी.ओ.आई के लिए कुछ सूचना याचिकाकर्ता द्वारा उनकी पश्च - सुनवाई लिखित प्रस्तुतियों में उपलब्ध कराई गई थी। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी और इसे सार्वजनिक फाइल में रखा गया था और उसे हितबद्ध पक्षकारों को उनकी टिप्पणियों और उनके हितों की रक्षा करने के लिए उपलब्ध कराया गया है।
67. जहां तक सेज़ (एसईजेड) में उत्पादक की विद्यमानता का संबंध है, प्राधिकारी का विचार है कि किसी सेज़ यूनिट की उपस्थिति याचिकाकर्ता को ऐसी स्थिति में देश में एक नए उत्पादक की प्रास्थिति का दावा करने के अधिकार से

वंचित नहीं करता जहां डीटीए में समान वस्तु का कोई अन्य उत्पादक नहीं है। याचिकाकर्ता दावा करते हैं कि स्वच्छता और सेनेटरी प्रयोज्यता के लिए वे पीयूसी के एकमात्र उत्पादक हैं। घरेलू उत्पादक को कानून के अंतर्गत सुरक्षा मांगने के अवसर से इसलिए वंचित नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसी यूनिट सेज़ में है, जो निर्यात बाजार में इसके उत्पाद को मुख्य रूप से लक्ष्य बना रहा है और पाटनरोधी आवेदन दायर करने का इच्छुक नहीं है।

68. प्राधिकारी ने इस संबंध में टिप्पणी की है कि हितबद्ध पक्षकार सामान्यतः दावा करते हैं कि उत्पादक क्रयकर्ता के बाजार में हैं जहां क्रयकर्ता उत्पाद के ऐसे प्रकार का निर्णय करता है जो वे खरीदना चाहते हैं, उत्पाद में, जिन विशेषताओं की वे अपेक्षा करते हैं, कीमत जिस पर वे खरीदना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त यह नोट किया गया है कि भारत में पूरे विश्व में थोड़े से प्रयोक्ता हैं और पूरे विश्व में जो इस उत्पाद को खरीद रहे हैं और इन प्रयोक्ताओं में से बहुत से प्रयोक्ता वास्तव में बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं जिनके भारत और पूरे विश्व में विनिर्माण प्रचालन हैं। याचिकाकर्ता ने उत्पाद के प्रमुख प्रयोक्ताओं के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है जिन्हें याचिकाकर्ता भारत में उत्पाद की आपूर्ति कर रहे हैं। जबकि यह सत्य है कि ऑलसट्रोम फाइबर कम्पोजिट भी देश में उत्पाद के विनिर्माता हैं और कंपनी स्वीकृत रूप से भारतीय बाजार में उक्त उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति कर रही है; पाटन कानून के उद्देश्य और व्यवहार्यता पर विचार करते हुए, यह विचार करना उचित होगा कि याचिकाकर्ता वास्तव में देश में उत्पाद का नया उत्पादक है और याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण मंदी के रूप में क्षति का दावा करते हुए सुरक्षा की मांग करने के हकदार हैं। तथापि, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच इस की विद्यमानता की सीमा तक की है और निर्धारित किया है कि क्या उपर्युक्त यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग महत्वपूर्ण क्षति का सामना कर रहा है।

संचयी मूल्यांकन

69. उब्ल्यू.टी.ओ करार के अनुच्छेद 3.3 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II का पैरा (iii) में व्यवस्था की गई है कि एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद का आयात, अन्य के साथ-साथ, पाटनरोधी जांचों के अध्यधीन रहा है, प्राधिकारी ऐसे आयातों का आकलन संचयी रूप से करेंगे, यदि यह निर्धारित करता है कि;
- क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशतांक के रूप में दो प्रतिशत से अधिक व्यक्त किया गया है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत (या अधिक) है या जहां वैयक्तिक देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, आयात सामूहिक रूप से समान वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से अधिक ठहरता है और,
 - ख) आयातित वस्तुओं और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के प्रकाश में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उचित है।
70. प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि :
- क) चीन (एक निर्माता को छोड़कर) और थाईलैंड से डंपिंग का मार्जिन नियमों के तहत निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।
 - ख) संबद्ध देशों से प्रत्येक से आयातों की मात्रा वैयक्तिक रूप से आयातों की कुल मात्रा के 3% से अधिक है।
 - ग) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उचित है। क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल उनमें से प्रत्येक के द्वारा प्रस्तावित समान वस्तुओं के साथ बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित समान वस्तुओं के साथ भी सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह नोट किया गया है कि प्रयोक्ता संबद्ध देशों में उत्पादकों से अंतर्बदल कर सामान की खरीद कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, प्रयोक्ता के पास अधिप्राप्ति के लिए घरेलू उद्योग के याचिकाकर्ता के उत्पाद को अनुमोदन देने के बाद भी एक उत्पाद है।
71. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने विचार किया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों से घरेलू उद्योग की क्षति का आकलन संचयी रूप से करना उचित होगा।

72. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में व्यवस्था की गई है कि क्षति निर्धारण में ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को क्षति की ओर इंगित करते हैं..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने के दौरान, यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों के साथ तुलना करने पर पाटित आयातों द्वारा उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा रूप से उल्लेखनीय रूप से कीमतों में हास करता है या कीमतों में वृद्धि को रोकता है, जो अन्यथा रूप से काफी मात्रा में बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए, सूचकांकों का उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन का परिमाण और मार्जिन आदि, इन पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के अनुसरण में विचार किया गया है।

पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

आयात मात्रा

73. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह विचार करना अनिवार्य है कि क्या पाटित आयातों में या तो कुल रूप में या भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने डी.जी.सी.आई एंड एस से अधिप्राप्त आयात डाटा का आश्रय लिया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :-

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	पीओआई (वार्षिक)
चीन ज.ग	मी. टन	753	916	1,597	3,493	3,895
इंडोनेशिया	मी. टन	18	547	3,759	3,544	3,483
मलेशिया	मी. टन	702	2,186	3,248	5,530	6,348
सऊदी अरब	मी. टन	738	83	-	2,388	3,027
थाईलैंड	मी. टन	526	1,526	2,347	3,353	3,337
संबद्ध देशों से आयात	मी. टन	2,737	5,258	10,951	18,309	20,090
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	192	400	669	734
अन्य देशों से आयात	मी. टन	390	139	71	316	417
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	36	18	81	107
कुल आयात	मी. टन	3,127	5,397	11,023	18,624	20,507
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	173	353	596	656
आवेदक की घरेलू बिक्री	मी. टन	-	-	-	1,969	2,626
प्रवृत्ति	अनुक्रमित				100	133
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी. टन	1,987	1,987	2,157	1,500	2,644
मांग	मी. टन	5,114	7,384	13,180	22,094	25,777

74. पूरी क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में वृद्धि हुई है और मांग में यह वृद्धि बहुत महत्वपूर्ण है।
75. संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा कुल रूप में तथा कुल आयातों के संबंध में और देश में समग्र मांग के रूप में बहुत उल्लेखनीय है। मुख्यतः यह इस तथ्य के कारण था कि घरेलू उद्योग ने जुलाई, 2015 में व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया और एसईजेड इकाइयां मुख्य रूप से निर्यात बाजार में खासी थीं।

76. कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा पूरी क्षति अवधि में बहुत महत्वपूर्ण है। संबद्ध देशों से आयात क्षति अवधि के दौरान कुल आयातों का 98% ठहरता है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	पीओआई (वार्षिक)
संबद्ध देश	%	87.53	97.43	99.35	98.30	97.96
चीन ज.ग	%	24.09	16.96	14.49	18.75	18.99
इंडोनेशिया	%	0.58	10.14	34.10	19.03	16.98
मलेशिया	%	22.44	40.50	29.47	29.69	30.96
सऊदी अरब	%	23.60	1.54	-	12.82	14.76
थाईलैंड	%	16.82	28.28	21.29	18.00	16.27
अन्य	%	12.47	2.57	0.65	1.70	2.04
जोड़	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

77. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में नियमावली के अनुबंध-II (ii) निम्नानुसार निर्धारित किया गया है :-

"कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में जैसाकि नियम 18 के उप-नियम (2) में संदर्भित किया गया है, निर्दिष्ट प्राधिकारी विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत के साथ तुलना में पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती की गई है। अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा रूप से कीमतों को महत्वपूर्ण स्तर तक ह्रास करता है या कीमत में वृद्धि को रोकता है जो अन्यथा रूप से काफी मात्रा में बढ़ गई होती है।"

78. यह जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा रूप से महत्वपूर्ण स्तर तक कीमतों में ह्रास करता है या कीमतों में वृद्धि को रोकता है, जो अन्यथा महत्वपूर्ण रूप से घटित होता। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की कीमत में कटौती, , कीमत दमन, कीमत ह्रास, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। विभिन्न कीमत मापदंडों का विश्लेषण डी.जी.सी.आई एंड एस डाटा पर आधारित है।

क. कीमत कटौती

79. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं; प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से की है। यह पाया गया है कि पीओआई के दौरान कीमत कटौती नकारात्मक है।

विवरण	यूओएम	चीन ज.ग	इंडोनेशिया	मलेशिया	सऊदी अरब	थाईलैंड
आयात की पहुंच कीमत	रू./मी. टन	1,70,236	1,58,893	1,49,184	1,56,155	1,74,511
बिक्री कीमत	रू./मी. टन	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	रू./मी. टन	***	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***	***
रेंज		नकारात्मक	नकारात्मक	नकारात्मक	नकारात्मक	नकारात्मक

ख. मूल्य दमन/अवसाद

80. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात का प्रभाव कीमतों को एक महत्वपूर्ण स्तर तक दबाने या मूल्य वृद्धि को रोकने के लिए है जो अन्यथा घटित होता। प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागत तथा मूल्यों में परिवर्तनों की जांच की है। स्थिति नीचे दी गई तालिका के अनुसार प्रदर्शित की गई है:

विवरण	यूओएम	2015-16 क्यू2	2015-16 क्यू3	2015-16 क्यू4
चीन से आयात मूल्य	रू./मी. टन	1,91,930	1,74,064	1,30,408
इंडोनेशिया से आयात मूल्य	रू./मी. टन	1,64,848	1,58,421	1,42,046
मलेशिया से आयात मूल्य	रू./मी. टन	1,57,091	1,67,448	1,20,568
सऊदी अरब से आयात मूल्य	रू./मी. टन	1,65,505	1,77,647	1,19,538
थाईलैंड से आयात मूल्य	रू./मी. टन	1,87,727	1,78,834	1,30,919
निवल बिक्री प्राप्ति	रू./मी. टन	***	***	***
बिक्री की लागत	रू./मी. टन	***	***	***

81. घरेलू कीमतों पर पाटित आयात के कीमत में दमन और अवसाद के प्रभावों की जांच के लिए, घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत और बिक्री कीमत की प्रवृत्ति की जांच की गई है। यह देखा गया है कि निवल बिक्री वसूली अवधि के दौरान बिक्री की लागत से बहुत कम है जिससे दमन और कीमतों के अवसाद के स्पष्ट प्रभाव का संकेत मिलता है।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

82. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार अपेक्षित हैं कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपूर्ण जांच शामिल की जाएगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली में आगे व्यवस्था की गई है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों का उद्देश्यपूर्ण और पक्षपात रहित मूल्यांकन शामिल होगा जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है इनमें बिक्री में वास्तविक और संभावित गिरावट, लाभ, आउटपुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेशों पर वापिसी या क्षमता का उपयोग, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन का परिमाण; नकदी प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, माल सूचियां, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेशों को जुटाने की क्षमता शामिल है।

83. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों पर यहां नीचे विचार-विमर्श किया गया है:

i. क्षमता, उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता का उपयोग

84. घरेलू उद्योग से संबंधित डाटा को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

विवरण	यूनिट	पीओआई			पश्च पीओआई			
		जुलाई-सितम्बर	अक्तूबर-दिसम्बर	जनवरी-मार्च	अप्रैल-जून	जुलाई-सितम्बर	अक्तूबर-दिसम्बर	जनवरी-मार्च
क्षमता	मी. टन	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	100	100	100	100	100	100
उत्पादन पीयूसी	मी. टन	360	1,411	1,157	1,618	2,167	2,372	2,683
उत्पादन एनपीयूसी	मी. टन	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	668	137	279	173	164	133
उत्पादन संयंत्र	मी. टन	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	481	262	394	463	498	546
क्षमता उपयोग	%	8.00%	31.36%	25.72%	35.97%	48.16%	52.72%	59.63%

संयंत्र उपयोग	%	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	481	262	394	463	498	546
घरेलू बिक्री	मी. टन	217	896	857	1,125	1,566	1,994	1,865
निर्यात बिक्री	मी. टन	***	***	***	***	***	***	***
जोड़	मी. टन	***	***	***	***	***	***	***

85. यह देखा गया है कि :

- क) जांच अवधि और पश्च पीओआई अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है।
- ख) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में सुधार हुआ है।
- ग) जांच अवधि और इसके पश्चात पश्च पीओआई अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में सुधार हुआ है। इसलिए, इस अवधि के दौरान बढ़ते आयात के बावजूद, घरेलू उद्योग ने इन मानकों पर अच्छे परिणाम दिखाए हैं। हालांकि, तीन तिमाहियों में थोड़े समय के लिए प्रवृत्ति का पूरी तरह से न्याय करना है।

(ii) लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर वापिसी

86. घरेलू उद्योग से संबंधित आंकड़े नीचे दर्शाए गए हैं :

विवरण	यूनिट	पीओआई			पश्च पीओआई			
		जुलाई-सितम्बर	अक्टूबर-दिसम्बर	जनवरी-मार्च	अप्रैल-जून	जुलाई-सितम्बर	अक्टूबर-दिसम्बर	जनवरी-मार्च
बिक्री की लागत	रू./ किलोग्राम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	97	98	75	78	78	79
बिक्री कीमत	रू./ किलोग्राम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	103	95	96	95	93	96
लाभ/हानि	रू./ किलोग्राम	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	(100)	(86)	(102)	(34)	(43)	(48)	(44)
लाभ/हानि	रू./लाख	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	(100)	(355)	(404)	(177)	(307)	(438)	(378)
नकद लाभ	रू./लाख	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	(100)	(75)	(129)	(219)	(255)	(198)	(308)
आरओआई	%	***	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	(100)	(316)	(335)	(792)	(1,154)	(968)	(2,337)

87. यह देखा गया है -

- क) जांच अवधि में बिक्रियों की लागत तथा बिक्री कीमत में भी कमी आई है। इसके अतिरिक्त, यह भी देखा गया है कि बिक्री कीमत बिक्री की लागत से कम है।
- ख) घरेलू उद्योग हानि उठा रहा है। हानि की मात्रा काफी उल्लेखनीय है। घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही हानियों में समय के साथ-साथ वृद्धि हुई है। हालांकि, वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद नौ महीने की अवधि के प्रदर्शन का न्याय करने के लिए बहुत कम है, क्योंकि यह एक नए उद्योग की स्थापना में शुरुआती समस्याओं के कारण हो सकता है।

ग) घरेलू उद्योग पूरी अवधि के दौरान नियोजित पूंजी पर नकारात्मक वापिसी झेल रहा है।

(iii) नियोजन और उत्पादकता

88. घरेलू उद्योग से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार दर्शाते हैं :

विवरण	यूनिट	पीओआई		
		जुलाई-सितम्बर	अक्टूबर-दिसम्बर	जनवरी-मार्च
कर्मचारी	संख्या	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	102	107
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.टन/संख्या	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	392	321

89. यह देखा गया है कि जांच की अवधि में रोजगार और उत्पादकता ने सुधार दर्शाया है।

iv. माल सूची

90. घरेलू उद्योग संबंधी आंकड़े नीचे प्रस्तुत किए गए हैं :

विवरण	इकाई	पीओआई			पश्च पीओआई			
		जुलाई-सितम्बर	अक्टूबर-दिसम्बर	जनवरी-मार्च	अप्रैल-जून	जुलाई-सितम्बर	अक्टूबर-दिसम्बर	जनवरी-मार्च
प्रारंभिक मालसूची	मी. टन	***	***	***	***	***	***	***
अंत शेष मालसूची	मी. टन	***	***	***	***	***	***	***

91. प्राधिकारी ने देखा है कि घरेलू उद्योग के पास माल सूचियों में जांच अवधि और पश्च पीओआई अवधि में भी वृद्धि हुई है। फिर, अवधि बहुत कम है इस पैरामीटर से कोई निश्चित निष्कर्ष नहीं खींचा जा सकता है।

v. वृद्धि

92. विभिन्न मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि निम्नानुसार थी। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की वृद्धि मात्रा मापदंडों के संबंध में सकारात्मक थी और कीमत मापदंडों के संबंध में नकारात्मक थी।

vi. पूंजी निवेशों को जुटाने की क्षमता

93. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि इस क्षेत्र में भविष्य के निवेश संबद्ध देशों से पाटित आयातों की उपस्थिति से बाधित है। नकारात्मक लाभप्रदता, नकारात्मक नकदी प्रवाह और निवेश पर नकारात्मक वापिसी स्पष्ट रूप से इंगित करते हैं कि इस क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश जुटाने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता पाटित आयातों के कारण जोखिम में है। प्रभावी स्थिति में, उत्पादन और संबद्ध वस्तुओं की बिक्री के लिए और अधिक निवेश करना घरेलू उद्योग के लिए संभव नहीं होगा। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग जिंदल पोली फिल्म लिमि. में स्वयं के विलय से संबंधित योजना तैयार कर रहा है, वह कंपनी जो स्वयं को पूरी तरह से लाभहीन होने से रोकने के लिए कंपनी में मुख्य शेयरधारिता धारण करती है।

vii. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

94. संबद्ध देशों से आयात कीमतों की जांच, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों आदि के अतिरिक्त अन्य कारक जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं, दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारक कीमतों से निम्न है जो भारतीय बाजार में कीमत कटौती का कारण है। यह भी देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग पीओआई सहित

क्षति अवधि के दौरान महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शा रही थी और इसलिए घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला मुख्य कारक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात हैं।

viii. पाटन के परिमाण और मार्जिन

95. संबद्ध देशों से आयात पाटन मार्जिन के न्यूनतम स्तर से बहुत अधिक है। पाटन मार्जिन उल्लेखनीय रूप से अधिक है। हालांकि, जहां भी व्यक्तिगत निर्यातकों के मामले में डंपिंग मार्जिन डी-मिनिमिस था, वहीं नियमों के अनुसार निपटाया गया है।

ज. क्षति का समग्र विश्लेषण

96. रिकार्ड पर दर्ज सूचना के संबंध में और घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच के बाद, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में कुल रूप में वृद्धि हुई है। जांचअवधि में उत्पाद की बिक्री घरेलू उद्योग की बिक्री मूल्य के साथ-साथ कीमत में भी गिरावट आई है। तथापि, आयात कीमतों में गिरावट घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट से बहुत है। उत्पाद की मांग उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। नए संयंत्र में वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ करने के पश्चात्, घरेलू उद्योग ने अपने उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री में वृद्धि की है। हालांकि, पैरामीटरों जैसे, निवल बिक्री वसूली, , लाभ, नकदी प्रवाह और निवेशों पर वापिसी के संबंध में, घरेलू उद्योग का निष्पादन नकारात्मक था। माल सूची में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई है। हालांकि, नौ महीने की अवधि प्रवृत्ति का न्याय करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती है और अधिकांश उत्पादकों / निर्यातकों के लिए डंपिंग और चोट मार्जिन से संबंधित डेटा स्पष्ट रूप से आयात और चोट के बीच का कथानक संबंध स्थापित नहीं करता है।

झ. कारणात्मक संबंध और गैर-आचरण विश्लेषण

97. जांच किए जाने के बाद, आयात के साथ कोई कारण-रूप से संबंधों को कई मापदंडों के रूप में खींचे जा सकते हैं जिन पर पीईआई के दौरान चोट लगने की वजह से पीड़ित होने की वजह से एक नए उद्योग की स्थापना के शुरुआती चरण में तेज समस्याओं के कारण हो सकता है और जरूरी नहीं कि आयातित डंप होने के कारण वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद पीओआई अवधि नौ महीने की है, जो विषय देशों से डंप किए आयात के बीच कारणों के संबंध में निश्चित निष्कर्ष निकालने के लिए बहुत कम है और DI द्वारा पीड़ित चोट शुरुआती शुरुआती समस्याओं का ख्याल रखा जाने के बाद डीआई के प्रदर्शन में सुधार की संभावना है। यह दम आयात के साथ चोट को जोड़ने के लिए समय से पहले प्रतीत होता है। इसके अलावा, यह प्राधिकरण के ध्यान में भी लाया गया कि कंपनी की स्वामित्व संरचना भी विलय के कारण पीओआई के बाद बदल गई है। तदनुसार, निम्नलिखित पैरामीटरों की जांच की गई है :-

- (i) **संबद्ध देशों के अतिरिक्त अन्य देशों से आयातों की मात्रा और मूल्य** - संबद्ध देशों के अतिरिक्त अन्य देशों से आयात मात्रा में उल्लेखनीय नहीं है। इसलिए, तृतीय देशों से आयात घरेलू उद्योगों को क्षति नहीं कर रहे हैं।
- (ii) **मांग का संकुचन या खपत के पैटर्न में परिवर्तन** - प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि देश में संबद्ध वस्तुओं की मांग में महत्वपूर्ण वृद्धि, इसलिए, मांग और खपत के पैटर्न में परिवर्तन के अंतर्विरोध को घरेलू उद्योग की क्षति के कारण के रूप में नहीं माना जा सकता।
- (iii) **प्रौद्योगिकी में विकास** - किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय परिवर्तनों को दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराए हैं। (iv.) **व्यापार प्रतिबद्ध पद्धतियां और विभिन्न स्रोतों की आपूर्ति के बीच प्रतिस्पर्धा** - प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि संबद्ध वस्तुएं भारत में किसी व्यापार प्रतिबंध पद्धतियों के अध्यधीन नहीं हैं। इसके अलावा, प्रतिस्पर्धा के अतिरिक्त, जो किसी भी बाजार अर्थव्यवस्था में स्वाभाविक है, कोई पारस्परिक प्रतिस्पर्धा या विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से आपूर्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ऐसे किसी प्रभाव को नहीं दर्शाती जिसे घरेलू उद्योग को हानिकारक समझा जा सके।

- (v.) **नियति निष्पादन-** घरेलू उद्योग के निष्पादन को घरेलू और निर्यात बाजार के लिए पृथक् किया गया है। याचिकाकर्ता ने अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अतः विचाराधीन उत्पाद को निर्यातों के कारण क्षति नहीं हो सकती। निर्यात निष्पादन में कोई संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं है।

कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक

98. उपरोक्त सभी पैरामीटर बताते हैं कि वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद नौ महीने की अवधि डीआई द्वारा की गई चोट के बारे में किसी ठोस सबूत पर पहुंचने के लिए बहुत कम हो सकती है। इसलिए, निम्नलिखित कारणों से विषय देशों से आयात की वजह से DI द्वारा हुई चोट को जोड़ने के लिए समयपूर्व हो सकता है।
- अधिकांश उत्पादकों / निर्यातकों के लिए डंपिंग मार्जिन या चोट मार्जिन नकारात्मक या बहुत कम दिख रहा है जो डीआई द्वारा आयात और चोट में कोई कारण नहीं है
 - घरेलू बाजार में मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता पर्याप्त नहीं है। आगे, शुरुआती शुरुआती समस्याओं को ध्यान में रखकर डीआई के प्रदर्शन में सुधार होने की संभावना है।
 - यह प्राधिकरण के ध्यान में भी लाया गया कि विलय के कारण कंपनी के स्वामित्व संरचना ने पीओआई के बाद भी बदले।
 - डी आई ने अपने प्रदर्शन के 9 महीनों के लिए केवल डेटा उपलब्ध कराया है जिसमें "कच्चे माल का सर्वोत्तम उपयोग", "उपयोगिताओं का सर्वोत्तम उपयोग", "उत्पादन क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग" के लिए बहुत सीमित जानकारी उपलब्ध है, जैसा कि एनेक्शर III के तहत आवश्यक है भारतीय विज्ञापन नियम
 - एक बार स्थिर होने पर, DI बेहतर प्रदर्शन का अनुभव कर सकता है। यह स्वाभाविक है कि गर्दन की एक निश्चित अवधि उचित है।

त्र) पाटन मार्जिन का परिमाण

99. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की निर्धारित की गई गैर-हानिकारक कीमतों की पीओआई के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ तुलना की गई है। निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है :

क्र. सं.	उत्पादक	पहुंच मूल्य	एनआईपी	क्षति मार्जिन		
		अमरीकी डॉलर/मी. टन	अमरीकी डॉलर/मी. टन	अमरीकी डॉलर/मी. टन	%	रेंज
1	टोरे पॉलीटेक (नानटांग) कंपनी लिमि., चीन	***	***	***	***	0-10
2	हुबी गोल्ड ड्रेगन नॉनवोवेन फैब्रिक्स कंपनी लिमि., चीन	***	***	***	***	नकारात्मक
3	चीन ज.ग. से अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	10-20
4	टोरे पॉलीटेक जर्काता, इंडोनेशिया	***	***	***	***	5-15
5	इंडोनेशिया से अन्य सभी उत्पादक/	***	***	***	***	5-15

	निर्यातक					
6	मलेशिया से सभी उत्पाद/ निर्यातक	***	***	***	***	20-30
7	बिना बुने उत्पादों के लिए सऊदी जर्मनी कंपनी, सऊदी अरब	***	***	***	***	0-10
8	सऊदी अरब से अन्य सभी उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***	***	0-10
9	ईटोचू थाईलैंड लिमिटेड/ इटोचू इंडिया लिमिटेड के माध्यम से असाही कोसेई स्पनबांड (थाईलैंड) कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	नकारात्मक
10	थाईलैंड से अन्य सभी उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***	***	1 से कम%

ट) प्रकटीकरण पश्चात टिप्पणियां

100. प्रकटन के बाद के स्तर पर उठाए गए मुद्दे जॉच के दौरान पहले भी उठाए गए हैं और उनका उचित ढंग से समाधान किया गया है। तथापि, स्पष्टता के लिए हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों का सारांश किया गया और निम्नानुसार समाधान किया गया है:

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

101. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों का सारांश निम्नानुसार है :

क. प्राधिकारी को विचाराधीन उत्पाद के संबंध में यह स्पष्ट करना चाहिए कि प्रोपिलीन से निर्मित का अर्थ 100 प्रतिशत प्रोपिलीन से निर्मित नहीं होता है। विचाराधीन उत्पाद केवल पालीप्रोपिलीन से निर्मित नॉन-वोवेन फेब्रिक या 100 प्रतिशत पालीप्रोपिलीन से निर्मित नॉन वोवेन फेब्रिक या कोई अन्य रेजिन नहीं वाला नॉन वोवेन फेब्रिक नहीं है। शुल्क तालिका में इसका स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए।

ख. प्रस्तावित उपाय के प्रवंचन की संभावना को देखते हुए ऐसा स्पष्टीकरण अत्यंत अनिवार्य है, जिसका संभावित लक्षण कार्यवाही के ऐसे अंतिम स्तर पर निर्यातकों द्वारा दायर अनुरोधों से साफ तौर पर स्पष्ट है। निर्यातक द्वारा वर्णन का दुरुपयोग करके वस्तुओं को लाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। निर्यातकों द्वारा उनके ब्रांड नाम से से मांगा गया अपवर्जन पूर्णतः अनुचित है।

ग. न तो याचिकाकर्ता और न ही विदेशी उत्पादक वर्तमान में 8 जीएसएम से कम के नॉन-वोवेन फेब्रिक का उत्पादन करता है, न ही इसका भारत में आयात हुआ है। इसे विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखना चाहिए अन्यथा शुल्क से बचने के लिए भविष्य में इसका प्रयोग होगा।

घ. पीयूसी को जीएसएम, उपचारित/अनुपचारित (हाइड्रोफोबिक/हाइड्रोफिलिक) और विनिर्माण की स्पन बांड/मेल्ट ब्लोन प्रौद्योगिकी के संबंध में पहचाना जाता है।

ङ. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु को उनके प्रयोग या अनुप्रयोग के आधार पर अलग-अलग नहीं किया है क्योंकि ऐसे विभेद से जॉच के परिणाम में जटिलता आ जाएगी।

- च. निर्यातकों के लिए यहां तक कि अपवर्जन के लिए उत्पाद को स्पष्ट वर्णन देना आवश्यक है। नान वोवेन लाफ्ट, नान-वोवेन डुअल या प्रिंटेड नान वोवेन के निर्यातकों द्वारा मांगे गए अपवर्जन किसी उत्पाद के प्रकार नहीं हैं परंतु केवल हल्के रूप से बताए गए वर्णन हैं जिनका कोई विशिष्ट विवरण नहीं है। प्राधिकारी को विचाराधीन उत्पाद के दायरे के अधीन शामिल उत्पादों को वर्णन करते हुए सावधान रहना चाहिए। प्राधिकारी ने माना है कि नान वोवेन लाफ्ट, नान-वोवेन डुअल या प्रिंटेड नान वोवेन विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं।
- छ. निर्यातकों ने केवल कंपनियों के नाम दिए हैं और यह दावा किया है कि विचाराधीन उत्पाद उनके द्वारा उत्पादित किया जा रहा है। निर्यातक निश्चित रूप से जानते हैं कि उनके द्वारा कौन से सभी उत्पाद निर्यात किए जा रहे हैं और उन्हें भारत द्वारा कौन से उत्पाद आपूर्ति किए जा रहे हैं।
- ज. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता और मै. अल्फा फोम दोनों को घरेलू उद्योग माना है। अल्फा फोम को घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है क्योंकि अल्फा फोम द्वारा विनिर्मित किया जा रहा उत्पाद याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित किए जा रहे उत्पाद से भिन्न है।
- झ. याचिकाकर्ता स्वच्छता प्रयोजनों के लिए वस्तु का उत्पादन करता है और विचाराधीन उत्पाद के एकमात्र उत्पादक है।
- ञ. फाइबरटेक्स पर्सनल केयर एसडीएन बीएचडी, मलेशिया के प्रश्नावली के उत्तर को उनके द्वारा प्रस्तुत अधूरी और अविश्वसनीय सूचना के आधार पर अस्वीकार करना न्यायोचित है और घरेलू उद्योग उसका समर्थन करता है।
- ट. प्राधिकारी को इटोचू थाइलैंड लि./इटोचू इंडिया लि. के माध्यम से असाही केसे स्पनबांड (थाइलैंड) कं. लि. द्वारा प्रस्तुत उत्तर को स्वीकार नहीं करना चाहिए था। यह देखा जा सकता है कि निर्यातक के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन सकारात्मक है परंतु क्षति मार्जिन नकारात्मक है।
- ठ. फाइबरटेक्स पर्सनल केयर एसडीएन बीएचडी, मलेशिया को छोड़कर सभी निर्यातकों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन चिंता का विषय है।
- ड. प्राधिकारी को निम्नलिखित का प्रकटन करना चाहिए –
- सत्यापन रिपोर्ट का अगोपनीय अंश ताकि घरेलू उद्योग निर्यातकों के पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में सार्थक टिप्पणी करने में सक्षम हो सके।
 - प्राधिकारी द्वारा भेजे गए पत्र और निर्यातकों के उत्तरों का अगोपनीय अंश।
 - निर्धारित एनआईपी का विस्तृत अलग-अलग ब्यौरा घरेलू उद्योग को उनपर टिप्पणी करने के लिए प्रदान किया जाना चाहिए।
 - वास्तविक पाटन मार्जिन ताकि घरेलू उद्योग उन पर टिप्पणी कर सके। पाटन मार्जिन निष्कर्ष के समय पर प्रकटन किया जाता है और घरेलू उद्योग के लिए उन पर टिप्पणी करने का कोई विकल्प नहीं होता है।
 - असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य जिसे घरेलू उद्योग के आकड़ों के आधार पर निर्धारित किया गया है।
- फाइबरटेक्स के उत्तर को अस्वीकार करना न्यायसंगत है क्योंकि उन्होंने भारतीय कार्यालय के खर्चों को समायोजित नहीं किया है और यह दावा किया कि उन्हें फाइबरटेक्स मलेशिया के एसजीए में शामिल किया गया है और भारत को निर्यातों के कारोबार के आधार पर विभाजित किया गया है, जो पूर्णतः गलत है। निर्यातक ने उत्तर में जानबूझकर वास्तविक आकड़े प्रस्तुत नहीं किए थे। बाद में प्रस्तुत आकड़े पुनः अधूरे थे और बीजक में सूचित मात्रा अद्यतन आकड़ों से मेल नहीं खाती थी। पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए आवश्यक कोई भी अनुबंध अद्यतन सूचना प्रस्तुत करने के बाद भी अद्यतन नहीं किया गया है। भारतीय कार्यालय का कंपनी के पूरे प्रचालन से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए पूरी बिक्री के लिए भारतीय कार्यालय का आबंटन न्यायोचित नहीं है। फाइबरटेक्स का यह दावा कि उन्होंने वर्ग मीटर में परिवर्तित करने के बाद भार की सूचना दी है, गुमराह करने वाला है। प्रत्येक निर्यात खेप में खेप का भार होता है, जिसे तब तक निर्धारित किया जा सकता है जब तक बीजक की प्रत्येक मद का पूरा भार उपलब्ध न हो। किसी भी तरह विवरण में विवरण दर्शाता है कि कंपनी का उत्पादन पर्याप्त और सही ढंग से सिद्ध नहीं हुआ है।

निर्यातकों/उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

102. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई टिप्पणियों का सारांश निम्नानुसार है :

- क. याचिकाकर्ता 12 जीएसएम से कम या 22 जीएसएम से अधिक के नॉन वोवेन फेब्रिक का उत्पादन नहीं करता है और उसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- ख. कतिपय वस्तु का उत्पादन करने की याचिकाकर्ता की क्षमता पूर्णतः असंगत है। पहले प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित किए जा रहे उत्पादों को शामिल किया है।
- ग. नान वोवेन लाफ्ट, नान-वोवेन डुअल या प्रिंटेड नान वोवेन विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर हैं और अब पालीप्रोपिलीन से इतर अन्य कच्ची सामग्री से निर्मित नान वोवेन को शामिल करना बिल्कुल अव्यवहार्य है। नान वोवेन लाफ्ट, नान-वोवेन डुअल या प्रिंटेड नान वोवेन 100 प्रतिशत पालीप्रोपिलीन से निर्मित नान-वोवेन से प्रतिस्थापन योग्य या बदलने योग्य नहीं है।
- घ. नान वोवेन लाफ्ट और नान वोवेन डुअल की कच्ची सामग्री के बीच अंतर है और तकनीकी रूप से भी दोनों अलग-अलग हैं। परंतु प्राधिकारी ने न तो घरेलू उद्योग से सूचना मांगी है और न ही निर्यातक द्वारा प्रदत्त तकनीकी सूचना का आकलन किया है।
- ङ. प्रिंटेड नान वोवेन को घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं किया जा रहा है और घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकृति कि प्रिंटिंग सहयोगी कंपनी द्वारा की जाती है। इसलिए उत्पाद को बाहर रखा जाना चाहिए।
- च. विचाराधीन उत्पाद के इस स्तर पर पुनः आकलन को केवल दुर्लभ मामलों में ही अनुमति दी जा सकती है, वर्तमान मामला ऐसा नहीं है और याचिकाकर्ता की ओर से संबद्ध वस्तु में बदलाव करने की अनुमति देने की कोई प्रार्थना नहीं की गई है। बदलाव को इतनी देरी से शामिल करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन है।
- छ. प्राधिकारी 10 प्रतिशत का मनमाना अंतर नहीं मान सकते हैं। इसका कोई कारण नहीं है कि प्राधिकारी को इस पर हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए ऐसे किसी दावे के अभाव में क्यों विचार नहीं करना चाहिए।
- ज. चूंकि प्राधिकारी ने तकनीकी आधार पर विचाराधीन उत्पाद में विभेद नहीं किया है, इसलिए अन्य ज्ञात घरेलू उत्पादक के उत्पादन को घरेलू उद्योग की योग्यता के आकलन और क्षति विश्लेषण में शामिल करना चाहिए। प्राधिकारी को अभिज्ञात विचाराधीन उत्पाद के आलोक में घरेलू उद्योग के दायरे का पुनः आकलन अवश्य करना चाहिए।
- झ. पीयूसी और अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादित समान उत्पाद के बीच केवल कीमत के आधार पर अंतर को स्वीकार नहीं किया जा सकता है और यह पाटनरोधी विनियमों के विरुद्ध है।
- ञ. घरेलू उद्योग ने कहीं भी यह दावा नहीं किया है कि उनके और अन्य उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पाद समान नहीं हैं और उनकी विशेषताएं अलग-अलग हैं। उन्होंने याचिका में गलत विवरण दिया है कि वे विचाराधीन उत्पाद के एकमात्र उत्पादक हैं।
- ट. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के तुलनीय होने के बारे में प्राधिकारी की समुक्ति के बावजूद, ऐसी कोई तुलना नहीं की गई है जिससे घरेलू उद्योग के दावे पर प्रभाव पड़ता हो।
- ठ. प्रकटन विवरण में प्राधिकारी द्वारा यह कहते हुए विरोधाभासी विवरण दिए गए हैं कि समान वस्तु के निर्धारण के समय उन्होंने आवेदन कारक के बारे में ध्यान नहीं दिया और इसी के कारण प्राधिकारी ने यह समुक्ति की कि उन्होंने समान वस्तु के निर्धारण में कार्य और आवेदन कारक का प्रयोग किया है। जटिलता के कारण आवेदन कारक को शामिल नहीं करने का प्राधिकारी का दृष्टिकोण स्वीकार नहीं किया जा सकता है। आवेदक कारक को शामिल नहीं करने का स्पष्ट प्रयोजन अन्य भारतीय उत्पादकों को बाहर रखने के रूप में देखा जा सकता है।
- ड. वस्तुओं के अपवर्जन को अस्वीकार करना उचित नहीं है क्योंकि उन्हें विलंबित स्तर पर उठाया गया, बिल्कुल अस्वीकार्य है यदि अपवर्जन वास्तविक आधार पर मांगे गये थे।
- ढ. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वे एकमात्र उत्पादक हैं और एक और कंपनी अर्थात् एहलस्ट्रोम फाइबर कंपोजिट्स इंडिया प्रा. लि. हैं जिनका एसईजेड में संयंत्र है। डीआई ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि यह एसईजेड इकाई कुल भारतीय उत्पादन का लगभग 36 प्रतिशत है।

- ण. याचिकाकर्ता ने पीयूसी के एक अन्य भारतीय उत्पादक को बाहर रखा है क्योंकि उसका दर्जा एसईजेड का है। याचिकाकर्ता ने 29 अन्य घरेलू उत्पादकों को बाहर रखा है क्योंकि उनकी बिक्री कीमत आवेदक की कीमत से कम है। प्राधिकारी को अंतिम जाँच परिणाम जारी करने से पहले घरेलू उद्योग से संबंधित तथ्यों का सत्यापन करना चाहिए।
- त. प्राधिकारी ने उनके संदेश का वस्त्र मंत्रालय द्वारा उत्तर नहीं दिए जाने के बाद अन्य घरेलू उत्पादकों के बारे में जानने का कोई प्रयास नहीं किया है।
- थ. यूनिचार्म ने यह दर्शाने के दस्तावेज दिए हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूची में उल्लिखित 29 नामों में से कुछ ने उनके उत्पादों के 25 जीएसएम तक के नान वोवेन फेब्रिक होने का दावा करते हुए बिक्री के लिए युनिचार्म से संपर्क किया है।
- द. घरेलू उद्योग का उत्पादन उत्पाद के प्रमुख हिस्से के 51 प्रतिशत से अधिक होना चाहिए। घरेलू उद्योग की याचिका के अनुसार यदि एसईजेड की डीटीए निकासी पर विचार किया जाए तो उत्पादन 63.74 प्रतिशत है।
- (ध) याचिकाकर्ता ने इस जांच को शुरू करवाने में प्राधिकारी को भ्रमित किया है। याचिकाकर्ता ही संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक नहीं है, एस ई जेड में एक को छोड़कर डीटीए में अन्य उत्पादक भी हैं।
- (न) प्राधिकारी ने वर्तमान कंपनी में याचिकाकर्ता के आमेसन का विश्लेषण भी नहीं किया है। आमेसन विश्लेषण किए जाने के लिए एक महत्वपूर्ण तथ्य है।
- (प) प्राधिकारी को मै. अल्फा फॉम, मै. आल्स्ट्रोमेल फाइबर कंपोजिट और याचिकाकर्ता तीनों कंपनियों के आधार पर क्षति मानदंडों पर विचार करना चाहिए।
- (भ) याचिकाकर्ता ने मै. फाइबरटैक्स मलेशिया द्वारा दायर उत्तर को गलत ढंग से रद्द किया है। रद्द करने का कारण रिकॉर्ड में तथ्यों के विपरीत है और इसका कोई साक्षात्माक आधार भी नहीं है। भारतीय कार्यालय का तथ्य निर्यातक द्वारा कभी भी दबाया नहीं गया था और उसे गोपनीय तथा अगोपनीय रूपांतर दोनों में दायर ई क्यू आर में प्रकट किया गया था।
- (म) भारतीय कार्यालय की लागत पहले ही एसजीए खर्चों में शामिल की गई थी और निर्यात कीमत में किसी और समायोजन की आवश्यकता नहीं थी। समर्थक दस्तावेज भी दायर किए गए थे और सामानों के विवरण, बिक्री की मात्रा, बीजक मूल्य तथा प्रति युनिट कीमत के विवरण के संबंध में वे पूरी तरह ईक्यूआर के परिशिष्ट- 2 से मेल खाते हैं।
- (य) फाइबर टैक्स द्वारा दायर सूचना में बिलिंग किलोग्राम की अपेक्षा वर्गमीटर में की जाती है। एकरूपता बनाए रखने के प्रयोजन के लिए वर्गमीटर को किलोग्राम में बदला गया था। परिवर्तन में कोई त्रुटि प्राधिकारी द्वारा आसानी से हल की जा सकती है।
- (र) बिक्री की मात्रा पर पाटन मार्जिन निर्धारित करने के संबंध में कोई बाधा नहीं है फिर भी किलोग्राम में बिक्री की मात्रा बीजक में सूचित किए गए अनुसार किलोग्राम में अनुमानित मात्रा के आधार पर प्राधिकारी को दी गई थी। अधिकारी ने उस समय आंकड़ों के संबंध में कोई आपत्ति नहीं उठाई।
- (ल) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे त्रुटियों को ठीक करें और फाइबर टैक्स मलेशिया के अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए फाइबर टैक्स के आंकड़ों का प्रयोग करें। प्राधिकारी ने तथाकथित त्रुटि को हल करने के लिए निर्यातक को कोई अवसर प्रदान नहीं किया जोकि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विपरीत है।
- क.क. टोरे पॉलीटैक जकार्ता, इंडोनेशिया उनके लिए निर्धारित पाटन मार्जिन के संबंध में पूरी तरह सहमत है।
- ख.ख. टोरे पॉलीटैक नानतोंग, चीन जन.गण. ने गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का उत्तर दिया है और अब भी एमईटी का दावा इस आधार पर रद्द कर दिया गया है कि उन्होंने अनुबंध-1 के पैरा- 8 (3) में निर्धारित शर्तों को पूरा नहीं किया है। कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं है और टीपीएन के सभी प्रचालनात्मक निर्णय कंपनी द्वारा स्वतंत्र रूप से लिए जाते हैं। टीपीएन एक विदेशी पूंजी उद्यम है और उसमें सरकारी शेयरधारिता नहीं है। टीपीएन ने उत्पादन के लिए आधारभूत इनपुट के संबंध में पर्याप्त सूचना दी है और यह सिद्ध करने के लिए साक्ष्य दिए हैं कि प्रमुख इनपुट की इसकी खरीद कीमत चीन की मौजूदा बाजार कीमत को दर्शाती है।

- गग. प्राधिकारी के गैर वोवन उत्पादों के लिए मै. सऊदी जर्मन कंपनी, के संबंध में पाटन मार्जिन, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के मूल्यांकन के गोपनीय रूपांतर से स्पष्ट है कि पाटन मार्जिन न्यूनतम है।
- घघ. प्राधिकारी को एसजीएन के संबंध में जांच को रद्द करना चाहिए। प्राधिकारी को केवल पाटित आयात से संबंधित क्षति का मूल्यांकन करना अपेक्षित है। जब इसके सभी आयात न्यूनतम पाटन मार्जिन वाले निर्धारित किए जा चुके हैं तो यह भ्रमित किया गया है।
- ड.ड. मै. युनीचार्म ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है और प्रस्तुत आंकड़े यह पुष्ट करते हैं कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है और युनीचार्म पाटित विचाराधीन उत्पाद के आयात में शामिल नहीं है। मै. युनीचार्म द्वारा दायर आयातक की प्रश्नावली को रद्द करने का कोई कारण उल्लिखित नहीं किया गया है।
- चच. प्राधिकारी को जांच की अवधि तथा उससे पहले की तीन वर्षों की अवधि में कच्ची सामग्री के उपयोग, युटिलिटियों के उपयोग और क्षमता उपयोग पर विचार करना अपेक्षित है। याचिकाकर्ता इतनी लंबी अवधि के लिए अस्तित्व में नहीं था और जांच की अवधि में उसने केवल नौ माह निष्पादन किया। प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया स्पष्ट की जानी चाहिए।
- छछ. प्राधिकारी ने क्षति का मूल्यांकन और क्षति का विश्लेषण तिमाही आधार पर किया है अतः पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का मूल्यांकन भी तिमाही आधार पर किया जाना चाहिए।
- जज. डी जी सी आई एंड एस के आंकड़े दिए जाने चाहिए और याचिकाकर्ता के आयात आंकड़े सही नहीं हैं।
- झझ. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा मौखिक सुनवाई के बाद अपने लिखित अनुरोध में प्रस्तुत जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों पर विश्वास किया है, प्राधिकारी को निर्यातक को उसे देना चाहिए था तथा उस पर टिप्पणी करने के लिए उचित अवसर देना चाहिए था।
- टट. प्राधिकारी को जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों पर ही आयात की प्रवृत्ति पर टिप्पणी करने के प्रयोजन करने के लिए मूल्यांकन करना चाहिए था।
- ठठ. प्राधिकारी यह निर्धारित करने में विफल रहे हैं कि क्या वास्तविक क्षति के खतरे/वास्तविक क्षति एक स्थापित उद्योग को हो रही है अथवा भारत ने किसी उद्योग की स्थापना को वास्तविक मंदी के कारण हो रही है।
- डड. प्रकटन विवरण में यह दिया गया है कि किसी स्थापित उद्योग में एक नया उत्पादक भी वास्तविक मंदी का दावा करने का हकदार है जो वास्तविक मंदी के मानक की समझ के पूर्णतः विपरीत है। प्रकटन विवरण से यह स्पष्ट नहीं है कि वास्तविक क्षति मूल्यांकन उसकी मौजूदगी की समय याचिकाकर्ता के आंकड़ों पर की गई है अथवा परियोजना रिपोर्टों पर।
- ढढ. परियोजना रिपोर्ट में दिए गए अगोपनीय रूपांतर अथवा आंकड़ों के साथ अथवा सूची स्पष्ट नहीं है। परियोजना रिपोर्ट याचिकाकर्ता तथा प्राधिकारी दोनों के द्वारा अस्पष्ट रूप से उल्लिखित की गई है।
- णण. प्राधिकारी ने मूल्य ह्रास और न्यूनीकरण के विश्लेषण के लिए प्रवृत्तियों को गोपनीय रखा है। उस पर टिप्पणी करना संभव नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा सूचित किए गए आयात की मात्रा और प्राधिकारी द्वारा निर्धारित आयात की मात्रा समान है।
- तत. कीमतें बाजार द्वारा निर्धारित की जाती हैं न कि आयातक द्वारा। याचिकाकर्ता विचाराधीन उत्पाद की परिवर्तन लागत को रिकॉर्ड में लाने में विफल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी को पाटन के रूप में आरोप नहीं लगाया जा सकता।
- थथ. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक कच्ची सामग्री की वैश्विक लागत है। प्राधिकारी कच्ची सामग्री की कीमतों में कमी तथा उसके प्रभाव पर विचार करने में विफल रहे हैं।
- दद. प्राधिकारी को स्पष्ट विश्लेषण करने की अपेक्षा है। कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें, क्रेता का बाजार, याचिकाकर्ता और स्थापित उत्पादकों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा और आशियान एफटीए के प्रभाव का विश्लेषण करना चाहिए और उस पर प्राधिकारी द्वारा विचार विमर्श किया जाना चाहिए।
- धध. उत्पाद के विनिर्माताओं को स्वास्थ्य संबंधी प्रयोजन के लिए अपने उत्पाद का प्रयोग करने हेतु विस्तृत परीक्षण अनुमोदन लेने की आवश्यकता होती है। आयात की गुणवत्ता घरेलू उद्योग की गुणवत्ता से कहीं बेहतर है।

- नन. वास्तविक मंदी का कोई मामला नहीं है क्योंकि याचिकाकर्ता का उत्पादन और बिक्री पहले ही स्थिर हो गए थे और जांच की अवधि के दौरान भी वह जारी रहा तथा एसईजैड युनिट में मै. अहलस्ट्रोम एक स्थापित उत्पादक था।
- पप. याचिकाकर्ता की क्षमता उपयोग दर की वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि उसका निष्पादन क्षति की अवधि के दौरान अच्छा था। भारत सरकार प्रकटन में डी जी ए डी के नकद लाभ संबंधी विश्लेषण से असहमत है जोकि भ्रामक भी है।
- फफ. यह पाया जाता है कि कीमत और मात्रात्मक प्रभावों की समुचित रूप से जांच नहीं की गई।

प्राधिकारी द्वारा जांच

103. यह नोट किया जाता है कि प्रकटन के बाद के स्तर पर उठाए गए मुद्दों की पहले ही प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त संगत पैराग्राफों में जांच कर दी गई है। उपरोक्त से, प्राधिकरण का कहना है कि विषय देशों के अधिकांश भाग लेने वाले निर्यातकों के मामले में टोरे पॉलिटिक (नैनटोंग) कंपनी लिमिटेड, चीन और असाही कासी स्पूनबंड (थाईलैंड) कं, लिमिटेड को छोड़कर डंपिंग मार्जिन डी-मिनिमस या नकारात्मक है। हालांकि, कुछ मामलों में हालांकि डंपिंग मार्जिन सकारात्मक है, चोट मार्जिन नकारात्मक है। प्राधिकरण ने कुछ मामलों में डंपिंग और चोट मार्जिन की गणना में अनजान त्रुटियों को भी ठीक किया है।

ख. निष्कर्ष

104. हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने के बाद और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:
- क. विचाराधीन उत्पाद, विषय देशों से भारत को निर्यात किया गया है, टॉरए पॉलीटेक (नान्टो॰॰ंग) कंपनी लिमिटेड, चीन और असाही कासी स्पूनबंड (थाईलैंड) कं, लिमिटेड के मामले में छोड़कर इसके सामान्य मूल्य से नीचे नहीं है। इसके अलावा, चीन पीआर से केवल एक उत्पादक है जिसके लिए डंपिंग और चोट मार्जिन सकारात्मक है। इसके अलावा, असाही कासी स्पूनबंड (थाईलैंड) कं, लिमिटेड से आयात के संबंध में चोट मार्जिन नकारात्मक है। इसलिए, एडी नियमों के तहत आवश्यक कारण लिंक अनुपलब्ध है।
- ख. सभी विषय देशों से कीमतों में गिरावट नकारात्मक है।
- ग. डी आई ने अपने प्रदर्शन के 9 महीनों के लिए केवल डेटा उपलब्ध कराया है जिसमें "कच्चे माल का सर्वोत्तम उपयोग", "उपयोगिताओं का सर्वोत्तम उपयोग", "उत्पादन क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग" के लिए बहुत सीमित जानकारी उपलब्ध है, जैसा कि एनेक्शर III के तहत आवश्यक है भारतीय विज्ञापन नियम
- घ. घरेलू उद्योग पीओआई के दौरान चोट लगी है, एक नए उद्योग की स्थापना के शुरुआती चरण में शुरुआती समस्याओं के कारण हो सकता है और जरूरी नहीं कि पंप आयात के कारण।
- ड. वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद पीओआई अवधि नौ महीने की है, जो विषय देशों से डंप किए आयात के बीच कारणों के संबंध में निश्चित निष्कर्ष निकालने के लिए बहुत कम है और DI द्वारा पीड़ित चोट शुरुआती शुरुआती समस्याओं का ख्याल रखा जाने के बाद डीआई के प्रदर्शन में सुधार की संभावना है।
- च. यह प्राधिकरण के ध्यान में भी लाया गया था कि मूल कंपनी के साथ विलय के कारण डीआई के स्वामित्व ढांचे को पीओआई के बाद बदल दिया गया था। इसका आवेदक की लागत और दक्षता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है।

सिफारिशें

- 105 प्राधिकरण का कहना है कि जांच शुरू की गई और सभी इच्छुक पार्टियों को सूचित किया गया और निर्यातकों, आयातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों को डंपिंग, चोट और कारण लिंक के पहलुओं पर सकारात्मक जानकारी प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया। एंटी डंपिंग नियमों के तहत निर्धारित प्रावधानों के मामले में डंपिंग, चोट और कारणों के संबंध में जांच शुरू करने और आयोजित करने के बाद प्राधिकरण यह बताता है कि डंप किए गए

आयातों के बीच का कोई कारण नहीं है, क्योंकि इसके बाद के कारणों से घरेलू उद्योग में सामग्री की चोट होती है। इसलिए, नियम 14 (बी), (ई) और नियम 17 (1) (iii) के नियम 11 (2) के साथ और एंटी डंपिंग नियमों के अनुलग्नक II के पैरा में, नामित प्राधिकरण को समाप्त करने का फैसला वर्तमान जांच जो 15 जून, 2016 की अधिसूचना सं। 14/23/2015-डीजीएडी के माध्यम से शुरू की गई थी

डॉ. इंद्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd September, 2017

(FINAL FINDINGS)

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Non-Woven Fabric, originating in or exported from Malaysia, Indonesia, Thailand, Saudi Arabia and China PR.

F. No. 14/23/2015-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. BACKGROUND

1. No.14/23/2015-DGAD: Whereas M/s Global Nonwovens Limited (hereinafter referred to as ‘petitioner’ or “the applicant”) has filed an application (also referred to as petition) before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules) for initiation of Anti-Dumping investigation concerning imports of “Non-Woven Fabric”, originating in or exported from Malaysia, Indonesia, Thailand, Saudi Arabia and China PR (hereinafter also referred to as subject countries).
2. Whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant, and after prima facie satisfaction with regard to existence of dumping causing injury to the Domestic Industry, issued a Notification No. 14/23/2015-DGAD dated 15th June, 2016, published in the Gazette of India, initiating the subject investigations in accordance with the Rule 5 of the above Rule to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from Malaysia, Indonesia, Thailand, Saudi Arabia and China, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the Domestic Industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
 - i. The Designated Authority, under the above Rules, received a written application from the Applicant on behalf of the domestic industries, alleging dumping of “Nonwoven fabric made of Polypropylene of GSM 25 or less” from Malaysia, Indonesia, Thailand, Saudi Arabia and China PR.
 - ii. Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicants. The application was, therefore, considered as properly documented.
 - iii. The Authority notified the Embassy of subject countries in India about the receipt of the antidumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.

- iv. The Authority issued a public notice dated 15th June 2016 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
- v. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassy of the subject countries in India, known producers/exporters from subject countries and the Domestic Industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification. The embassy of the Subject Countries in India was also requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit.
- vi. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and the embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Anti-dumping Rules. A copy of the Application was also made available other interested parties, upon request.
- vii. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the Antidumping Rules:
 - a. Fibertex Personal Care SDN BHD, Malaysia
 - b. CNC International, Thailand
 - c. Pt Multi Spunindo Jaya, Indonesia
 - d. Pt Toray Polytech Jakarta, Indonesia
 - e. Pt Hasil Damai Textile, Indonesia
 - f. Huizhou Jinhaocheng Non-Woven Fabric Co., Ltd. China
 - g. Dongxiang Chemical & Light Industrial Textile Co., Ltd., China
 - h. Dongguan Jinchun Nonwoven Co., Ltd. China PR
 - i. Guangzhou Xinlong Nonwoven Co., Ltd. China PR
 - j. Sunshine Nonwoven Fabric Co., Ltd. China PR
 - k. Shenzhen LifengZend Technology Co., Ltd. China PR
 - l. Advanced Fabrics (SAAF), Saudi Arabia
 - m. Mada Nonwovens Company Ltd. Saudi Arabia
 - n. Saudi German Co. For Nonwoven Products Saudi Arabia
- viii. The following producers/exporters from the Subject Countries filed exporter's questionnaire response in the prescribed format:
 - a. Fibertex Personal Care SDN BHD, Malaysia
 - b. Saudi German Co. For Nonwoven Products Saudi Arabia
 - c. Toray Polytech (Nantong) Company Limited, China PR
 - d. Toray Polytech Jakarta, Indonesia
 - e. Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd
 - f. Itochu Thailand Limited
 - g. Itochu India Limited
 - h. Hubei Gold Dragon Nonwoven Fabrics Co.,Ltd
- ix. Questionnaires were sent to the following known importers/users / associations of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Anti-dumping Rules:
 - a. Procter & Gamble, India
 - b. Johnson & Johnson Limited
 - c. Kimberly Clark Lever Pvt. Limited.
 - d. SCA Hygiene Products India Pvt Ltd
 - e. Unicharm India Private Limited
 - f. Nobel Hygiene Pvt. Limited

- x. Importer's questionnaire response have been filed by the following:
 - i. Unicharm India Private Limited
- xi. Directorate General of Foreign Trade - Indonesia had also filed their submission in addition to the submission made by various know exporters, importers, users, Domestic Industry and other domestic producers.
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7).
- xiii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and also to DG Systems, to arrange for details of import data of subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has, therefore, relied upon the DGCI&S data and the detailed information submitted by cooperative exporters for computation and required analysis.
- xiv. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the Domestic Industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. The NIP has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure III to the Antidumping Rules.
- xv. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xvi. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority also provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 12th May, 2016. The parties, who presented their views in the oral hearings, were requested to file written submissions of their views expressed orally by 19th May, 2017, followed by rejoinder submissions by 24th May, 2017.
- xvii. Verification of the information provided by the applicant domestic industries, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of present final findings.
- xviii. The period of investigation for the purpose of present investigation is from 1st July 2015 to 31st March 2016 (9 months) considering that Petitioner has commenced trial production in Feb 2015 and commercial production in July 2015 only. However, the injury analysis has been carried out on the basis of quarter to quarter comparison of actual performance and projected estimates/targets. Further, the import and demand data for the period from April 2012 – March 2013, April 2013-March 2014, April 2014- March 2015, April 2015-June 2015 has also been considered for injury analysis.
- xix. The submissions made by the interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority have been addressed in this final findings.
- xx. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xxi. A Disclosure Statement was issued on 2.08.2017 containing essential facts under consideration of the Designated Authority, giving time up to 16.08.2017 to furnish comments, if any, on Disclosure Statement. The Authority has considered post disclosure comments received from interested parties appropriately.
- xxii. *** In this final finding notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxiii. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$= Rs 66.58 for the period of investigation.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. The submissions have been filed by DI and exporters regarding the scope of PUC and exclusions. The same are summarized as below:

Submissions made by the Domestic Industry

5. Submissions made by the Domestic Industry are as follows:

- a. The product under consideration in the petition is “Non-woven fabric made of Polypropylene, having basis weight not exceeding 25 GSM”.
- b. Nonwoven fabrics are broadly defined as sheet or web structures bonded together by entangling filaments mechanically, thermally, or chemically. They are flat, porous sheets that are made directly from molten plastic. They are not made by weaving or knitting and do not require converting the fibers to yarn.
- c. The product under consideration can be produced in a number of different types or varieties, which essentially differ in thickness of fabric denominated in GSM, or in the manner in which fabric is formed. The production process involves passing of molten polypropylene through pair of hot cylinders which act as a bonding agent. This can be either in spun-bond technique or in melt blown technique.

6. Not all types of non-woven fabric are the subject goods for the present investigation. Only the non-woven fabric produced primarily from polypropylene are within the scope of product under consideration. It has been further mentioned that only Non-woven fabric which contains following essential characteristics which are present in the imported product.

- a. Produced using polypropylene, and
- b. Having basis weight not exceeding 25 GSM, and
- c. Produced either by spun bond or spun melt technology/production process, and
- d. For hygiene applications in hygiene products, and
- e. Produced using production technology, plant & equipment, manufacturing facilities, which permits
 - i. Production in closed loop controlled environment necessary to obtain uniformity and consistency in specification,
 - ii. Zero level of contamination in the form of foreign particle, dust particles,
 - iii. Prescribed levels surface defects such as patches, holes, lumps, etc.,
 - iv. Production in over pressurised conditions,
 - v. Using process control instrumentation to ensure compliance with desired specifications.
- f. The Product should have following technical properties
 - i. Spunbond (S / SS / SSS) – Only Spun bond technique is used. Fabric is strong having air permeability.
 - ii. Spun Melt (SMS / SMMS / SSMMS) – Spunbond and Melt blown techniques are used and respective layers are sandwiched to produce soft and multi-utility fabrics. Fabric has barrier properties
 - iii. Hydrophobic – Repel water and enhances barrier properties by chemical nature, product under consideration is Hydrophobic therefore it does not require any additional treatment.
 - iv. Hydrophilic – Attracts water and increases absorption. This property is imparted by adding suitable chemicals into the filament sheet after Calendaring. Both Spun bond and spun melt fabric can be treated to have hydrophilic property.
- g. The Petitioner uses machinery and technology such as Reicofil machine supplied by Reifenhäuser – Germany, which is also being used by exporting producers, thus producing the same product as of the Petitioner, namely Uniform and Consistent thickness because of the production in closed loop controlled environment, Zero level of contamination (in the form of foreign particle, dust particles) Produced in over pressurized conditions, Process control instrumentation to ensure compliance with desired specifications.
- h. Thus such essential features make the product of the Petitioner distinct from the similar products of other producers in India, and same as the dumped products manufactured by exporting producers from other countries.
- i. The product under consideration performs specific functions such as absorbency, liquid repellence, stretch, softness, strength, abrasion resistance, lint and sterility. These properties of fabrics are often combined to create fabric suited for specific jobs while achieving a good balance between product use-life and cost.

- j. The product under consideration is primarily used in Hygiene application. The fabric is white but sometimes it can be coloured as well by adding master batches. Apart from this these fabrics can be soft, super soft and section coated also.
- k. Along with it, several technical properties like Spun bond, Spun melt, Hydrophobic, Hydrophilic make it a novel product produced in India.
- l. None of the producers in India have deployed the facilities mentioned here, thus not able to produce the desired product needed by the consumers in India.
- m. The goods produced by the other producers and produced by the petitioner are poles apart. Only petitioner's product can be treated as like product to the product being imported into India. The manufacturing facilities installed and available to the petitioner is far more advanced than that of the other domestic producers.
- n. This fact gets more established with the fact that petitioner is selling the product in the range of Rs.135-170 per Kg and the other non-woven fabric produced by the other producers are being sold at much below price. The pricing of a product is very important in determining the likeness of two products. The fact that the two products are very differently priced makes them different.
- o. The product types for which exclusion is being demanded should not be excluded, as these constitute product under consideration within the meaning of the definition of PUC in the present investigation. The scope of PUC was not defined as nonwoven fabric made of 100% Polypropylene only. The product under consideration was defined as "nonwoven fabric made of Polypropylene" and so long as the fabric is primarily produced using polypropylene, the same is within the scope of the product under consideration.
- p. The products claimed for exclusion are being manufactured by the Domestic Industry. "Non woven fabric SS, HO (soft)" is spun bond, hydrophobic soft material and is comparable to "non woven loft". Printed NWF made out of NWF produced by the petitioner has also been sold in the market. The printing has not been done by the company and was given to associate company of the petitioner.
- q. The exporter had not identified a PCN for these types at the time when the Authority sought comments from the interested parties after devising PCN, nor has made any claims regarding this. It has not been stated that these types were exported by Fibretex to India during the investigation period. If these products have not been exported to India, there demand for exclusion is totally baseless.
- r. It is too late to raise preliminary issues of product exclusion/inclusion. Sufficient opportunity has been granted by the Authority to all interested parties to make submissions. FibretEx had made submissions as well, however, these new facts are being put on records by them with mischievous objective and to derail the whole investigation process. These submissions should be rejected on this ground alone.

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

7. Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties are as follows:
 - a. The petitioner and the Authority has not defined the product under consideration sufficiently.
 - b. The petitioner does not manufacture Non-woven fabric below 8 GSM and the same is accepted by them in their petition well as in the public hearing. For the same reason, non-woven fabric below 8 GSM should be excluded from scope of product under consideration.
 - c. While defining the customs classification, the petitioner has erroneously included the Heading 56031200 weighing more than 25 g/m² but not more than 70 g/m². The same should be excluded. Product under consideration should be classified under 56031100.
 - d. The Product under consideration should be defined as "Non-woven fabrics made of polypropylene having thickness greater than 8 GSM and less than 25 GSM, classifiable under customs tariff act under heading 56031100".
 - e. The price of Product under consideration's price is impacted by raw material prices, not by imports. The market decides the prices as the consumer market for the subject good is a "buyer's market".
 - f. The petitioner has failed to bring on record either conversion cost or international prices of polypropylene. It is required to give international price for polypropylene prevailing during the POI. Overall decline in international prices of polypropylene cannot be attributed to dumping.
 - g. The petitioners have not provided properly segregated data to understand the actual situation of imports vis-à-vis domestic consumption or of the Domestic Industry due to imports.

- h. The Domestic Industry has claimed that the Product under consideration produced by them is significantly different than the product produced by the other producers because they are selling the product at much higher price than the other producers but it is nowhere mentioned that both the products are not like products. For determining the like product the Authority needs to examine the commercial substitutability and not the price difference between the products being sold by the other domestic producers. The goods produced by the petitioner and the other producers are like products.
- i. Since the product under consideration has a buyer's market and the product under consideration being a hygiene product, the petitioner is facing tough competition with the established producers in the market.
- j. The exporter from Malaysia has claimed that the following types of products should be excluded from the scope of the PUC under the present investigation on the basis of their technical superiority, price band and usage segments.
 - (i) **Non-Woven Loft:** It is manufactured using two raw materials, polypropylene and copolymer, unlike the normal non-woven fabric which is manufactured using only polypropylene.
 - (ii) **Non-Woven Dual:** It is manufactured using two raw materials, Poly-propylene and Polyethylene unlike the normal non-woven fabric.
 - (iii) **Printed Non-woven:** It requires a separate printing technology to print directly on the non-woven products. Fibertex uses flexographic printing technology to print on product ranging from 8 gsm to 100 gsm.

Further, it is stated that the Domestic Industry does not produce the seproducts. Therefore, Non- woven loft, Non-woven dual and Printed Non-woven should remain outside the scope of PUC under investigation.

Examination by the Authority

8. The product under consideration in the present investigation as per the initiation notification is "*Nonwoven fabric made of Polypropylene of GSM 25 or less*". The PUC has a dedicated HS code 5603 1100, however, it has been seen from Import data that imports are also taking place under other HS codes 5603 1200 etc. Therefore, the description of the product is determining factor for the purpose of this investigation and HS code is only indicative.
9. The petitioner request for distinction of PUC for hygiene application as against the other applications was considered but the Authority does not agree for such distinction. The subject goods for different applications are covered with in the scope of PUC and the like articles thereof.
10. The exporters request for exclusion of certain product type namely "non woven loft", "non woven dual" or "printed nonwoven" was considered but not agreed to by the Authority. This issue besides being raised at such belated stage of the investigation are also not substantiated properly with evidence. The descriptions given by the exporter are not scientific description or technical specifications. The exporter could be calling a certain product as non woven loft and it may be known by some other description for other producers. The Designated Authority cannot consider exclusion without sufficient description and specifications.
11. The Authority notes that the first step in an antidumping investigation is determining the scope of the product under consideration. Having decided the scope of the product under consideration, the Domestic Industry is required to first identify like article to the product under consideration and then establish the scope of the Domestic Industry. Scope of the Domestic Industry can only be decided from amongst domestic producers of like article. After consideration of the submissions made by the Petitioner, the Authority has decided not to distinguish the subject goods on the basis of their usage or application as the implementation of such a distinction would be difficult and it will only complicate the outcome of the investigation. The Authority has decided the product specification or variants of the subject goods as already clarified to all the interested parties by the Authority in the initial stages of the investigation. The PUC is to be identified with respect to the GSM, treated/untreated (hydrophobic/hydrophilic) and spun bond/melt blown technology of manufacturing.
12. The Authority notes that the subject goods produced by the petitioner and the subject goods imported from the subject countries are like articles. Non-woven fabric produced by the Domestic Industry and imported from subject countries are comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. There is no known difference between the subject goods exported from subject countries and that produced by the petitioner. Consumers can use and are using the two interchangeably. Both are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like article' under the Rules.

Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the applicant in India are being treated as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject country.

13. The Authority considered the submission that neither the petitioner nor the foreign producers currently produce non-woven fabric below 8 GSM, nor it has been imported into India. Since the product is not being produced either by petitioner or by the foreign producers nor the product has been imported in India, it would be appropriate to exclude the product below 8 GSM. However, in case the foreign producers develop this product and start exporting to India in future and the Domestic Industry also do so, the interested parties shall be entitled to seek review at that stage. Therefore, modification is required in the scope of the product under consideration for exclusion of such product type.
14. The Authority has therefore redefined the PUC as *"Nonwoven fabric, made of Polypropylene, of 8 to 25 GSM"*.

D. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

Submissions made by the Domestic Industry

15. The submissions made by the Domestic Industry are as follows:

- a. The petition is filed by M/s Global Nonwovens Limited who is the sole producer of the subject goods in Domestic Tariff Area (DTA) in India and no other producer in India has the production facilities to produce the subject goods.
- b. Petitioner has started commercial production recently in Nashik, Maharashtra and dumping by exporting producers is impeding the growth of the newly incorporated company. Petitioner suffered material injury to the extent of its production and sale in the market during the period of its existence.
- c. The uniqueness and the technical differences of the product of the Petitioner make it stand apart from the products of the already established producers. Thus, the industry of non-woven fabrics for sanitary purposes in India was not established before, and the Petitioner remains the sole producer of the PUC and therefore material retardation applies.
- d. There is one more producer called M/s Ahlstrom Fiber Composites India Pvt Limited, who has given their support letter. The company is situated in Special economic Zone (SEZ), hence, manufactures primarily for the International market and caters a very small volume to the domestic market. Considering estimated sales of the SEZ unit in Indian market and taking it into account the total production of subject goods in India, the petitioner still accounts for major proportion of production of subject goods in India.
- e. There are various other companies in India, who may claim to manufacture the subject goods; but the claim is not correct. Non-woven fabric produced by the petitioner and imported from subject countries are the same but materially different from the nonwoven fabric produced by these other Indian producers and the same can be verified from the fact that the subject goods are sold by the petitioner at much higher rate as compared to the non-woven fabric sold by these other Indian producers.
- f. The SEZ unit sells very small amount to DTA. An SEZ can claim the status of DI only to the extent of its sale in the DTA. The fact that a producer inside a SEZ can make sales in the DTA does not mean it is established for that purpose. M/s Ahlstrom produces goods for health applications and Petitioner produces goods for hygiene and sanitary applications, thereby the products are different. Moreover, Ahlstrom group uses Wet laid technology and spunlaid technology whose application is not in hygiene sector and total output of spunmelt is less than 12% of the total output. Therefore, M/s Ahlstrom should not be considered a producer of like articles.
- g. M/s Alpha Foam should not be considered as producer of like articles because of the difference in their products. The Petitioner produces a product with various technical and material differences from that of Alpha Foam. Also, Alpha Foam despite being an old producer does not sell to major consumers of the subject goods in India, whilst the Petitioner in the short span sells to several major consumers of the subject goods in India and Abroad.
- h. The petitioner has provided annual reports of number of these companies and on the same basis it has established that these companies in fact do not even have the manufacturing facilities and could not have been engaged in the manufacturing of the like article to the product under consideration referred in the petition and on which duty has been sought by the petitioner. Factual data has been provided with respect to the producers who claim to produce the PUC showing why they should not be included as DI for the current PUC.

- i. The petitioner fulfils the requirement of Domestic Industry, as prescribed under Rule 2 (b) of the Anti-dumping Rules, 1995 and eligible to be the Domestic Industry.

Submissions made by Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties

16. Submissions made by Producers/Exporters/Importers/Other Interested Parties are as follows:

- a. The petitioner M/s Global Non-woven, who claims to be the sole producer of the product under consideration lacks standing to initiate the present investigation but got the investigation initiated by misrepresentation.
- b. The most important element of the Domestic Industry namely “major proportion” and “domestic producers as a whole” should be checked very closely. the claim of Major proportion cannot be accepted if the proportion is very low. At the same time domestic producers as a whole means all the domestic producers of the subject good should be included in the scope of the Domestic Industry and the same was held by the Appellate Body in the matter of *European Communities- Definitive Anti-Dumping measures on certain Iron and Steel Fasteners from China PR*.
- c. The petitioner has not included all the domestic producers who constitute producers as a whole and this is sufficient ground that the investigation should be terminated or the scope of Domestic Industry should be altered and should include all the other domestic producers.
- d. The claim of the petitioner of being the sole producer in DTA is patently untrue. Other domestic producers have been producing the like products since last many years. The domestic demand has been met by domestic producers like M/s Fiberweb India, M/s Alpha Foam, M/s Surya Textech, along with imports. Data of the other domestic producers should be called and examined. The goods produced by these companies are exactly same as the products being manufactured by the petitioners.
- e. Where an established industry exists, it is not open for each new entrant to claim material retardation. The petitioner cannot claim itself to be at nascent stage or developing stage after 10-15 years of commercial production by the other Indian producer. This cannot be a case of material retardation because of pre-existence of a producer in SEZ. An SEZ unit should be treated as the Domestic Industry. The Authority has done so in various cases in the past. There is other producer in SEZ unit which has DTA clearance and the DTA clearance unit should be treated as domestic production for the purpose of rule 2 (b) of the Anti-Dumping rules.
- f. The applicant does not meet standing requirement enumerated in Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules. The production share of the Petitioner is only 20.39% as per the calculations of the opposing interested parties which are based on a conservative assumption that all other Domestic producers are operating at only 30% of their respective capacities.
- g. Domestic Industry’s total output should constitute major proportion of the domestic production i.e. more than 51%. The petitioner has failed to take into account the total production of the 29 producers mentioned in their petition who claim to make the product under consideration. One of those 29 producers named in the petition, M/s Alpha Foam was present in the hearing. Alpha Foam increased its capacity from 3000 tonne per annum to 6000 tonne per annum. Also they mentioned that they have the capability of producing the Product under consideration from 10 GSM to 150 GSM. The importers M/s Unicharm claimed that they have procured Non Woven fabric of less than 25 GSM in India and that evidence shall be submitted by them to that effect. This fact clearly shows that the Product under consideration is being produced by other producers as well.

Examination by the Authority

17. The Application has been filed by M/s Global Nonwovens Limited claiming that the petitioner accounts for 100% of the production of the Product under consideration and the like product produced in DTA in India.
18. At the stage of initiation, and based on information on record, the authority considered that the product under consideration is produced in India only by the petitioner as far as production in DTA is concerned. Further, the product under consideration is produced by Alstrom Fibre Composites existing in SEZ and who have subsequently supported the petition. The initiation was therefore based on a petition filed by M/s Global Non Woven on behalf of Domestic Industry.
19. Post initiation and during the hearing a number of interested parties have contended that the petitioner does not have a standing and there are a number of other producers who produced the product in the country. It has also been contended that since the product is being produced by a number of other producers in the country, the case cannot be initiated on the grounds that dumped imports are causing material retardation to the

establishment of Domestic Industry. Prior to initiation, the Authority wrote to the Textile Commissioner's office seeking details of known producers of nonwoven fabric. However, no such details were made available to the Authority. Therefore, the Authority had no reason to believe that there are other producers for the same product at the time of initiation. The information brought subsequently to the notice of the Authority has been duly considered and addressed appropriately.

20. Further, it is noted that the petitioner has neither imported the product under consideration, nor they are related to any importer or exporter of the product under consideration. The initiation notification which was notified in the public domain on 15th June, 2016, however only M/s. Alpha Foam had filed submissions and supported petition for imposition of antidumping duty. No other producer listed in the petition or claimed as producers by the opposing interested parties responded to the Notification, either supporting or opposing the petition.
21. Authority has also sent communication to various importers and users in India. However, only M/s Unicharm responded by filing questionnaire response. During oral hearing M/s Unicharm claimed that there are other producers of the subject goods and they would furnish the evidence for the same. However, they have filed the submissions but without substantiating their claim with any documentary evidence regarding production/procurement of subject goods in India during the POI or the previous year. This indicates that there may not be other producers of the subject goods in India who may like to oppose or support the petition.
22. As far as inclusion of SEZ unit under the scope of Domestic Industry is concerned, the Authority notes that the SEZ units are set up with specific purposes and the focus of such unit is to cater to the demand of International market rather than focusing on domestic market.
23. On the basis of the definition of the product under consideration and like article, it is seen that only petitioner and M/s Alfa Foam qualify as a domestic producers of the like article. M/s Alfa Foam has furnished information regarding their production and have also supported the petition. Therefore, Authority has considered their production for calculating the total production of subject goods in India and after taking it into account, the petitioner still accounts for major proportion of production of subject goods in India.
24. Since the production of the petitioner accounts for "a major proportion" in the total production of the product under consideration in DTA in India, the petitioner satisfies the standing and constitutes Domestic Industry within the meaning of AD Rules.

E. CONFIDENTIALITY

Submissions made by the Domestic Industry

25. Submissions made by the domestic industries are as follows

- a. The exporter questionnaire submitted by the exporters/importers has no information available. They have claimed excessive confidentiality.
- b. Most of the information has been claimed confidential and some of them have filed blank formats.
- c. The submissions filed by them are beyond comprehension and the petitioner is not in a position to give any comment on that.
- d. All requirements under Rule 7 are fulfilled and there is no instance pointed out when the Petitioner has not provided data where it was not entitled to.
- e. Confidentiality claimed is as per the practice permitted by the Designated Authority. Costing information Needs confidentiality as it constitutes highly business proprietary information of the petitioner.
- f. The interested parties and the exporters themselves have claimed excessive confidentiality themselves and this argument is only used to shy away with that fact.
- g. The main objective of such a demand by the exporters is to procure sensitive and confidential business information with regards to costing of the PUC in India, since the exporters wish to establish production of PUC in India. The exporters very well know that if they do not dump goods in India, the Petitioner shall establish itself and capture the domestic market.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

26. Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties are as follows:

- a. Excessive confidentiality has been claimed by the petitioner, therefore, it is impossible to understand injury on various parameters.

- b. Parameters prescribed in format B, CI and CII, D and E have been entirely claimed confidential.
- c. Proforma IV A and IV B is either not provided or have entirely been claimed confidential. This includes average selling price for Malaysia, Indonesia and Saudi Arabia.
- d. The petition clearly violates the requirements specified in Rule 7 of the Customs Tariff Act.
- e. Any information cannot be kept confidential only because the party claims it confidential as was decided in the case of *Sterlite Industries (India) Pvt Ltd V Designated Authority*, 2003 (158) ELT 673

Examination by the Authority

27. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

28. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

F. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

Submissions made by the Domestic Industry

29. Submissions made by the Domestic Industry are as follows:

- a. It is not specified that which part of the petition does not provide sufficient understanding.
- b. The product of the Petitioner has been approved by a large no. of consumers and if all the demand of such consumers is combined, the petitioner would be able to achieve more than 80% capacity utilization, which is currently unable to establish itself in the domestic market because of the dumped imports.
- c. Projections in the presentation submitted to NSE were on the basis of consideration that Govt. of India shall impose interim AD duties on such dumped imports. As against the projections, the Petitioner has suffered actual and significant losses in 2016-17
- d. All the relevant information was provided in the petition and the Authority initiated the Investigation only after sufficient prima-facie evidence.
- e. Merger with Jindal Polyfilms Ltd will not change the legal status of the Petitioner which shall affect the current investigation as the Petitioner who was earlier 61% owned subsidiary becomes a wholly-owned subsidiary of the same group. Moreover, legal status is not relevant to an Anti-Dumping investigation, as can be clearly suggested from the Application Performa.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

30. Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties are as follows:

- a. The present petition is in violation of Trade notice 2/2004 dated 12th may, 2004. There is a gap in information for 3 month viz. April 15-June 15. This is illegal and an investigation cannot be initiated on the basis of this data.
- b. An updated petition with supporting analysis of updated petition has not been filed. Petitioner has submitted only updated data annexures to the petition and not the updated petition. The petition is incomplete and information such as part VI of the petition was not filed along with the petition.
- c. The petition must be terminated in absence of supporting evidences. The petition does not contain information with regard to Normal Value, Export Price, Injury and Causal link.
- d. There is insufficient analysis of the fact in the petition. Costing information is missing and other information filed is grossly deficient. The data provided by the petitioner is full of error and inconsistencies. The data is confusing and unreliable and does not seem to have any adequacy or accuracy. The data is misleading and misrepresented.
- e. The petition has errors such as annualized figures are inflated. The comparative deficiencies in the correct figures of annualization and petitioner's figures are massive. Annualized figures are not even filled by the petitioner. Percentage calculated by the petitioner is also incorrect.
- f. The petitioner has claimed negative ROI, whereas, the profit constantly remained positive. Such contradictory figures cannot co-exist. .
- g. Presentation of Jindal Polyfilm submitted to NSE and explained how well the company has performed.

The applicant did not disclose the fact of merger with Jindal Poly Film Ltd and the same has led to change in legal status of the petitioner. The same is to be taken into consideration while determining injury.

Examination by the Authority

31. As regards the argument of the responding parties that the petition is deficient and therefore the investigation needs to be terminated, the Authority notes that the present investigation was initiated on the basis of duly documented petition, containing sufficient prima facie evidence showing dumping, injury and causal link. There was sufficient evidence to justify the initiation of the investigation in accordance with the Act and Rules. The Authority has also called for additional information wherever required and verified the information furnished by the Domestic Industry.
32. It is a settled position that the initiation of an investigation is based on sufficient prima facie evidence and the petition need not contain all such information and evidence as is required for making a final determination. An investigation is a process where quality and quantity of evidence improves as an investigation progresses. The final determination is required to be based on the information made available by the Domestic Industry and other interested parties after proper examination and verification by the Authority. At the stage of initiation, the Authority relies only upon the information provided in the petition and the petitioner cannot be expected to provide information beyond what is reasonably available to it. The methodology for normal value used at the time of initiation recedes in the background and has no bearing on the outcome of the case. The Authority has made present determination on the basis of questionnaire responses filed by the foreign producers/exporters.
33. The period of investigation for the purpose of present investigation is from 1st July 2015 to 31st March 2016 (9 months) considering that the Petitioner has commenced trial production in March 2015 and commercial production in July 2015 only.
34. As regards the contention that the petition is incomplete and information such as part VI of the petition was not filed along with the petition, it is clarified that the petition contains relevant costing information. Since the information constitutes confidential business information of the petitioner, the petitioner has claimed confidentiality on the same.
35. As regards submissions concerning disclosure of costing information, the authority notes that the costing information is in the nature of confidential business proprietary information not amenable to summarization and the same has been consistently allowed as confidential information. In fact, both the Domestic Industry and the foreign producers have claimed confidentiality on costing information. Further, the authority has been accepting claim of confidentiality on costing information.
36. The project report of the petitioner is clearly a confidential business sensitive information concerning the business operations of the petitioner and therefore could not have been disclosed in the non-confidential version. As far as the samples of products are concerned, the petitioner has not claimed any confidentiality on the same and these samples have been placed in the public filed. In fact, petitioner has sent its product samples

to number of consumers in the country and it is without any basis that the confidentiality has been claimed by the petitioner on samples.

G. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN.

Normal Value and Market Economy status for China PR

37. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:-

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either*
 - (a) *Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

38. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following producers/exporters filed exporter's questionnaire (EQ) response in the present investigation:

SN	Country	Company	Status
1	China PR	Toray Polytech (Nantong) Company Limited,	Producer
2	China PR	Hubei Gold Dragon Nonwoven Fabrics Co.,Ltd	Producer
3	Indonesia	Toray Polytech Jakarta,	Producer
4	Malaysia	Fibertex Personal Care SDN BHD,	Producer
5	Saudi Arabia	Saudi German Co. For Nonwoven Products	Producer
6	Thailand	Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd	Producer
7	Thailand/India	Itochu Thailand Limited & Itochu India Limited	Exporter/Importer

Submissions by Domestic Industry

39. Submissions by Domestic Industry are as follows:

- a. The product follows a pricing formula, where a proper pricing mechanism is followed for quality check and only after the required approval, the goods are eligible for commercial transaction. Product is primarily sold on the basis of pricing formula.
- b. Except Malaysia and Indonesia, most of the producers sell the product on quarterly pricing basis. Malaysia and Indonesia are exporting the subject good to India on 6 months agreement with customers and accordingly prices are determined on 6 months pricing formula.
- c. Producers from Thailand, China and Saudi Arabia are exporting the subject goods to Indian customers following 3 months pricing mechanism and further the prices are determined considering input prices during 1st January to 30th June for supplies made from 1st July to 31st December and input prices from 1st July to 30th September for supplies to be made from 1st October to 31st December respectively. In such a situation it is important to keep these factors into consideration while determining the Normal value for the subject countries except China PR.

- d. China is a Non Market economy even after 11th December, 2016. China is not being treated as Market Economy by countries like EU and USA who are members of WTO. China is still being treated under a non-market economy situation.
- e. In India also, the Designated Authority has treated China as non-market economy. The Designated Authority has treated China as non-market economy in practically all the investigations initiated against China after the amendment dated 31st May, 2002. AD Rules have prescribed certain conditions that have to be satisfied in order to establish the claim of market economy treatment. It is to be noted that each and every condition must be fulfilled by an intending exporter in order to claim market economy treatment.
- f. Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity.
- g. Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values and their books are audited in line with international accounting standards. Both the parameters must be satisfied for granting Market Economy status.
- h. It is not for the Authority to establish that the responding companies are operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. But it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
- i. Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected.
- j. In a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- k. In the present case, Normal Value cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available.
- l. Efforts were made to get information/evidence of price of subject goods in the domestic market of Malaysia, Indonesia, Thailand and Saudi Arabia. Efforts were also made to get price lists or quotations of producers of subject goods in Malaysia, Indonesia, Thailand and Saudi Arabia.
- m. Since the product under consideration is produced by few producers and sold to few consumers, there is no publicly available information/evidence of price of subject goods in the domestic market of Malaysia, Indonesia, Thailand and Saudi Arabia.
- n. Petitioner has determined normal value considering constructed value approach.
- o. The Petitioner agrees to adjustments to segregate losses by start-ups but only till the extent of determination of Normal Value and not Injury Margin and NIP.
- p. There is significant difference in cost and price of the fabric produced using different process.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

40. Submissions made by Exporters, Importers, users and other Interested Parties are as follows:

- a. Petitioner has failed to calculate an appropriate Normal value. Normal Value has been completely redacted and claimed confidential.
- b. The data is impossible to read and cannot be analysed at all.
- c. Normal Value cannot be constructed for market economy countries, viz. Thailand, Saudi Arabia, Indonesia and Malaysia. These countries are market economy for which normal value cannot be construed based on the standard consumption norms of the petitioner or conversion cost, selling general and administrative expenses as per Domestic Industry. Normal value constructed for Thailand, Malaysia, Indonesia and Saudi Arabia should be rejected.
- d. Toray Ploytech Nantong, China PR may be treated as market economy. Over 100 WTO countries have given market economy status to China PR and during the last 30 years China PR has accomplished complete market economy status. Toray Ploytech Nantong, China PR,(TPN) has duly responded to MET Questionnaire and provided sufficient information to rebut the non-market economy presumption.TPN

satisfies the criteria for market economy which is laid down in Law. In the present case TPN is not a state owned company and the company operations are strictly being followed in line of market economy situation, all the decisions are taken by TPN, independently. Accordingly, TPN should be treated as market economy and the Authority has done so in various cases in past such as CFL from China and Hong Kong, 2002, Copper Clad laminates from China, Chinese Taipei, Hong Kong, South Korea, Singapore, Philippines and Thailand, 2003, Borax Decahydrate from China, 2003 etc.

- e. Alternatively, they have suggested that Indonesia be considered as surrogate country for Toray Polytech Nantong. Both TPJ and TPN are part of the Toray Group and both are co-operative producers/Exporters in this investigation. Both are related entities situated in different countries namely Indonesia and China respectively.
- f. In the updated information filed by the petitioner, every figure is redacted and not even totals are supplied in the petition. Also, the constructed normal value is redacted and not even provided it as a range.
- g. Segregate losses by start-up and appropriate adjustments should be done for determining the normal value.
- h. The basis for adopting cost were adduced by the petitioner and the same is a clear violation of the evidentiary requirement under the WTO ADA.

Examination by Authority

- 41. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known producers/ exporters for rebutting presumption of nonmarket economy in accordance with criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested the Government of China to advise the producers/exporters in their country to provide the relevant information.
- 42. The Authority notes that except Toray Polytech (Nantong) Company Limited, none of the producers and exporters of the subject goods from the subject countries have submitted the market economy treatment questionnaire response, consequent upon the initiation, notice issued by the Authority for rebutting the non-market economy presumption. The Authority has not granted M/s Toray Polytech (Nantong) Company Limited the market economy status on account of non fulfilment of conditions prescribed in Rule 8 Para 8 (3) of Annex I).
- 43. In view of the fact that none of the producers/exporters are entitled for MET status and further, none of the interested parties, including the Domestic Industry, has made available any material fact to the Authority to select an appropriate market economy third country, the Authority has determined the normal value in respect of China PR on other reasonable basis, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Rules.
- 44. In view of the above, the normal value for the subject goods imported from China into India has been determined on the "any other basis" by considering best available information with regard to cost of production and after reasonable additions for selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin. The normal value has been constructed considering consumption of major raw materials as per information provided by the Domestic Industry, international prices for major raw materials, conversion cost, interest, SGA, etc. at the levels allowed for the Domestic Industry. Further, 5% of cost of sales has been added towards reasonable profit.
- 45. As regards the producers and exporters from Indonesia, Malaysia, Thailand and Saudi Arabia are concerned, the Authority has relied upon the data furnished by the co-operative producers and verifies to the extent possible.

(I). CHINA PR

TORAY POLYTECH (NANTONG) COMPANY LIMITED ("TPN") CHINA PR

Normal Value

- 46. The Authority noted that the Toray Polytech (Nantong) Company Limited, China PR had claimed market economy treatment but the same has not been granted by the Authority in view of nonfulfillment of conditions prescribed in terms of Para 8(3) of Annexure 1 to the Anti-Dumping Rules. Further their request for considering Indonesia as surrogate country was considered, however the same has been rejected by the Authority because the various Indonesian producer does not produce and supply all the relevant product types (PCNs) as manufactured and sold by the Chinese producers. Therefore the purpose of taking comparable data

will not be served. Hence, the Designated Authority is left with no alternative but to determine normal value estimated on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Accordingly, the Normal value at ex-factory level has been calculated PCN wise for fair comparison. The weighted average has then been calculated and normal value is determined as mentioned in the table below.

Export price

47. M/s Toray Polytech (Nantong) Company Limited ("TPN"), is a Producer/Exporter of subject goods from China PR and has exported subject goods to India directly during the POI. The sales to India are on CIF basis and details of the quantity and specifications have been furnished in Appendix 2 of the Questionnaire response. The producer/exporter has claimed adjustments on account of inland freight, ocean freight, marine insurance and credit and same have been allowed after due verification. The ex-factory price has been calculated PCN Wise for fair comparison. The weighted average CNV and NEP of various PCN is determined as mentioned in the table below.

HUBEI GOLD DRAGON NONWOVEN FABRICS CO. LTD, CHINA PR

Normal Value and Export Price

48. M/s Hubei Gold Dragon Nonwoven Fabrics Co., Ltd., is a Producer/Exporter of subject goods from China PR and has exported subject goods to India directly during POI. They have not filed MET questionnaire responses and not asked for MET status. The sales to Indian customer is on CIF basis and for final determination of Net Ex-factory Export price, the exporter has claimed adjustments on account of handling, inland transportation, overseas transportation, insurance, credit and bank charges and the same have been allowed after due verifications. The ex-factory price has been calculated PCN Wise for fair comparison. The weighted average CNV and NEP of various PCN is determined as below.

Normal Value and Export Price for all other Producers and Exporters from China PR

49. For other producers/exporters from China who have not participated/co-operated in this investigation, the normal value and export price is determined on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Antidumping Rules.

Sr. No.	Producer/Exporter	Constructed Normal Value	Export price	Dumping Margin	Dumping Margin	Range
		US\$/MT	US\$/MT	US\$/MT	%	
1	Toray Polytech (Nantong) Company Limited ("TPN")	***	***	***	***	5-15
2	M/s Hubei Gold Dragon Nonwoven Fabrics Co. Ltd.	***	***	***	***	(0-10)
3	All other	***	***	***	***	15-25

(II). INDONESIA

M/S TORAY POLYTECH JAKARTA. PT ("TPJ")

Normal Value

50. M/s Toray Polytech Jakarta. PT ("TPJ"), is a Producer/Exporter of subject goods from Indonesia has large domestic sale of the subject goods. In the domestic market it has sold 100% of the subject goods to Non-affiliated parties. The 80/20 test has been conducted and more that 80% transactions are profitable. The producer/exporter has claimed adjustment on account of inland freight to customer, inland freight and credit expenses and same have been allowed after due verification. Accordingly, the Normal value at ex-factory level has been calculated PCN wise for fair comparison. The weighted average has been calculated and the normal value so determined is as mentioned in the table below.

Export Price

51. M/s Toray Polytech Jakarta. PT ("TPJ") has exported subject goods to India directly during the POI. The sales to Indian customer are on FOB /C &F basis. They have claimed adjustments on account of inland freight, other expenses, ocean freight, credit expenses and bank charges and same have been allowed after due verification. The ex-factory price has been calculated PCN Wise for fair comparison. The weighted average has been calculated and NV & NEP is as mentioned in the table below.

Normal value and Export price for all other producers and exporters of Indonesia

52. For other producers/ exporters from Indonesia who have not participated / co-operated in this investigation, the normal value and export price for other exporters has been determined on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Antidumping Rules. The normal value, net export price and dumping margin in respect of other producers/exporters of the subject goods so determined is as follows:

Producer	Normal Value US\$/MT	Export Price US\$/MT	Dumping Margin US\$/MT	Dumping Margin %	Range
M/s Toray Polytech Jakarta. PT Indonesia,	***	***	***	***	De-minimus (less than 2%)
All others	***	***	***	***	De-minimus (less than 2%)

(III). MALAYSIA

FIBERTEX PERSONAL CARE SDN BHD

Normal value and export price

53. During the POI, Fibertex has sold the subject goods in the domestic market and also exported to India directly. They had submitted detailed response annexing all the relevant appendices. The verification of the data was carried out in a table study with the assistance of legal counsel of the exporter. There were various deficiencies in the documentation which were duly informed to the legal representative. They had furnished the information as asked for. The analysis has shown that the quantum of sales to India (in kgs) as given in the appendix 2 are not matching with the sample invoices provided for verification. The examination of the data/documents also revealed that they had not disclosed the complete information, in fact, there appears to be a deliberate attempt on the part of the exporter to suppress information particularly with regard to the existence of India office. Therefore, the authority finds the information unreliable and considers it appropriate to reject the response. Accordingly, the normal value and export price for exports from Malaysia has been determined on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Antidumping Rules. The constructed normal value, net export price and dumping margin in respect of producers/exporters of the subject goods so determined is as follows:

Producer/ Exporter	Constructed Normal Value	Export price	Dumping Margin	Dumping Margin	Range
	US\$/MT	US\$/MT	US\$/MT	%	
All producers / exporter	***	***	***	***	De-minimus (less than 2%)

(IV). SAUDI ARABIA

SAUDI GERMAN CO. FOR NONWOVEN PRODUCTS

Normal value

54. During the POI, M/s Saudi German has sold the subject goods in the domestic market. All sales in the domestic market were made to non-affiliated parties during the POI. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. The Authority notes that all domestic transactions were, therefore, the Authority has considered all domestic sales for the determination of the normal value. Saudi German producer exporter has claimed adjustment on account of Inland Freight & credit cost. However, the invoices shown for verification mention freight as zero, therefore, adjustments on account of inland freight has not been accorded. Accordingly, the PCN wise Normal value at ex-factory level has been calculated for fair comparison and the weighted average has then been calculated which is below.

Export price

55. M/s Saudi German has exported the subject goods to unrelated parties in India as per details given in Appendix 2. Saudi German had claimed the adjustments on account of inland and overseas freight, insurance, and credit cost. The Authority has verified the details of exports to India and various adjustments claimed by Saudi German in a table study. The ex-factory price has been calculated PCN Wise for fair comparison. The weighted average NV and NEP of various PCN is determined as below.

Normal value and Export price for all other producers and exporters of Saudi Arabia

56. For other producers/ exporters from Saudi Arabia who have not participated / co-operated in this investigation, the normal value and export price for other exporters has been determined on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Antidumping Rules. The normal value, net export price and dumping margin in respect of other producers/exporters of the subject goods so determined is as follows:

Producer	Normal Value	Export price	Dumping Margin	Dumping Margin	Range
	US\$/MT	US\$/MT	US\$/MT	%	
Saudi German Co. For Nonwoven Products	***	***	***	***	De-minimus (less than 2%)
All others	***	***	***	***	De-minimus (less than 2%)

V. THAILAND

M/S ASAHI KASEI SPUNBOND (THAILAND) CO., LTD., (“AKST”)

Normal Value

57. M/s Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd., (“AKST”), is a producer of subject goods from Thailand and has exported subject goods to India through M/s Itochu(Thailand) Limited, Thailand, who then further exported subject goods to India through M/s Itochu India Pvt., Ltd., India during the POI. M/s Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd., (“AKST”), has filed complete Exporters Questionnaire response, along with exporters/traders namely M/s Itochu(Thailand) Limited, Thailand and M/s Itochu India Pvt., Ltd., India (Exporters/Traders). The same has been considered for final determination. M/s Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd., (“AKST”), has domestic sales and they have sold 100% of subject goods to Non-affiliated parties of different PCN. The 80/20 test have been conducted for relevant PCN and the sales are more than 80% profitable. The producer has claimed adjustment on account of inland freight to customers’ warehouse and credit expenses and same have been allowed. Accordingly, the Normal value at ex-factory level has been calculated PCN wise for fair comparison. The weighted average has been calculated for normal value of various PCN is below.

Export Price

58. M/s Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd., (“AKST”) has exported subject goods to India through M/s Itochu(Thailand) Limited, Thailand, who then further exported subject goods to India through M/s Itochu India Pvt., Ltd., India (Exporters/Traders) to M/s Unicharm India Private Limited, India during the POI. The sales to Indian customer is on CIF basis and for final determination total quantity exported to India has been considered. The producer & exporters have claimed adjustments on account of ocean freight, customs expenses, ocean insurance and credit expenses on grades/PCN’s wise and same have been allowed. The ex-factory price has been calculated PCN Wise for fair comparison. The weighted average NV and NEP of various PCN is determined as below.

Normal value and Export price for all other producers and exporters

59. For other producers/ exporters from Thailand who have not participated / co-operated in this investigation, the normal value and export price for other exporters has been determined on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Antidumping Rules. The normal value, net export price and dumping margin in respect of other producers/exporters of the subject goods so determined is as follows:

Producer	Exporter	Normal Value	Export price	Dumping Margin	Dumping Margin	Range
		US\$/MT	US\$/MT	US\$/MT	%	
M/s Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd.	M/s Itochu (Thailand) Limited	***	***	***	***	0-10
All Others		***	***	***	***	0-10

DUMPING MARGIN

60. The dumping margin for subject goods has been determined by comparing PCN wise normal value (constructed wherever the actual normal value is not available/ acceptable) and net export price at ex-factory

level for the subject goods. The table below shows the weighted average values for various co-operative producers/exporters from subject countries.

S N	Producer	NV/CNV	NEP	Dumping Margin		
		USD/MT	USD/MT	USD/MT	%	Range
1	Toray Polytech (Nantong) Company Limited, China	***	***	***	***	5-15
2	Hubei Gold Dragon Nonwoven Fabrics Co., Ltd, China	***	***	***	***	(Negative)
3.	All Others producers/exporters from China PR	***	***	***	***	15-25
4	Toray Polytech Jakarta, Indonesia	***	***	***	***	De-minimus (less than 2%)
5	All Others producers/exporters from Indonesia	***	***	***	***	De-minimus (less than 2%)
6.	All producers/exporters from Malaysia	***	***	***	***	De-minimus (less than 2%)
7	Saudi German Co. for Nonwoven Products, Saudi Arabia	***	***	***	***	De-minimus (less than 2%)
8	All Others producers/exporters from Saudi Arabia	***	***	***	***	De-minimus (less than 2%)
9	Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd through Itochu Thailand Limited /Itochu India Limited	***	***	***	***	0-10
10	All Others producers/exporters from Thailand	***	***	***	***	0-10

H. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

61. The Authority notes that the petition for imposition of antidumping duty has been filed by Global Non-Woven Limited, which accounts for a major proportion of total Indian production of the subject goods in India. In terms of Rule 2(b) of the Rules, the petitioners have been treated as the Domestic Industry for the purpose of this investigation. Therefore, for the purpose of determination the cost and injury, information of the petitioners, constituting the Domestic Industry as defined in Rule 2(b), has been examined.

Submissions made by the Domestic Industry

62. Submissions made by the Domestic Industry are as follows:

- The uniqueness and the technical differences of the product of the Petitioner make it stand apart from the products of the already established producers. Thus, the industry of non-woven fabrics for sanitary purposes in India was not established before, and the Petitioner remains the sole producer of the PUC and therefore material retardation applies.
- The foreign exporters are very aggressive in order to capture the large potential Indian market before the Petitioner establishes itself as a significant player in the domestic market.

- c. The commercial production started in July 2015 and there is no data present before that so the only performance that is relevant for the present purposes is the projected performance. As the Domestic Industry does not have past performance, the Designated Authority cannot assess past performance. Designated Authority is required to assess projected performance and compare it with actual performance in such cases. Accordingly, potential performance has been provided by considering its project report, current actual selling price and raw materials price.
- d. Demand for the product under consideration is quite positive in India, with increasing use of the product under consideration in these applications. There is a insignificant import of second and off grade material. If the imports of second and off grade material are excluded, the data shall still show higher degree of price undercutting and injury to the Domestic Industry. Off grade production by the petitioner was considerably low even considering that the petitioner has commenced commercial production only recently.
- e. The industry is such that it requires significant investment to fulfill the needs of the consumers of contamination free products. The comparison of gross investment by the Petitioner and the other alleged producers of the PUC in India is not on the same scale, further showing how the products made by the Petitioner is different from the other producers.
- f. The technology, machinery and investment made by the Petitioner is in-line with the foreign exporters, showing that the investment by petitioner is not disproportionate.
- g. Despite the volumes, the petitioner has still not fulfilled its potential and projections. Also, the petitioner is suffering financial losses due to which it has to take the unwanted step of merging with the Holding company.
- h. Imports have increased significantly as compared to the base year from the subject goods throughout the injury period, except Saudi Arabia. But imports from Saudi Arabia also increased significantly during the period of investigation. Market share of imports has been significantly high despite commencement of commercial production started by the Domestic Industry. Market share captured by the subject countries were 100% during the period of investigation.
- i. As against present demand of 18480 MT, the Domestic Industry has the capacity of 18000 MT. Thus, the Domestic Industry has sufficient capacity to fulfil the market demand for the product concerned. The Domestic Industry has been unable to increase its market share due to dumped imports. Sales of the Domestic Industry have not increased in line with production by the Domestic Industry and the extent to which the petitioner can produce the product.
- j. Data clearly shows that domestic production capitalization is far lower than capacity utilization considered in the project report.
- k. The petitioner has made a new set up for manufacturing and selling of the product concerned. The product under consideration is sold on contract basis. Exporters in the subject countries are offering such low prices to obtain the order and the same shows that exporters are steeply declining their margin on raw material cost.
- l. In view of the practice being followed by the exporters the petitioner is unable to get fair prices and even if the petitioner lowers its price they are unable to get orders to the extent of its capacities. Low price offered by the petitioner is due to the dumped imports. The imports are depressing the prices of the Domestic Industry in the market.
- m. Dumped imports have remained significant in absolute terms and in relation to production and consumption in India. Exporters give various discounts on the invoice prices, which needs to be adjusted and reduced.
- n. Data shows how the product of the Petitioner has been approved by the consumers, but due to the dumping, it has not achieved a respectable production capitalization and has not been able to sell products.
- o. The petitioner only wishes to attain 60% production capitalization and far from it, has only achieved 22% during the POI at times. Instances of halt in production due to inventories piling up. Thus, the problems faced by the Petitioner are not because of any start-up problems, but because of the dumping by exporters.
- p. Exporters give long credit to the consumers. Cost of interests is required to be adjusted.
- q. There are several suppliers for the product in the country, the Domestic Industry cannot demand a price at it requires. It must follow the price as the consumers give. Since the Producers is new in the market, it has

to sell the product in a market at a price lower than the price at which the product is already being sold in the market.

- r. Existence of negative price undercutting does not imply that there is no injury. The fact that petitioner is selling at a lower price means that dumped imports are depressing the prices.
- s. Domestic Industry is facing the problem of accumulated inventories. Productivity has remained too low, measured in terms of production per day.
- t. The Domestic Industry has been suffering significant financial losses despite not considering actual cost of production. Significant investment has not resulted in significant revenues. Despite commencement of commercial production recently, the Domestic Industry is not able to produce and sell the product to the extent of its abilities in the domestic market
- u. The dumping margin in respect of imports from the each of the subject country as determined by the petitioner is quite significant. The dumping margin from each of the subject countries is not only more than de-minimis but also very significant. The impact of injury on Domestic Industry is very significant.
- v. Dumping of the product in the country is materially retarding the establishment of the Domestic Industry. The Designated Authority is required to consider actual performance and compare with the performance projected at the time of setting up of the plant.
- w. WTO jurisprudence on the meaning of material retardation - while the test of material injury or a threat of material injury can be applied to an existing Domestic Industry, in the case of Domestic Industry yet to be fully established, the test to be applied is that of material injury to the extent of existence and material retardation to establishment of industry. The following two conditions are relevant where the test of material retardation may be applicable:
 - a. in case of “developing industry” which has not yet begun commercial production but substantial commitment to commence production has been made;
 - b. in case of “nascent industry” whose commercial production although has begun but the industry has yet to find its place in the market.
- x. Cases done by the Authority in past such as PVC Flex, D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Methyl potassium Dane Salt, Fused Magnesia, Bisphenol – A, Induction Hardened Forged Steel Rolls and D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base (PHPG Base) from EU shows that the Directorate has considered following methodology for analysis of injury in similarly placed case.
- y. Subject imports have remained significant in absolute terms in spite of new production in the country. The conditions in the market created by dumping practices are largely responsible for the significant financial losses suffered by Domestic Industry.
- z. The landed price of imports is not only below cost of production of the Domestic Industry, but also the non-injurious price of the Domestic Industry. Imports are severely depressing the prices of the Domestic Industry in the market.
- aa. Performance of the Domestic Industry in terms of production, sales and capacity utilization has been significantly below the projected levels. Despite commencement of new production in the Country, the levels achieved by the Domestic Industry are far lower as compared to what could have been achieved considering demand for the product under consideration in the market.
- bb. Performance of the Domestic Industry was quite adverse in terms of profits, return on investments and cash flow. The Domestic Industry is not able to realize non injurious price for the product.
- cc. The present high level of imports is despite presence of domestic product in the market and continued preference of the consumers to import the product because of the price attractiveness.
- dd. Since Domestic Industry is a new entrant in the market, the Domestic Industry is forced to obtain orders at a price comparable to the import price of the product. Thus, if the Domestic Industry has obtained orders at suppressed price, the same is because of dumping of the product in the country.
- ee. The Domestic Industry has been constrained to export the product because of absence of orders from the domestic customers. The Domestic Industry exported to a number of countries which establishes the quality of the product. A statement showing country wise exports by the Domestic Industry is enclosed, which shows exports to a number of markets, including in the developed countries.

- ff. Month by month analysis of production, sales, capacity utilization, and inventories shows that the Domestic Industry has been constraint to curtail the production and is faced with sales much lower than the level that could have been achieved by the Domestic Industry in the absence of dumping of the product under consideration in the country.
- gg. The Petitioner has qualified all the quality tests and has gained acceptance from the consumers but is denied orders because the consumers get easy access to the dumped goods.

Submissions made by the Exporters/producers and other interested parties

63. Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties are as follows:

- a. The petitioner is not the sole producer so there cannot be a case of material retardation of the Domestic Industry.
- b. The petition is misleading as is no evidence in respect of AD Rules has been produced by the petitioner to satisfy its claim of sole producer of the subject good.
- c. In view of the pre-existence of an established player it cannot be a case of material retardation. It is an established industry in India and petitioner is a new comer. There are other producers in the market and the petition admits so. The company commenced production in July 2015 but has already achieved impossibly high capacity utilization.
- d. There is no mechanism to determine material retardation of the Domestic Industry unlike injury or threat of material injury to the Domestic Industry. The Authority should have first devised a mechanism to determine material retardation, then should have initiated the present investigation.
- e. In absence of any legal provision it is extremely difficult to point out if there is any violation of legal provision. Reference can be taken from the USITC cases. USITC adopts a market stabilization standard to determine whether the nascent industry can be considered to be established or not. If the industry already established, the applicable standard is that of material injury and not material retardation.
- f. In a material retardation case, Designated Authority should examine whether applicant was yet to find its way in the market or was already established. No sufficient data is submitted to justify the claim of material retardation.
- g. The data produced in the petition shows normal start-up conditions. Data shows that capacity utilization increased 5 times during July 2015 to December 2015. Domestic sales increased 7 times just in 6 months' time. This clearly cannot be case of material retardation.
- h. In 6 months times the market share has increased from zero to 10.66%. All the data till March 2016 should be brought on record to see a clear picture. It is impossible for a new player to meet 100% demand of the market merely within 6 months of its establishment.
- i. The petitioner is not suffering any material injury and its situation can be such because of it being a new entrant in the industry. If the petitioner was materially retarded, it would not have expanded its capacity. Such investments show that they are not injured.
- j. It has already been argued that the industry is not new, there are many established companies catering to the demand of the domestic market since last 10-15 years. Petitioner is not the sole producer of the subject. There are at least 28 (source-petition) more other producers in the market who are exactly producing the same product as the petitioner.
- k. DI's situation has improved and it will further improve gradually. So much cost has been invested in the production of the PUC and it has a direct connection with the ROCE and profitability. Claim of 22% return on investment is without any reasonable basis. 22% Return on Capital Employed gives undue advantage and protection to the Domestic Industry. 41% profit margin on equity in no terms can be termed as reasonable. Right after commencement of commercial production the Domestic Industry started facing injury due to dumped import. Price of imported PUC is relatively higher than the Domestic Industry. In first month commercial production 42% capacity utilization was achieved and it increased after that.
- l. There is no causal link between the alleged dumped imports and injury to the petitioner.
- m. The petitioner is suffering because of other factors such as :

- Start Up- The petitioner is suffering because of lack of experience in the industry. They don't have advance technology and have no idea about pricing.
 - International Price of Raw Material: The major raw material, polypropylene's price has declined internationally and losses due to that should not be blamed on imports.
 - Buyer's Market- the prices are determined by the buyers and petitioner's has newly come to the market and has not been able to establish quality standards required for the product.
- n. High client stickiness, long lead time for customer approval and technology are the main factors for slow growth of the company.
- o. Because of the type of PUC all the global companies are extremely brand conscious. It takes years to qualify the quality tests and go through all the process. Reason of injury is to fail to get quality certificates. The petitioners could not have sold their product to our customers in India because they are quality concerned people.
- p. Transaction by Transaction sales data should be examined in order to establish impact of seconds and off grade material.
- q. DI should be asked to give grade-wise production data with off-grade and prime material produced during the Period of investigation. The commercial production started in July 2015 and the company is facing entry barriers. The company could not have expected high capacity utilization and the same is said by Jindal global in it's letter to NSE.
- r. Domestic Industry is importing major raw material and increase in import duties increases the cost of production and the total raw material price is the 70% of the cost of production cannot allege dumping.
- s. Injury to the Domestic Industry cannot be complete without factoring in the injury, or lack of injury to the other producers.

Examination by the Authority

64. The interested parties have contended that since the product was already in production in the country, the provisions concerning material retardation to establishment of Domestic Industry cannot be attracted in the present case. The issue has been carefully examined. It is noted that rule 11 dealing with injury specifies that the designated authority shall record a finding whether dumped imports of such article into India cause or threaten material injury to any established industry in India or materially retards the establishment of any industry in India. Further, it specifies that the designated authority shall determine the injury to Domestic Industry, threat of injury to Domestic Industry, material retardation to establishment of Domestic Industry and a causal link between dumped imports and injury, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles and in accordance with the principles set out under the rules. Recommendation by the WTO Committee on Anti-Dumping Practices suggests that as a general rule the period of data collection for dumping investigations normally should be twelve months, and in any case no less than six months, ending as close to the date of initiation as is practicable, while the period of data collection for injury investigations normally should be at least three years, unless a party from whom data is being gathered has existed for a lesser period, and should include the entirety of the period of data collection for the dumping investigation. Thus, while committee of anti-dumping practices prescribed minimum three years as the period of data collection for injury assessment, it also specified that the same shall be subject to the condition that the party should have existed for at least such a long period. Thus, in a situation where the Domestic Industry has a history of its existence for less than the minimum prescribed period, it is evident that the Authority is entitled to consider such shorter period for which the Domestic Industry existed.
65. In the present case, the petitioner commenced commercial production in July 2015 and therefore information for 3 year period is admittedly not available. However, considering that the period is lower than 3 year period, the petitioner has provided information on monthly and quarterly basis. On this basis, it is considered that it would be appropriate in the facts and circumstances of the present case to examine whether dumped imports caused material injury to Domestic Industry by considering the performance of Domestic Industry over the period of its existence and by undertaking month by month and quarter by quarter analysis. Since the petitioner is a new producer in the country and commenced commercial production in the injury period itself, the performance of the Domestic Industry could have been impacted by the start-up operations and further considering that the petitioner has a short history of existence, it was concerned appropriate to moderate the actual performance of the Domestic Industry in the POI

66. Further, in view of short history of the petitioner, performance of the Domestic Industry has been considered in the period after investigation period based on the available information. Thus, the performance of the Domestic Industry for the period Apr-Dec., 2016 has also being examined and considered in order to determine whether the dumped imports caused injury to the Domestic Industry. It is noted in this regard that some information for post POI was provided by the petitioner in their post hearing written submissions. Further, additional information was called from the petitioner and the same was placed in public file and made available to the interested parties for their comments and defending their interests.
67. As far as existence of a producer in SEZ is concerned, the authority considers that the presence of an SEZ unit does not disentitle the petitioner to claim the status of a new producer in the country in a situation where there is no other producer of like article in DTA. The petitioner claims that they are the sole producers of PUC for hygiene and sanitary application. The domestic producer should not be denied the opportunity to seek protection under the law only because such unit in SEZ, who is primarily targeting its product in the export market and not willing to file an anti-dumping application.
68. The authority notes in this regard that the interested parties in general contended that the producers are in the buyer's market where buyers decide the kind of product they wish to buy, the properties in the product they require, the price at which they wish to purchase. Further, it is noted that they are handful of consumers in India and globally who are buying this product and many of these consumers are in fact multinational companies who are having manufacturing operations in India and globally. The petitioner provided information with regard to major consumers of the product to whom petitioner is supplying the product in India. While it is true that the Alstrom Fibre Composite is also a manufacturer of the product in the country, and the company has admittedly produced and supplied the product in the Indian market, considering the object and intent of the dumping law, it would be appropriate to consider that the petitioner is in fact a new producer of the product in the country and the petitioner is entitled to seek protection by claiming injury in the form of material retardation to establishment of Domestic Industry. Nevertheless, the authority has examined performance of the Domestic Industry to the extent of its existence and has determined whether the same shows that the Domestic Industry has suffered material injury.

Cumulative Assessment

69. Article 3.3 of WTO agreement and Para (iii) of Annexure II of the Anti-dumping Rules provide that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article and
 - b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
70. The Authority notes that:
- a. The margins of dumping from China (except one producer) and Thailand are more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
 - b. The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of total volume of imports.
 - c. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the Domestic Industry in the Indian market. It is noted that consumers are interchangeably buying from producers in subject countries. Further, consumers have one after approved the petitioner Domestic Industry's product for procurement.
71. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the Domestic Industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries.
72. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the Domestic Industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant

price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-dumping Rules.

Volume Effect of Dumped Imports

Import Volumes

73. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S. The volume of imports of the subject good from the subject countries has been analyzed as under:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	POI (Annualized)
China PR	MT	753	916	1,597	3,493	3,895
Indonesia	MT	18	547	3,759	3,544	3,483
Malaysia	MT	702	2,186	3,248	5,530	6,348
Saudi Arab	MT	738	83	-	2,388	3,027
Thailand	MT	526	1,526	2,347	3,353	3,337
Imports from subject countries	MT	2,737	5,258	10,951	18,309	20,090
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>192</i>	<i>400</i>	<i>669</i>	<i>734</i>
Imports from other countries	MT	390	139	71	316	417
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>36</i>	<i>18</i>	<i>81</i>	<i>107</i>
Total Imports	MT	3,127	5,397	11,023	18,624	20,507
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>173</i>	<i>353</i>	<i>596</i>	<i>656</i>
Domestic Sales of Applicant	MT	-	-	-	1,969	2,626
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>				<i>100</i>	<i>133</i>
Sale of other producers	MT	1,987	1,987	2,157	1,500	2,644
Demand	MT	5,114	7,384	13,180	22,094	25,777

74. Demand for the subject goods increased throughout the injury period and this increase in demand has been quite significant.

75. The volume of imports from subject countries is very significant in absolute terms as well as in relation to total imports and the overall demand in the country. Primarily this was due to the fact that the Domestic industry commenced commercial production only in July, 2015 only and the SEZ units were catering mainly to the export market.

76. Share of imports from the subject countries in total imports is quite significant over the entire injury period. The imports from subject countries constitute 98% of the total imports during injury period.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	POI (Annualised)
Subject Countries	%	87.53	97.43	99.35	98.30	97.96
China PR	%	24.09	16.96	14.49	18.75	18.99
Indonesia	%	0.58	10.14	34.10	19.03	16.98
Malaysia	%	22.44	40.50	29.47	29.69	30.96
Saudi Arab	%	23.60	1.54	-	12.82	14.76
Thailand	%	16.82	28.28	21.29	18.00	16.27
Others	%	12.47	2.57	0.65	1.70	2.04
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry

77. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports

is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

78. It has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the Domestic Industry has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any. The analysis for various price parameters has been based on DGCI&S data.

a. Price Undercutting

79. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the Domestic Industry in the market, the Authority has compared the landed price of imports with the net sales realization of the Domestic Industry. It is observed that price undercutting during POI is negative.

Particulars	UOM	China PR	Indonesia	Malaysia	Saudi Arabia	Thailand
Landed price of imports	Rs./MT	1,70,236	1,58,893	1,49,184	1,56,155	1,74,511
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***	***
Price Undercutting %	%	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Range	Negative	Negative	Negative	Negative	Negative

b. Price suppression/depression

80. In order to determine whether the effect of imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred, the Authority examined the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the Table below:

Particulars	UOM	2015-16 Q2	2015-16 Q3	2015-16 Q4
Import price from China	Rs./MT	1,91,930	1,74,064	1,30,408
Import price from Indonesia	Rs./MT	1,64,848	1,58,421	1,42,046
Import price from Malaysia	Rs./MT	1,57,091	1,67,448	1,20,568
Import price from Saudi Arabia	Rs./MT	1,65,505	1,77,647	1,19,538
Import price from Thailand	Rs./MT	1,87,727	1,78,834	1,30,919
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***

81. To examine the price suppression and depression effects of the dumped imports on the domestic prices, the trend of cost of production and selling price of the Domestic Industry has been examined. It is noted that net sales realisation is far below the cost of sales throughout the period thereby indicating clear effects of suppression and depression of prices.

Economic parameters of the Domestic Industry

82. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

83. The various injury parameters relating to the Domestic Industry are discussed herein below:

i. Capacity, Production, Sales and Capacity Utilization

84. The data relating to the Domestic Industry is shown in the following table:

Particulars	Unit	POI	Post POI
-------------	------	-----	----------

		July-Sept	Oct.-Dec	Jan-Mar	Apr-June	July-Sept	Oct.-Dec	Jan-Mar
Capacity	MT	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500	4,500
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>
Production PUC	MT	***	***	***	***	***	***	***
Production NPUC	MT	***	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>668</i>	<i>137</i>	<i>279</i>	<i>173</i>	<i>164</i>	<i>133</i>
Production Plant	MT	***	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>481</i>	<i>262</i>	<i>394</i>	<i>463</i>	<i>498</i>	<i>546</i>
Capacity Utilization	%	***	***	***	***	***	***	***
Plant Utilization	%	***	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>481</i>	<i>262</i>	<i>394</i>	<i>463</i>	<i>498</i>	<i>546</i>
Domestic sales	MT	***	***	***	***	***	***	***
Export sales	MT	***	***	***	***	***	***	***
Total	MT	***	***	***	***	***	***	***

85. It is noted that

- The production of the Domestic Industry increased during the investigation period and in the post POI.
- The Capacity utilization of the Domestic Industry improved within the investigation period.
- Sales volumes of the Domestic Industry improved within the investigation period and further in the post POI period. Hence, notwithstanding increased imports during this period, Domestic Industry has shown improved results on these parameters. However, three quarters are of a small period to fully judge the trend.

ii. Profit, cash flow and return on investment

86. The data relating to Domestic Industry is shown below:

Particulars	Unit	POI			Post POI			
		July-Sep	Oct.-Dec	Jan-Mar	Apr-June	July-Sept	Oct.-Dec	Jan-Mar
Cost of Sales	₹/Kg	***	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>97</i>	<i>98</i>	<i>75</i>	<i>78</i>	<i>78</i>	<i>79</i>
Selling Price	₹/Kg	***	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>103</i>	<i>95</i>	<i>96</i>	<i>95</i>	<i>93</i>	<i>96</i>
Profit/Loss	₹/Kg	***	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(86)</i>	<i>(102)</i>	<i>(34)</i>	<i>(43)</i>	<i>(48)</i>	<i>(44)</i>
Profit/Loss	₹/Lacs	***	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(355)</i>	<i>(404)</i>	<i>(177)</i>	<i>(307)</i>	<i>(438)</i>	<i>(378)</i>
Cash profit	₹/Lacs	***	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(75)</i>	<i>(129)</i>	<i>(219)</i>	<i>(255)</i>	<i>(198)</i>	<i>(308)</i>
ROI	%	***	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(316)</i>	<i>(335)</i>	<i>(792)</i>	<i>(1,154)</i>	<i>(968)</i>	<i>(2,337)</i>

87. It is seen that

- The cost of sales have decreased over the investigation period as also the selling price. Further it is noted that selling price is below the cost of sales.
- The Domestic Industry has been suffering losses. The extent of loss is quite significant. The losses suffered by the Domestic Industry increased over the period. However, nine months period after commencement of commercial production is too less to judge the performance, as it could be due to teething problems in setting up of a new industry.
- The Domestic Industry is suffering negative return on capital employed throughout the period.

iii. Employment and Productivity

88. The data relating to Domestic Industry shows as follows:

Particulars	Unit	POI		
		July-Sep	Oct.-Dec	Jan-Mar
Employee	No	***	***	***
Trend	<i>Indexed</i>	100	102	107
Productivity per Employee	MT/No	***	***	***
Trend	<i>Indexed</i>	100	392	321

89. It is noted that employment and productivity has shown improvement within the investigation period.

iv. Inventories

90. The Domestic Industry data is presented below:

Particulars	Unit	POI			Post POI			
		July-Sep	Oct.-Dec	Jan-Mar	Apr-June	July-Sept	Oct.-Dec	Jan-Mar
Opening Inventory	MT	***	***	***	***	***	***	***
Closing Inventory	MT	***	***	***	***	***	***	***

91. Authority observes that inventories with the Domestic Industry increased within the investigation period and even in the past POI period. Again, the period being too small no definite conclusion can be drawn from this parameter.

v. Growth

92. The growth of the Domestic Industry with regard to various parameters was as follows. It is seen that growth of the Domestic Industry was positive with regard to volume parameters and negative with regard to price parameters.

vi. Ability to raise capital investment

93. The Domestic Industry submitted that the future investment in this sector is marred by the presence of dumped imports from the subject countries. The negative profitability, negative cash flows and negative return on investment clearly indicate that the ability of the Domestic Industry to raise capital investment for the sector is jeopardised by the dumped imports. In the prevailing situation, it would not be possible for the Domestic Industry to make any further investment for the production and sale of the subject goods. The Domestic Industry submitted that the Domestic Industry is working on a plan to get itself merged into Jindal Poly Film Ltd., the company who is holding majority shareholding in the company in order to prevent itself become totally unviable.

vii. Factors Affecting Domestic Prices

94. Examination of the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the Domestic Industry in the domestic market, etc. show that the landed value of imported material from the subject countries is below the selling price and the non-injurious price of the Domestic Industry, causing significant price undercutting in the Indian market. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period including the POI and therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is the dumped imports of subject goods from subject countries.

viii. Magnitude and Margin of Dumping

95. The imports from the subject countries are above the de minimis level of dumping margin. However, wherever Dumping Margin was de-minimus in case of individual exporters, the same has been dealt as per the Rules.

I. OVERALL ANALYSIS ON INJURY

96. Having regard to the information on record and after examination of the performance of the Domestic Industry, the Authority notes that the dumped imports of the subject goods from subject countries have increased in absolute terms. The Import prices of the product as well as the selling price of the Domestic Industry have declined within the investigation period. The demand for the product increased significantly. After commencing commercial production in the new plant, the Domestic Industry has increased their production, capacity utilization and sales. However, the performance of the Domestic Industry was negative in respect of

parameters such as, net sales realization, profits, cash flows and return on investments. Inventories increased significantly. However, the period of nine months may not be sufficient to judge the trend and the data related to dumping or injury margin for most of the producers/exporters does not clearly establish the causal link between the imports and injury.

J. CAUSAL LINK AND NON ATTRIBUTIONAL ANALYSIS

97. Having examined, no causal relationship with imports can be drawn as many of the parameters on which DI is suffering injury during POI could be due to teething problems in the initial stage of setting up a new industry and not necessarily due to dumped imports. POI period is of nine months after commencement of commercial production, which is too short to draw definitive conclusion on causal links between dumped imports from subject countries and injury suffered by DI. The performance of DI is likely to improve once initial teething problems are taken care of. It appears premature to link the injury to DI with dumped imports. Further, it was also brought to the notice of the Authority that the ownership structure of the company also changed subsequent to the POI due to merger. Accordingly, the following parameters have been examined:-

- i. **Volume and value of imports from countries other than the Subject Countries-** Imports from countries other than the subject countries are not significant in volumes. .Therefore, Imports from third countries are not causing any injury to the Domestic Industry.
- ii. **Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption-** The Authority notes that there is a significant increase in demand for the subject goods in the country,.. Therefore, contradiction of demand and change in the pattern of consumption cannot be construed as the cause for injury to the Domestic Industry.
- iii. **Development in Technology-** None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the Domestic Industry.
- iv. **Trade restrictive practices and competition between supply from various sources-** The Authority notes that the subject goods are not subjected to any trade restrictive practices in India. Moreover, apart from the competition that is obvious in any market economy, no inter se competition or competition between supplies from various domestic and international sources exhibit any such impact that could be construed as injurious to the Domestic Industry.
- v. **Export performance-** Performance of the Domestic Industry has been segregated for domestic and export market. Petitioner has exported the product under consideration during the period. However, injury to product under consideration cannot be attributed to exports. Any possible decline in export performance is not a cause of injury to the Domestic Industry.

FACTORS ESTABLISHING CAUSAL LINK:-

98. All Parameters enumerated above indicate that the period of nine months after commencement of commercial production may be too short to arrive at any conclusive evidence regarding injury suffered by the DI. Therefore, it may be premature to link the injury suffered by the DI is due to the imports from the subject countries due to the following reasons.

- i. The dumping margin or injury margin for most of the producers/exporters is negative or very minimal showing no causal link in imports and injury suffered by the DI.
- ii. The capacity of the domestic industry is not enough to cater the demand in the domestic market. Further, the performance of DI is likely to improve once initial teething problems are taken care of.
- iii. It was also brought to the notice of the Authority that the ownership structure of the company also changed subsequent to the POI due to merger.
- iv. The DI has provided data only for the 9 months of its performance wherein very limited information is available for “best utilization of raw materials”, “best utilization of utilities”, “best utilization of production capacities”, as required under Annexure III of the Indian AD Rules
- v. Once stabilized, the DI may experience better performance. It is natural that a certain amount of gestation period is reasonable.

K. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

99. The non-injurious price of the subject goods produced by the Domestic Industry determined has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during POI. The injury margin determined are as under:-

Sr. no.	Producer	Landed Value	NIP	Injury Margin		
		USD/MT	USD/MT	USD/MT	%	Range
1	Toray Polytech (Nantong) Company Limited, China	***	***	***	***	0-10
2	Hubei Gold Dragon Nonwoven Fabrics Co., Ltd, China	***	***	***	***	Negative
3	All Others producers/exporters from China PR	***	***	***	***	10-20
4	Toray Polytech Jakarta, Indonesia	***	***	***	***	5-15
5	All Others producers/exporters from Indonesia	***	***	***	***	5-15
6	All producers/exporters from Malaysia	***	***	***	***	10-20
7	Saudi German Co. for Nonwoven Products, Saudi Arabia	***	***	***	***	0-10
8	All Others producers/exporters from Saudi Arabia	***	***	***	***	0-10
9	Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd through Itochu Thailand Limited /Itochu India Limited	***	***	***	***	Negative
10	All Others producers/exporters from Thailand	***	***	***	***	less than 1%

L. POST DISCLOSURE STATEMENT

100. The issues raised at post disclosure stage have already been raised earlier during the investigation and also addressed appropriately. However, for the sake of clarity the submissions by the interested parties have been summarised and again addressed as below:

Submissions made by the Domestic Industry

101. The comments submitted by domestic industry are summarised as below:

- The Authority should clarify with regard to the product under consideration that “made of polypropylene” does not mean 100% made of polypropylene. The product under consideration is not “Nonwoven fabric made only of Polypropylene” or “Nonwoven fabric made of 100% Polypropylene”, or “Nonwoven fabric not having any other resin”. It should be clearly mentioned in the duty table.
- Such a clarification is highly imperative in view of possibility of evasion of proposed measure, a possibility symptom of which are clearly visible in the submissions filed by the exporters at such a belated stage of the proceedings. Possibility of bringing the goods by misusing the description by the exporter cannot be ruled out. Exclusion demanded by the exporters by their brand name is totally unjustified.
- Neither the petitioner nor the foreign producers currently produce non-woven fabric below 8 GSM, nor has it been imported into India. It can be excluded from the product under consideration except it is not used for duty evasion in future.
- The PUC is to be identified with respect to the GSM, treated/untreated (hydrophobic/hydrophilic) and spun bond/melt blown technology of manufacturing.
- Authority has decided not to distinguish the subject goods on the basis of their usage or application as such distinction will lead to complication in the outcome of the investigation.
- It is necessary for the exporters to give specific description of the product, even for the purpose of exclusion. The exclusions demanded by the exporters of “non-woven loft”, “non-woven dual” or “printed nonwoven” are not any type of product but only a loosely worded description which has no specific description. The Authority needs to be cautious while describing the products included under the scope of

product under consideration. The Authority has held that "non-woven loft", "non-woven dual" and "printed nonwoven" falls within the scope of the product under consideration.

- g. The exporters simply gave name of the companies and claimed it that the product under consideration is being produced by the. The exporters are certainly aware that what all products are being exported by them and what all products are being supplied by India to them.
- h. The Authority considered the petitioner and M/s Alpha Foam both as domestic industry. Alpha Foam cannot be treated as domestic industry because the product being manufactured by Alpha Foam is different than what is being produced by the petitioner.
- i. The petitioner produces the goods for sanitary purposes and is the sole producer of the product under consideration.
- j. Rejection of questionnaire response by questionnaire response of Fibertex Personal Care SDN BHD, Malaysia on the basis of incomplete and unreliable information filed by them, is justified and domestic industry supports the same.
- k. The Authority should not have accepted the response filed by Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd through Itochu Thailand Limited /Itochu India Limited. It can be seen that the dumping margin determined for the exporter is positive but injury margin is negative.
- l. The dumping margin determined for all the exporters except Fibertex Personal Care SDN BHD, Malaysia, is a matter of concern.
- m. The Authority should disclose the
 - i. non-confidential version of the verification report in order to enable the domestic industry to make meaningful comments on determination of dumping margin of the exporters.
 - ii. Non confidential version of the communication sent by the Authority and replies by the exporters.
 - iii. Detailed break-up of the NIP determined should be provided to the domestic industry to enable them to make comments on same.
 - iv. The actual dumping margin so the domestic industry can make comment on that. The dumping margin is disclosed at the time of finding and there is no option for the domestic industry to make any comment on the same.
 - v. The normal value of the non-cooperating exporters which is determined on the basis of the domestic industry's data .
 - vi. Rejection of response of Fibertax is justified because they have not adjusted the expenses of Indian office and had claimed that the same has been included in SGA of Fibertax Malaysia and apportioned on the basis of turnover of exports to India., which is completely wrong. The exporter intentionally did not file the actual data with the response. Later on the data filed by was again incomplete and the volume reported on invoice did not match the updated data. None of the annexures, necessary to determine the dumping margin, were updated by the exporters even after filing the updated information. Indian office has nothing to do with whole operation of the company. So allocation of Indian office expenses to the whole sales is not justified. Fibertex's claim that they have reported the weight after converting the square meter is misleading. Each export consignment contains weight of the consignment, which cannot be determined unless complete weight of each item of the invoice is available. In any case, the statement shows the production of the company is not adequately and correctly established.

Submissions made by the Exporters/producers and other interested parties

102. The comments submitted by domestic industry are summarised as below:

- a. The petitioner does not produce non-woven fabric below 12 GSM or above 22 GSM and the same be excluded from the scope of product under consideration.
- b. The petitioner's capability to produce certain good is completely irrelevant. In past authority has included the products being manufactured by the domestic industry.
- c. "Non-woven loft", "non-woven dual", and "printed non-woven" are beyond the product under consideration and now including non-woven made of other raw material, apart from polypropylene, is completely

untenable. Non-woven loft”, “non-woven dual”, and “printed non-woven” are not substitutable or interchangeable with non-woven made of 100% polypropylene.

- d. There is a difference in raw material of Non woven lofts and non-woven duals and technically also both are different. But the authority neither did sought information from the domestic industry nor assessed the technical information provided by the exporter.
- e. Printed non- woven is not being manufactured by the domestic industry and accepted by the domestic industry that printing is done by associate company. So the product should be excluded.
- f. Reassessing the product under consideration can be allowed at this stage only in rare cases, the present case is not one and there is no prayer from the petitioner’s end asking for allowing variation of subject good. Such delayed inclusion of variations violates principal of natural justice.
- g. The Authority cannot take arbitrary variation as 10%. There is no reason why authority should consider it in the absence of any such claim made by the interested parties.
- h. Since the authority has not distinguished the product under consideration on technical basis, the production of other identified domestic producer should be included in the Domestic industry’s standing assessment as well in injury analysis. The authority must reassess the scope of domestic industry in light of the identified product under consideration.
- i. The differentiation between the PUC and the identical product produced by the other domestic producer on the basis of price only cannot be accepted and is against Anti-Dumping Regulations.
- j. The domestic industry has nowhere claimed that the product manufactured by them and the other producers are not identical and their characteristics are different. They have made false statement in the petition to be the sole producer of the product under consideration .
- k. Despite Authority’s observation about the product under consideration and the like articles are comparable, no such comparison has been done which could have affected the claim of the domestic industry.
- l. There are contradictory statements given by the authority in the disclosure statement saying that he is not bothered about application factor while determining like articles and at the same time it is observed by the authority that they have used function and application factors while determining like articles. Authority’s stand of not including application factor due to complexity cannot be accepted. The clear purpose of not including application factor can be seen as to exclude other Indian producers.
- m. It is inappropriate to reject exclusion of goods because they were raised at the belated stage is completely non acceptable if the exclusion was asked on genuine ground.
- n. The domestic industry has claimed that they are the sole producer and there is one more company i.e. Ahlstrom Fibercomposites India Pvt. Ltd, having its plant in SEZ. DI has categorically mentioned that share of this SEZ unit is approximately 36 % of total Indian production.
- o. The petitioner has excluded another Indian producer of PUC because of its status as SEZ. Petitioner excluded 29 other domestic producers as their selling price is lower than the applicant’s price. The Authority should verify the facts related to domestic industry before issuing final finding.
- p. The Authority did not make any efforts to know about the other domestic producers after the Textile Ministry did not reply to their message.
- q. Unicharm has provided documents to show that few of the 29 names mentioned in the list provided by domestic industry had approached Unicharm for sale of their products claiming it to be Non-Woven fabric upto 25 GSM.
- r. Domestic industry’s output should constitute more than 51% of the major proportion of production. According to the petition of the domestic industry the production is 63.74% in case the DTA clearance of SEZ is taken into account.
- s. The petitioner has mislead the authority to get this investigation initiated the petitioner is not the only producer of the subject goods there are other producers in DTA apart from one in SEZ. This is not case of material retardation.
- t. The authority has not even analyzed petitioner’s merger with the parent company. Merger is an important fact to be analyzed.

- u. The authority should consider injury parameters based on three companies M/s Alpha Foam, M/s AlstromeFibercomposite and petitioner.
- v. The Authority has wrongly rejected the response filed by M/s Fibertex Malaysia. The reason for rejection is contrary to the facts on record and without any evidentiary basis. The fact of Indian office was never suppressed by the exporter and the same was disclosed in the EQR filed both in confidential and non-confidential version.
- w. The Indian office cost was already included in the SGA expenses and no further adjustment in export price was required. Backup documents were also file and with regard to description of goods, quantum of sales, invoice value and the per unit price exactly matches the Appendix 2 of EQR.
- x. The information filed Fibertex billing is done in square meter rather than in kgs. For the purposes of making uniformity square meter was converted into kgs. Any error in conversion can be easily addressed by the Authority.
- y. Quantum of sale has no bearing on determining dumping margin still the quantum of sales in kgs was provided to the Authority based on estimated quantity in kgs as reported in invoice. The officer did not raise any objection with regard to data then.
- z. The authority is requested to rectify the mistakes and use Fibertex data for determining individual dumping margin of Fibertex, Malaysia. Authority did not provide any opportunity to the exporter to address the alleged error which is against the principle of natural justice.
- aa. Toray Polytech Jakarta, Indonesia fully agrees with respect to the dumping margin determined for them.
- bb. Toray Polytech Nantong, China PR, has responded to the non market economy Questionnaire and still the MET claim has been rejected on the ground that they have not fulfilled the conditions prescribed para 8(3) of annex 1. There is no state interference and all the operational decision of TPN is taken independently by the company. TPN is a foreign capital enterprise and does not have state shareholding. TPN has furnished sufficient information about its basic inputs for production and has provided evidence to prove that its purchase price of major inputs reflects the prevailing market price of China.
- cc. It is clear from the confidential version of Authority's assessment of Normal Value, dumping margin and export price with respect to M/s Saudi German Co for Non-woven products, Saudi Arabia (SGN), the dumping margin is de minimis. .
- dd. The Authority should terminate the investigation with regard to SGN. The Authority is required to asses injury pertaining to only dumped import. When all of its imports have been determined to have de minimus dumping margin, is misguided.
- ee. M/ Unicharm has filed the questionnaire response and the data submitted confirms that there is no injury caused to the domestic industry and Unicharm is not involved in importing of dumped Product under consideration . No reason has been cited for rejection of importer questionnaire filed by M/s Unicharm.
- ff. The Authority is required to consider the best utilization of raw materials, utilization of utilities and capacity utilization over the POI and the preceding three years period. The petitioner was not in existence for such a long period and has performed only nine months in Period of investigation. The procedure followed by authority must be explained.
- gg. The Authority has assessed injury and injury analysis on a quarterly basis, therefore, the dumping margin and the injury margin should also be assessed on a quarterly basis.
- hh. DGCI&S data should be provided and petitioner's import data is not correct.
- ii. Authority has relied on post-Period of investigation data submitted by the petitioner in their post oral hearing written submission, the authority should have provided the same to the exporter and have given due opportunity to comment on the same.
- jj. The Authority should assess post Period of investigation data only for the purpose of observing trends of import.
- kk. The authority has failed to determine whether the material injury/threat to material injury is being caused to an established industry or material retardation to the establishment of an industry in India.

- ll. The disclosure statement suggests that a new producer in an established industry is also entitled to claim material retardation, which is completely against the understanding of material retardation standard. It is not clear from the disclosure statement that whether the material injury assessment proceeds on the data of the petitioner at the time of its existence or on project reports.
- mm. Non-confidential version or summary of or index of data provided in the project report. The project report is mentioned vaguely both by the petitioner and by the authority.
- nn. Authority has kept the trends for analysis of price suppression and depression as confidential. It is impossible to comment on the same. The volume of imports as reported by the petitioner and determined by the authority is exactly same.
- oo. The prices are determined by the market and not determined by imports. The petitioner has failed to bring on record the conversion cost of the product under consideration. Decline in international prices cannot be alleged as dumping.
- pp. The factor affecting the domestic industry is the global cost of raw material. Authority has failed to consider the raw material prices decline and its impact.
- qq. The authority is required to carry out non attribution analysis. International prices of raw material, buyer's market, inter se competition between petitioner and established producers and effect of ASEAN FTA should be analysed and discussed by the authority.
- rr. The manufacturers of product require detailed test approval for using their product for hygiene purpose. The import quality is much superior to that of domestic industry.
- ss. There is no case of material retardation because the petitioner's production and sales were already stabilized and it continued the process during the POI and there was already an established producers M/s Ahlstrom in SEZ unit.
- tt. The growth of the capacity utilization rate of the petitioner is an evidence that its performance was well during the period of injury. The GOI further disagrees with the cash profit analysis of the DGAD in the Disclosure which is also misleading.
- uu. It is observed that the price and volume effect were not properly examined.

Examination by Authority:

103. It is noted that the issues raised at post disclosure stage have already been examined by the Authority in above relevant paragraphs. From the above, the Authority notes that in case of most of participating exporters from subject countries the dumping margin is de-minimus or negative except Toray Polytech (Nantong) Company Limited, China and Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd. However, in some cases though the dumping margin is positive, the injury margin is negative. The authority has also corrected the inadvertent errors in the calculation of dumping and injury margin in some cases.

M. CONCLUSION

104. After examining the issues raised, submissions made therein, views expressed in oral hearing by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:
- i. The product under consideration has been exported to India from the subject countries is not below its normal value except in case of Toray Polytech (Nantong) Company Limited, China and Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd. . Further, there is only one producer from China PR for which dumping and injury margin is positive. Moreover, with regard to imports from Asahi Kasei Spunbond (Thailand) Co., Ltd the injury margin is negative. Therefore, the causal link required under the AD Rules is missing.
 - ii. The price undercutting from all the subject countries is negative.
 - iii. The DI has provided data only for the 9 months of its performance wherein very limited information is available for "best utilization of raw materials", "best utilization of utilities", "best utilization of production capacities", as required under Annexure III of the Indian AD Rules
 - iv. DI is suffering injury during POI could be due to teething problems in the initial stage of setting up a new industry and not necessarily due to dumped imports.

- v. POI period is of nine months after commencement of commercial production, which is too short to draw definitive conclusion on causal links between dumped imports from subject countries and injury suffered by DI. The performance of DI is likely to improve once initial teething problems are taken care of.
- vi. It was also brought to the notice of the Authority that the ownership structure of the DI changed subsequent to the POI due to merger with parent company. This may have some impact on cost and efficiency of the applicant.

N. RECOMMENDATIONS

105. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal links in terms of the provisions laid down under the Anti-dumping Rules. The authority notes that there is no causal link between the dumped imports material injury to the domestic industry due to reasons give above. Therefore, in terms of Rule 14 (b), (e) and Rule 17(1)(iii) read with Rule 11(2) and para v of Annexure II of the Anti-dumping Rules, the Designated Authority decides to terminate the present investigation which was initiated vide Notification No. 14/23/2015-DGAD dated 15th June, 2016.

Dr.INDER JIT SINGH, Additional Secretary & Designated Authority